@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शुक्रवार, 16 मई 2025

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 185 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

दरभंगा में राहुल गांधी के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज

सी.चन्द्रा

दरभंगा, 15 मई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित 20 नामजद लोगों के खिलाफ जिला कल्याण पदाधिकारी, दरभंगा आलोक कुमार के आवेदन पर लहेरियासराय थाने प्राथमिकी दर्ज किया गया है। इन लोगों के खिलाफ पुलिस ने ब्क्हस् की धारा-163/144 के उल्लंघन का मामला दर्ज किया है। जिला कल्याण पदाधिकारी ने लिखा है कि आंबेडकर छात्रावास में कार्यक्रम के लिए कोई विधिवत अनुमति के बिना आयोजन किया गया था। थाने में दर्ज प्राथमिकी में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पूर्व विधान पार्षद डॉ. मदन मोहन झा, जमाल हसन, पूर्व जिलाध्यक्ष सीताराम चौधरी, विधायक शकील अजमद खान, प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम सहित 20 कांग्रेस नेताओं को नामजद किया गया है, जबकि दर्जनों अज्ञात पर भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। बता दें कि लहेरियासराय थाना क्षेत्र के मदारपुर स्थित आंबेडकर छात्रावास में कांग्रेस द्वारा आयोजित शिक्षा संवाद कार्यक्रम का आयोजन बिना अनुमति के किया गया था। जिला प्रशासन ने आंबेडकर छात्रावास में होने वाले कार्यक्रम को रद्द करते हुए टाउन हॉल में आयोजन करने की अनुमति दी थी। हालांकि, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दरभंगा पहुंचने के बाद काफी हाई वोल्टेज ड्रामा के बीच राहुल गांधी पैदल यात्रा करते हुए आंबेडकर छात्रावास परिसर में शिक्षा संवाद कार्यक्रम को संबोधित किए। इस संबंध में पत्रकारों को संबोधित करते हुए सदर एसडीओ विकास कुमार एवं सदर डीएसपी अमित कुमार ने बताया कि आंबेडकर छात्रावास में बिना अनुमति के आयोजित कार्यक्रम भारतीय न्याय संहिता की धारा-163 का उल्लंघन है।

ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद पर बड़ी कार्रवाई, अपनी सेना पर गर्व है : राजनाथ सिंह

सिम्मी कौर बब्बर

जम्मू, 15 मई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज जम्मू-कश्मीर के दौरे पर हैं। रक्षा मंत्री श्रीनगर पहुंचे हैं। उनके साथ एलजी मनोज सिन्हा भी मौजूद हैं। उन्होंने सेना के अधिकारियों व जवानों से मुलाकात की। रक्षा मंत्री घाटी में सेना की कमान संभालने वाली चिनार कॉर्प्स के मुख्यालय पहुंचे हैं। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह राजनाथ सिंह का पहला जम्मू-कश्मीर दौरा है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचकर वायुसेना के जवानों से मुलाकात की और उनका हौसला बढ़ाया था। बादामी बाग छावनी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, इस विषम परिस्थिति में, आप सबके बीच आकर, आज मैं, बहुत ही गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। हमारे प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में, 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान आपने जो कुछ किया, उसने पूरे देश को गर्व से भर दिया है। मैं अभी भले ही आपका रक्षा मंत्री हूं लेकिन उससे पहले तो भारत का नागरिक हूं। रक्षा मंत्री के साथ-साथ, मैं आज, भारत के नागरिक के रूप में भी आपका आभार प्रकट करने आया हूं। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमें अपनी सेना पर गर्व है। ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद पर बड़ी कार्रवाई है। पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी पड़ी है। हम आतंकवाद के खिलाफ किसी भी हद तक जा सकते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, मैं आपकी उस ऊर्जा को महसूस करने आया हूं, जिसने दुश्मनों को नेस्तनाबूद कर दिया। आपने जिस तरीके से, सीमा के उस पार पाकिस्तान की चौकियों और बंकरों को धवस्त किया, दुश्मन उसे कभी भूल नहीं पायेगा। आमतौर पर लोग जोश में होश खो देते हैं। लेकिन आपने, जोश भी रखा, होश भी रखा और सूझबूझ के साथ दुश्मन के ठिकानों को बर्बाद किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत द्वारा चलाई गई, अब तक के इतिहास की सबसे बड़ी कार्रवाई है। 35-40 वर्षों से भारत सरहद पार से चलाये जा रही आतंकवाद का सामना कर रहा है। आज भारत ने पूरी दुनिया के सामने स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ हम किसी भी हद तक जा सकते हैं। पहलगाम में आतंकवादी घटना को अंजाम देकर भारत के माथे पर चोट पहुंचाने का काम किया, भारत की सामाजिक एकता को तोड़ने का प्रयास किया गया। उन्होंने भारत के माथे पर वार किया, हमने उनकी छाती पर घाव दिए हैं। पाकिस्तान के जख्मों का इलाज इसी बात में है कि वह भारत विरोधी और आतंकवादी संगठनों को पनाह देना बंद करे, अपनी ज़मीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ न होने दे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने श्रीनगर एयरबेस का दौरा किया और जवानों से मुलाकात की। उनके साथ जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद हैं। भारतीय वायु सेना (ढ्ढस्न) के जवानों ने श्रीनगर एयर बेस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बातचीत के दौरान वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाए। वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बादामी बाग छावनी में जवानों के साथ भारत माता की जय के नारे लगाए। रक्षा मंत्री ने यहां जवानों को संबोधित किया।

सुप्रीम कोर्ट की ओर से समयसीमा तय किए जाने पर राष्ट्रपति ने उठाए सवाल

संजय अरोड़ा

नई दिल्ली, 15 मई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 8 अप्रैल 2025 को दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सवाल उठाए हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में आदेश दिया था कि राज्यपालों और राष्ट्रपति को एक तय समय में उनके समक्ष पेश विधेयकों पर फैसला लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर काफी हंगामा हुआ। अब राष्ट्रपति ने इस पर आपत्ति जताई है और कहा कि देश के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, तो सुप्रीम कोर्ट किस आधार पर यह फैसला दे सकता है। राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समयसीमा तय करने जैसे

विषयों पर स्पष्टीकरण मांगा है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में दिए अपने फैसले में कहा था कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए विधेयक पर राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर फैसला लेना होगा। अगर तय समयसीमा में फैसला नहीं लिया जाता तो राष्ट्रपति को राज्य को इसकी वाजिब वजह बतानी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में ये भी कहा कि राष्ट्रपति किसी विधेयक को पुनर्विचार के लिए राज्य विधानसभा के पास वापस भेज सकते हैं। अगर विधानसभा उस विधेयक को फिर से पारित करती है तो राष्ट्रपति को उस पर अंतिम फैसला लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति के फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। अदालत ने कहा कि अगर राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद की सलाह के खिलाफ जाकर फैसला लिया है तो सुप्रीम कोर्ट के पास उस विधेयक को कानूनी रूप से जांचने का अधिकार होगा।

तुर्किये से आयातित सेब पर लगे प्रतिबंध: जयराम ठाकुर

धर्मशाला, 15 मई। सिटीजन फॉर नेशनल सिक्योरिटी के बैनर तले भाजपा ने वीरवार को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के अवसर पर कोतवाली के चीलगाड़ी रोड से कचहरी चौक तक तिरंगा यात्रा निकाली। तिरंगा यात्रा में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, प्रदेश महामंत्री त्रिलोक कपूर और कांगड़ा-चंबा के प्रभारी विपिन परमार विशेष तौर पर उपस्थित रहे। इस दौरान भारतीय सेना का मनोबल बढ़ाने के लिए यात्रा में भाग लेने वाले लोगों ने खूब नारेबाजी की। तिरंगा यात्रा के बाद आयोजित पत्रकार वार्ता में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि आतंकवाद फैलाने वाले देश पाकिस्तान की मदद करने वाले तुर्किये पर हिमाचल सरकार को कड़ी कार्रवाई करते हुए आयातित सेब पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। इससे जहां तुर्किये को करार जवाब मिलेगा, वहीं हिमाचल के बागवानों को भी इसका लाभ मिलेगा।

जेएनयू के बाद जामिया ने तुर्किये को दिया झटका

दिल्ली, 15 मई। पहलगाम आतंकी हमले के बाद आतंकवादियों के खिलाफ भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में तुर्किये ने पाकिस्तान को मदद की। इसके बाद देश भर में तुर्किये का बहिष्कार किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली ने भी एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। जामिया ने तुर्किये सरकार से संबद्ध किसी भी संस्थान के बीच किसी भी तरह के समझौता ज्ञापन को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक निलंबित कर दिया है। कल बुधवार को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (छ्वहृ) ने भी तुर्किये के एक विश्वविद्यालय के साथ तीन साल की अवधि के लिए किए गए समझौता ज्ञापन को स्थगित कर दिया था। जामिया मिलिया इस्लामिया के एक्स अकाउंट पर पोस्ट डालकर इसकी जानकारी दी गई है। जिसमें लिखा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर, तुर्किये सरकार से संबद्ध किसी भी संस्थान के बीच किसी भी समझौता ज्ञापन (एमओयू) को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक निलंबित किया गया है। जामिया मिलिया इस्लामिया राष्ट्र के साथ मजबूती से खड़ा है। इससे पहले कल यानि बुधवार को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (छ्वहृ) ने भी तुर्किये के एक विश्वविद्यालय के साथ तीन साल की अवधि के लिए किए गए समझौता ज्ञापन को स्थगित कर दिया था। जेएनयू की ओर से ऐसा करने की पीछे की वजह सुरक्षा कारणों को बताया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी आधिकारिक बयान में लिखा है, राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से जेएनयू और इनोनू विश्वविद्यालय, तुर्किये के बीच समझौता ज्ञापन को अगली सूचना तक निलंबित कर दिया गया है।

मानवता को एक सूत्र में पिरोने सहित शांति व भाईचारे का संदेश दे रहा है विश्व शांति केंद्र: मुख्यमंत्री

सौरभ शर्मा

चंडीगढ, 15 मई। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विश्व शांति केंद्र पूरी दुनिया को जोड़ने, मानवता को एक सूत्र में पिरोने और शांति व भाईचारे का वातावरण बनाने के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। जैन आचार्य डॉ. लोकेश मुनि द्वारा स्थापित यह विश्व शांति केंद्र उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। मुख्यमंत्री गुरुवार को विश्व शांति केंद्र में पूज्य आचार्य डॉ. लोकेश मुनि जी के दर्शन करने उपरांत केंद्र के सभागार में शक्ति व शांति के संतुलन से राष्ट्र निर्माण संगोष्ठी कार्यक्रम में बोल रहे थे। भारत के वीर जवानों को समर्पित राष्ट्रीय संगोष्ठी में उन्होंने आचार्य डॉ. लोकेश मुनि का अभिवादन करते हुए वीर शहीदों की शहादत को सलाम किया। शक्ति व शांति के संतुलन से राष्ट्र निर्माण संगोष्ठी में मुख्यातिथि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भारत शांति के साथ प्रबल शक्ति भी रखता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच केवल आतंकवाद को समाप्त करने की थी न कि युद्ध करने की। व्यवस्था पूर्ण तरीके से भारत ने कदम उठाए और आतंकवाद को मिट्टी में मिलाने का काम करते हुए आतंकवाद पर कुठाराघात किया है। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के साथ भारत को आगे बढाने में सरकार ने ठोस निर्णय लिए। देश हर क्षेत्र में आगे ब ?, इसके लिए प्रधानमंत्री ने सराहनीय दूरगामी सोच को चरितार्थ किया। उन्होंने हाल ही में भारतीय सीमाओं पर हुए हमलों में शहीद हुए वीर जवानों की शहादत को सलाम किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की नीति के साथ, समाज के हर वर्ग को एकजुट कर एक समरस समाज बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे आचार्य डॉ.लोकेश मुनि का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं कि जनसेवा को समर्पित होकर वे इस पुनीत कार्य में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अहिंसा, करुणा और वसुधैव कुटुंबकम के आदर्शों को स्थापित करना ही इस केंद्र का संकल्प है और डॉ. मुनि अहिंसा विश्व भारती संस्था के माध्यम से पिछले 20 वर्षों से मानव समाज का मार्गदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज के इस युग में, जब दुनिया हिंसा, आतंक, युद्ध और संघर्ष से जूझ रही है, तब अहिंसा विश्व भारती का यह प्रयास अंधकार में एक प्रकाश स्तंभ की तरह काम कर रहा है। उन्होंने खुशी जताई कि यह संस्था वर्षों से अहिंसा यात्रा, नैतिक शिक्षा, सद्भावना संदेश, नशामुक्ति अभियान और समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की महान संस्कृति और परंपरा ने हमेशा शांति, सहिष्णुता और सद्भाव का संदेश दिया है।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम में मध्यस्थता के बयान से पलटे ट्रंप

तेजिन्दर कौर बब्बर

दोहा, 15 मई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम में मध्यस्थता का दावा करने वाले अपने बयान से अब पलट गए हैं। कतर में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को दूर में मदद की थी। कतर में अल-उदीद एयर बेस पर अमेरिकी सैन्य कर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कहना चाहता कि मैंने मध्यस्थता की, लेकिन मैंने पिछले सप्ताह पाकिस्तान और भारत के बीच समस्या को सुलझाने में मदद की, जो अधिक से अधिक शत्रुतापूर्ण होती जा रही थी। यह छठी बार है जब ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच युद्धविराम कराया। ट्रंप ने कहा कि अचानक आपको एक अलग प्रकार की मिसाइलें दिखाई देने लगेंगी। हमने इसे सुलझा लिया है। मुझे उम्मीद है कि मैं यहां से बाहर नहीं जाऊंगा और दो दिन बाद यह पता चलेगा कि यह सुलझा नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि यह सुलझा हुआ है। ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने दोनों देशों से व्यापार के बारे में बात की। ट्रंप ने कहा कि मैंनें दोनों देशों से कहा कि युद्ध के बजाय व्यापार करें। पाकिस्तान इससे बहुत खुश था और भारत भी इससे बहुत खुश था। मुझे लगता है कि वे इस रास्ते पर हैं। सभी जानते हैं कि वे लगभग एक हजार साल से लड़ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि आप सभी जानते हैं कि मैं कुछ भी सुलझा सकता हूं। चलो उन सभी को एक साथ लाते हैं। भारत पाकिस्तान कब से लड़ रहे हैं? लगभग 1,000 साल से। लेकिन हमने इसे सुलझा लिया। कोई भी भारत पाकिस्तान तनाव से बहुत खुश नहीं था। ऐसा लग रहा था कि यह वास्तव में नियंत्रण से बाहर होने वाला था। बीते शनिवार को ट्रंप ने घोषणा की थी कि भारत और पाकिस्तान एक पूर्ण और त्वरित संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं, जो अमेरिका की मध्यस्थता में पूरी रात की बातचीत के बाद हुआ। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करके भारत और पाकिस्तान के बीच एतिहासिक और साहस भरा समझौता करवाने का श्रेय अमेरिका को दिया और कहा कि वह कश्मीर मुद्दे पर भी मदद करना चाहते हैं।

व्योमिका सिंह पर रामगोपाल यादव की टिप्पणी का सीएम ने दिया जवाब

लखनऊ, 15 मई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव द्वारा विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर दिए गए विवादित बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। सीएम योगी ने गुरुवार शाम अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा कर सपा नेता के बयान को न केवल उनकी संकुचित सोच का प्रतीक बताया, बल्कि इसे भारतीय सेना के सम्मान और देश की अस्मिता के खिलाफ भी करार दिया। मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में लिखा कि सेना की वर्दी जातिवादी चश्मे से नहीं देखी जाती है। भारतीय सेना का प्रत्येक सैनिक राष्ट्रधर्म निभाता है, न कि किसी जाति या मजहब का प्रतिनिधि होता है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव द्वारा एक वीरांगना बेटी को जाति की परिधि में बांधना न केवल उनकी पार्टी की संकुचित सोच का प्रदर्शन है, बल्कि सेना के शौर्य और देश की अस्मिता का भी घोर अपमान है। सीएम योगी ने सपा की मानसिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह वही सोच है जो तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति के लिए राष्ट्रभक्ति को भी बांटने का दुस्साहस करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि जनता इस विकृत जातिवादी सोच का जवाब देगी। बता दें कि रामगोपाल यादव का यह बयान विंग कमांडर व्योमिका सिंह को जाति के दायरे में लाने के लिए था, जिसे लेकर सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

पाकिस्तान से केवल आतंकवाद और पीओके पर होगी बात: एस जयशंकर

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 15 मई। भारत पाकिस्तान संघर्ष विराम के बाद उठ रहे सवालों का विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ हमारे संबंध और व्यवहार पूरी तरह से द्विपक्षीय होंगे। इसमें बिल्कुल भी बदलाव नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री ने भी स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान के साथ अब बातचीत केवल आतंकवाद और पीओके खाली करने पर होगी। होंडुरास के दूतावास के उद्घाटन के अवसर पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान के पास आतंकवादियों की एक सूची है जिसे उसे हमें सौंपना होगा। साथ ही उसे आतंकियों के बुनियादी ढांचे को बंद करना होगा। वे जानते हैं कि क्या करना है। हम उनके साथ आतंकवाद के बारे में चर्चा करने के लिए तैयार हैं। ये वे वार्ताएं हैं जो संभव हैं। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि स्थगित है और तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद को रोका नहीं जाता। कश्मीर पर चर्चा के लिए केवल एक ही बात बची है, वह है पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करना। हम इस चर्चा के लिए तैयार हैं। संघर्ष विराम को लेकर विदेश मंत्री ने कहा कि यह साफ है कि गोलीबारी बंद करने की मांग कौन कर रहा था। हमने आतंकी ढांचे को नष्ट करके जो लक्ष्य निर्धारित किए थे, उन्हें हासिल कर लिया है। ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत में ही हमने पाकिस्तान को यह संदेश भेज दिया था कि हम आतंकी ढांचे पर हमला कर रहे हैं, न कि सेना पर और सेना के पास यह विकल्प है कि वह अलग खड़ी रहे और हस्तक्षेप न करे। उन्होंने उस सलाह को न मानने का फैसला किया। एक बार 10 मई की सुबह उन्हें बुरी तरह से नुकसान पहुंचा। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि हमने कितना नुकसान पहुंचाया और उन्होंने कितना कम नुकसान किया। इसलिए यह स्पष्ट है कि गोलीबारी बंद करने की मांग कौन कर रहा था। पहलगाम हमले पर विदेश मंत्री ने कहा कि हमें अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिला है। हमने ह्रस्ष्ट में प्रस्ताव पेश किया था कि अपराधियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और सात मई को उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के जरिये जवाबदेह ठहराया गया। भारत अमेरिका व्यापार वार्ता को लेकर विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता चल रही है। ये थोड़ी कठिन है। जब तक सब कुछ तय नहीं हो जाता, तब तक कुछ भी कहा नहीं जा सकता। कोई भी व्यापार सौदा परस्पर लाभकारी होना चाहिए। यह दोनों देशों के लिए कारगर होना चाहिए। व्यापार सौदे से हमारी यही अपेक्षा होगी। जब तक यि लाभाकारी नहीं हो जाता, इस पर कोई भी निर्णय जल्दबाजी होगी। होंडुरास दूतावास के उद्घाटन के दौरान विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि अब हमारे पास होंडुरास का नया दूतावास है। यह उन देशों में से एक हैं जिन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के समय मजबूत एकजुटता व्यक्त की थी। वैश्विक दक्षिण सहयोग के हिस्से के रूप में हमारे विकासात्मक अनुभवों का आदान-प्रदान करने की संभावना है। हमने स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित किया। हम अब एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली स्थापित करने में लगे हुए हैं। इसका उद्देश्य आपदा के प्रति होंडुरास की तैयारियों को मजबूत करना है। एस जयशंकर ने कहा कि वैश्विक मंच पर हमारे सहयोग का संयुक्त राष्ट्र सहित कई देशों ने समर्थन किया है। हम विभिन्न बहुपक्षीय गतिविधियों में होंडुरास से प्राप्त निरंतर समर्थन को महत्व देते हैं। होंडुरास में भारतीय प्रवासी कम हैं, लेकिन यह जीवंत है और यह स्थानीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते है और साथ ही दोस्ती के जीवंत पुल के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दशकों में भारत और होंडुरास के आर्थिक संबंध लगातार बढ़े हैं। वे व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग से मजबूत हुए हैं। द्विपक्षीय व्यापार आज 300 मिलियन डॉलर से थोड़ा अधिक है। हम होंडुरास को फार्मास्यूटिकल्स, कपड़ा, ऑटोमोबाइल और मशीनरी निर्यात करते हैं और होंडुरास से कॉफी, लकड़ी और चमड़ा आयात करते हैं।

मैंने भारत की बात की, पार्टी की नहीं: शशि थरूर

नसीरउद्दीन

तिरुवनंतपुरम, 15 मई। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर, भारत-पाकिस्तान तनाव या फिर संघर्ष विराम को लेकर दिए गए अपने बयान पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत राय थी, पार्टी की आधिकारिक राय नहीं। थरूर ने कहा कि मैंने जो कुछ भी कहा, वह एक भारतीय के तौर पर कहा। न तो मैं पार्टी का प्रवक्ता हूं और न ही सरकार का। जो भी कहा है, उसकी जिम्मेदारी मेरी है, आप सहमत हों या असहमत, यह मेरा व्यक्तिगत दृष्टिकोण है। थरूर ने आगे स्पष्ट किया कि उन्होंने अपने बयान में यह साफ कर दिया था कि यह राष्ट्रीय विमर्श में उनका व्यक्तिगत योगदान है, खासकर ऐसे समय में जब हमें देश के झंडे के पीछे एकजुट होने की ज़रूरत है, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी। उन्होंने कहा कि अमेरिका, यूरोप और मध्य-पूर्व में हमारे पक्ष की बात कम सुनाई दे रही थी। इसके साथ ही थरूर ने बताया कि पार्टी की ओर से उन्हें अब तक कोई औपचारिक आपत्ति या संदेश नहीं मिला है, सिर्फ मीडिया में खबरें देखी हैं। बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर हो, भारत और पाकिस्तान के बीच का तनाव या फि संघर्ष विराम कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इन सभी मुद्दों पर पार्टी से अलग होकर बेबाक तरीके से अपना पक्ष रखा। इस बात पर कांग्रेस पार्टी में थोड़ी सी नाराजगी देखने को मिली। कांग्रेस सूत्र बताते हैं कि शशि थरूर ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव से जुड़े मुद्दे पर अपने बयानों से लक्ष्मण रेखा लांघ दी है। हालांकि पार्टी का कहना है कि कांग्रेस में सबको अपनी राय रखने की आजादी है। माना जा रहा है कि कांग्रेस आने वाले समय में शशि थरूर पर कार्रवाई कर सकती है। गौरतलब है कि बीते बुधवार को कांग्रेस की ओर से बुलाई गई बैठक में इस बात की चर्चा भी हुई।

ट्रम्प ने सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति से की मुलाकात, 25 वर्षों में दोनों देशों के नेताओं के बीच पहली मुलाकात

एजेंसी

रियाद। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब में सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा से मुलाकात की। यह दोनों देशों के नेताओं के बीच पिछले 25 वर्षों में पहली ऐतिहासिक बैठक है, जिसे सीरिया के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुनः स्थापित होने की दिशा में एक अहम मोड़ माना जा रहा है। यह मुलाकात खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के नेताओं के साथ ट्रंप की बैठक के दौरान हुई। लंबे समय तक असद परिवार के शासन के बाद सीरिया एक नई राजनीतिक दिशा की ओर बढ़ रहा है और अहमद अल-शरा अब इस परिवर्तन के प्रतीक के रूप में उभरे हैं। कभी अमेरिकी वांछित सूची में शामिल रह चुके अल-शरा को ट्रंप ने युवा, आकर्षक, मजबूत और जुझारू नेता बताते हुए उनकी तारीफ की। ट्रंप ने कहा, वह एक असली नेता हैं। उन्होंने संघर्ष का नेतृत्व किया है और वह काफी प्रभावशाली हैं। अहमद अल-शरा पहले अबू मोहम्मद अल-गोलानी के नाम से जाने जाते थे और इराक में अमेरिकी बलों के खिलाफ लड़ चुके थे। बाद में वह सीरियाई संघर्ष में शामिल हुए और कुछ वर्षों तक अमेरिकी हिरासत में भी रहे। ट्रंप ने दावा किया कि अल-शरा ने अब्राहम समझौते में शामिल होने और भविष्य में इजराइल को मान्यता देने की सहमति दी है। हालांकि सीरिया की ओर से इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ट्रंप ने कहा, मैंने उनसे कहा, 'आशा है आप समझौते में शामिल होंगे।' उन्होंने कहा, 'हां।' लेकिन अभी उन्हें बहुत कुछ सुधारना है।

फ्रांस और अल्जीरिया के बीच राजनयिक टकराव गहराया, दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजनयिकों को किया निष्कासित

पेरिस/अल्जीयर्स। फ्रांस और अल्जीरिया के बीच कूटनीतिक तनाव नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। फ्रांस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अल्जीरियाई राजनयिकों को निष्कासित कर दिया है। यह कदम अल्जीरिया द्वारा रविवार को 15 फ्रांसीसी अधिकारियों को देश से बाहर निकाले जाने के बाद उठाया गया। फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह निर्णय सख्त पारस्परिकता के सिद्धांत के तहत लिया गया है। मंत्रालय ने यह भी बताया कि अल्जीरियाई अधिकारियों को तलब कर इस निर्णय से अवगत कराया गया है। हालांकि, फ्रांस की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया कि कितने अल्जीरियाई राजनयिकों को निष्कासित किया गया है। मंत्रालय ने अल्जीरिया से जिम्मेदाराना रुख अपनाने और दोनों देशों के हित में फिर से गंभीर और रचनात्मक संवाद की बहाली का आह्वान किया है। यह राजनयिक संकट 2013 के उस समझौते का उल्लंघन है, जिसके तहत दोनों देशों के राजनयिक बिना वीजा के एक-दूसरे के देश की यात्रा कर सकते थे। अल्जीरिया का कहना है कि फ्रांस ने हाल ही में अपने राजनयिकों की नियुक्ति में प्रक्रियात्मक नियमों का उल्लंघन किया है, जिसके कारण उन्हें निष्कासित करना पड़ा।

बलूचिस्तान ने पाकिस्तान से आजाद होने का किया ऐलान, बलूच नेता ने विश्व भर से मांगा समर्थन

क्वेटा। पाकिस्तान पोषित आतंकवादियों के खिलाफ भारत के ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने के बाद बलूचिस्तान ने पाकिस्तान से स्वतंत्र होने की घोषणा की है। बलूच नेता मीर यार बलूच ने भारत और दुनिया के देशों से बलूचिस्तान की स्वतंत्रता के लिए समर्थन देने की अपील की है। बलूचिस्तान का क्षेत्रफल 347,190 वर्ग किलोमीटर है, जो पाकिस्तान के कुल क्षेत्रफल का लगभग 44 प्रतिशत है। मीर यार बलूच ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक के बाद एक कई पोस्ट किए। उन्होंने लिखा कि बलूचिस्तान के लोगों ने अपना निर्णय दे दिया है। अब दुनिया को चुप नहीं रहना चाहिए। बलूचिस्तान की जनता सड़कों पर हैं। बलूच लोगों का राष्ट्रीय फैसला है कि बलूचिस्तान पाकिस्तान नहीं है और दुनिया अब मूकदर्शक नहीं रह सकती। उन्होंने भारत के लोगों से अपील की है कि वे बलूचों को पाकिस्तान के लोग न कहें। हम पाकिस्तानी नहीं हैं। हम बलूचिस्तानी हैं। पाकिस्तान के अपने लोग पंजाबी हैं। बलूच नेता ने भारत के पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) खाली करने से जुड़े बयान का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान से तुरंत पीओके खाली करने के लिए कहना चाहिए।

त्रिपोली में हिंसा से पांच लाख बच्चों को खतरा : यूनिसेफ

त्रिपोली। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने कहा कि लीबिया की राजधानी त्रिपोली और उसके आसपास पिछले दो दिनों से बढ़ती हिंसा लगभग पांच लाख बच्चों को प्रभावित कर सकती है। यूनिसेफ ने एक बयान में कहा, त्रिपोली में जारी हिंसा के चलते बच्चे, परिवार और मेडिकल स्टाफ घंटों तक अस्पतालों में फंसे रहे। ऐसे अस्पतालों में अल जाला चिल्ड्रन हॉस्पिटल भी शामिल है। आपात सेवाएं समय पर नहीं पहुंच सकीं और बच्चों में भारी तनाव की खबरें मिली हैं।' यूनीसेफ ने सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून और बाल अधिकार संधि का पालन करते हुए बच्चों और जरूरी ढांचे की सुरक्षा की अपील की है।

अमेरिका और सीरिया के हाथ मिलाने से इजराइल हैरान

एजेंसी

रियाद। सऊदी अरब में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा की मुलाकात ने मध्य पूर्व के कई देशों की चिंता बढ़ा दी है। इनमें इजराइल प्रमुख है। शरा पर कभी 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर का इनाम था। सऊदी में जन्मे शरा पूर्व जिहादी हैं। सीरिया में सशस्त्र इस्लामी विद्रोह का नेतृत्व करने से पहले इराक में अमेरिकी सेना के खिलाफ लड़ाई में कई साल बिता चुके हैं। शरा को सीरिया के क्रूर तानाशाह बशर अल-असद को निर्वासित करने का श्रेय दिया जाता है। शरा सशस्त्र संघर्ष के दौरान आतंकी अबू मोहम्मद अल-जोलानी के नाम से कुख्यात रहा है। सीएनएन की खबर के अनुसार, ट्रंप और शरा ने रियाद में चाय पी। यह वही जिहादी है जिस पर 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर का इनाम रहा है। शरा ने सीरिया की आधी सदी पुरानी असद सरकार को उखाड़ फेंकने के साथ ईरान समर्थित सशस्त्र समूहों को बाहर खदेड़ा और खुद को देश का

नेता घोषित किया। अल शरा को 2013 में अमेरिका की विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी सूची में डाला गया था। तब वह सीरिया में अल कायदा के सहयोगी अल नुसरा फ्रंट का नेतृत्व कर रहा था। मध्य पूर्व के देशों में मिस्र, सीरिया, इजराइल, लेबनान, जॉर्डन, इराक, ईरान सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन, कतर, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, यमन, फिलिस्तीन, साइप्रस, तुर्किये, लीबिया, सूडान, जिबूती, मोरक्को, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया हैं। सीएनएन के अनुसार, ट्रंप की रियाद यात्रा में बहुत कुछ ऐसा घटा है, जिससे इजराइल को काफी आघात लगा है। ट्रंप की सीरिया के खिलाफ प्रतिबंध खत्म करने की घोषणा सीधे-सीधे इजराइल को चुनौती देती है। एक इजराइली अधिकारी का कहना है कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अप्रैल में वाशिंगटन में ट्रंप से मुलाकात के दौरान कहा था कि सीरिया पर लगाए गए प्रतिबंध नहीं हटाए जाने चाहिए। ऐसा करने से सात अक्टूबर, 2023 जैसी घटना की पुनरावृत्ति हो सकती है।

नेतन्याहू ने शरा और उनकी नई सरकार के साथ आक्रामक रुख अपनाया था। असद के निष्कासन के बाद के दिनों में उन्होंने सीरिया में अभूतपूर्व जमीनी हमले का आदेश दिया था। इस तनाव से नए सीरिया के लिए अच्छे पड़ोसी बनने के नेतन्याहू के शुरुआती वादे को झटका लगा। इजराइल के सैकड़ों हवाई हमलों में असद के हथियारों के अवशेषों, विशेष रूप से उसके रासायनिक हथियारों को निशाना बनाया गया, ताकि उन्हें आतंकवादी समूहों के हाथों में पड़ने से रोका जा सके। यही नहीं इजराइली सेना ने सीरिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट हरमोन पर कब्जा कर लिया। यह ऐसी चोटी है जहां से लेबनान और सीरिया की सैन्य रणनीति पर नजर रखी जा सकती है।

परमाणु समझौते के लिए तैयार ट्रंप, लेकिन ईरान को छोड़नी होगी 'प्रॉक्सी वार' की नीति

एजेंसी

दोहा/रियाध। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के साथ परमाणु कार्यक्रम को लेकर जल्द एक समझौता करना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि तेहरान मध्य पूर्व में अपने प्रॉक्सी गुटों को समर्थन देना बंद करे।ट्रंप इन दिनों मध्य पूर्व के तीन देशों की यात्रा पर हैं और इस दौरान उन्होंने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी के साथ दोहा में विशेष बातचीत की। उन्होंने कहा, हम एक सकारात्मक परिणाम की ओर बढ़ रहे हैं और यह प्रक्रिया किसी न किसी रूप में सफल होगी। रियाद में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की अध्यक्षता में हुई गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) की बैठक में ट्रंप ने ईरान को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि 'ईरान को आतंकवाद को प्रायोजित करना, रक्तरंजित प्रॉक्सी युद्धों में भाग लेना और परमाणु हथियारों की दौड़ को स्थायी और सत्यापनीय रूप से रोकना होगा। उन्हें यह समझना होगा कि वे परमाणु हथियार नहीं रख सकते। वहीं, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने ट्रंप की टिप्पणी को भ्रामक और एकतरफा करार दिया।

हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर प्रॉक्सी गुटों को लेकर ट्रंप की मांग पर कोई टिप्पणी नहीं की।ट्रंप ने अपने बयान में यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि 'हिजबुल्ला के आतंक से मुक्त भविष्य' की ओर बढ़ा जाए। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष इजराइल के साथ युद्ध में हिजबुल्ला को भारी क्षति हुई, उसके कई वरिष्ठ कमांडर मारे गए और सीरिया में बशर अल-असद सरकार के पतन के बाद ईरान का एक अहम सहयोगी भी चला गया है।

दूरसंचार घोटाला: सत्तारूढ़ दल के सांसद एवं पूर्व मंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार का मुकदमा

एजेंसी

काठमांडू। 321 करोड़ के दूरसंचार घोटाले में सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस के सांसद और पूर्व मंत्री मोहन बहादुर बस्नेत सहित 15 अन्य लोगों के खिलाफ विशेष अदालत में भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया गया है। दूरसंचार यातायात निगरानी और धोखाधड़ी नियंत्रण प्रणाली (टेरामॉक्स) की खरीद के दौरान बस्नेत संचार मंत्री के पद पर कार्यरत थे। गुरुवार को एंटी करप्शन ब्यूरो ने विशेष अदालत में मामला दायर किया। पूर्व मंत्री बस्नेत के अलावा जिन अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दायर किया गया है उनमें नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष दिगंबर झा और पुरुषोत्तम खनाल, पूर्व सदस्य धनराज ज्ञवाली और टीका प्रसाद उप्रेती शामिल हैं। इसी तरह प्राधिकरण के निदेशक विजय कुमार राय, उप निदेशक रेवती राम पंथी और सुरेश बस्नेत, हिरन्य प्रसाद बस्ताकोटी और अच्युतानंद मिश्रा भी इसमें शामिल हैं। ब्यूरो के प्रवक्ता राजेंद्र पौडेल के मुताबिक ब्यूरो ने कंसल्टिंग कंपनी वैनराइज सॉल्यूशन, इसके सीईओ जमाल अनौती, इसके नेपाल एजेंट

निदेशकों सुरेंद्र लाल हाडा, दीपेश आचार्य और उप निदेशक संदीप अधिकारी के खिलाफ भी मुकदमा दायर किया गया है। एंटी करप्शन कार्यालय, अध्यक्ष दिलीप कुमार गुरुंग और निदेशक तेज प्रसाद खरेल के खिलाफ भी मुकदमा दायर किया है।

चटगांव बंदरगाह में कर्मचारी संगठन की हड़ताल से कामकाज पूरी तरह ठप

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह में आज सुबह छह बजे से आहूत कर्मचारी संगठन की 12 घंटे की हड़ताल की वजह से कामकाज पूरी तरह ठप पड़ गया। कंटेनर परिवहन रुक गया है। यह हड़ताल पुलिस ज्यादती के खिलाफ शुरू की गई है। हड़ताल में शामिल प्राइम मूवर चालकों और श्रमिकों पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, हड़ताल में शामिल लोगों का आरोप है कि पुलिस ने बेवजह यूनियन अध्यक्ष और दो सहकर्मियों के साथ मारपीट की। जिला प्राइम मूवर, ट्रेलर, कंक्रीट मिक्सर, फ्लैटबेड, ड्रम ट्रक वर्कर्स यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष हुमायूं कबीर ने कहा कि चट्टोग्राम के साल्टगोला क्रॉसिंग स्थित यूनियन कार्यालय के सामने मंगलवार रात विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने ज्यादती की । पुलिस ने एक ड्राइवर का पहचान पत्र और लाइसेंस जब्त कर लिया था। इसलिए विरोध प्रदर्शन करने फैसल को पहाड़तली थाना ले गई और उनके साथ मारपीट की। जबकि तीनों कथित तौर पर एक मामले को सुलझाने

का निर्णय लिया गया था। बंदरगाह के अधिकारियों का कहना है कि काम बंद होने के कारण बंदरगाह और 21 निजी अंतर्देशीय कंटेनर डिपो का कामकाज सुबह से ही बंद है। हुमायूं ने आरोप लगाया कि मंगलवार रात पुलिस यूनियन के अध्यक्ष सलीम खान और दो ड्राइवरों दिलवर हुसैन और मोहम्मद की कोशिश कर रहे थे। कर्मचारी नेता हुमायूं ने दावा किया कि सब इंस्पेक्टर अल अमीन ने करीब 10:30 बजे अलंगकर इलाके से एक घायल व्यक्ति को चटगांव मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाने के लिए प्राइम मूवर ड्राइवर एमडी लिटन को मजबूर करने की कोशिश की।

चीन की संसद के उपाध्यक्ष चार दिन के नेपाल दौरे पर काठमांडू पहुंचे

एजेंसी

काठमांडू। चीन के नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) यानी चीन की संसद के उपाध्यक्ष शियाओ जी बीती रात को काठमांडू पहुंचे। नेपाली संसद के प्रतिनिधि सभा की डिप्टी स्पीकर के औपचारिक निमंत्रण पर वो चार दिन के नेपाल भ्रमण पर पहुंचे हैं। उपाध्यक्ष शियाओ जी मई 16-18 से काठमांडू में आयोजित होने वाले सागरमाथा संवाद कार्यक्रम में चीन के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। नेपाल सरकार के वन और पर्यावरण मंत्री ऐन बहादुर शाही ने त्रिभुवन अंतरग्राष्ट्रीय हवाई अड्डे उनका स्वागत किया। इस दौरान नेपाल में चीन के राजदूत छन सोंग भी मौजूद रहे। चीन के दूतावास ने कहा कि नेपाल भ्रमण के दौरान शियाओ जी नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल, उपराष्ट्रपति रामसहाय यादव, वो पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी, पूर्व प्रधानमंत्री तथा माओवादी अध्यक्ष

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष देवराज घिमिरे तथा राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष नारायण दहाल से मुलाकात करेंगे। पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड, पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल, झलनाथ खनाल एवं डा बाबूराम भट्टराई से भी मुलाकात करेंगे।

कतर एयरवेज ने 200 अरब डॉलर में किया 160 बोइंग विमान खरीदने का सौदा

एजेंसी

दोहा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की खाड़ी देशों की यात्रा के दौरान कतर एयरवेज ने अमेरिकी विमान निर्माता कंपनी बोइंग के साथ 160 जेट विमानों की खरीद के लिए 200 अरब डॉलर का सौदा किया है। इस ऐतिहासिक करार पर दोहा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। समारोह के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'यह 200 अरब डॉलर से अधिक का सौदा है, और इसमें 160 विमान शामिल हैं। यह वास्तव में शानदार है।' उन्होंने बोइंग के सीईओ केली ऑर्टबर्ग को बधाई देते हुए इसे 'रिकॉर्ड डील'करार दिया। समारोह में अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने भी कतर के साथ रक्षा सहयोग को लेकर कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इनमें एमक्यू-9क्क ड्रोन और एफएस-लिड्स रक्षा प्रणाली की पेशकश और स्वीकृति से संबंधित पत्र शामिल हैं। ने भी अमीर की प्रशंसा करते हुए कहा, ÷हम लंबे समय से मित्र हैं और यह व्यक्ति वास्तव में उत्कृष्ट हैं।' अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप इन दिनों चार

इसके साथ ही ट्रंप ने कतर और अमेरिका के बीच एक संयुक्त रक्षा सहयोग घोषणा पत्र पर भी हस्ताक्षर किए। कतर के अमीर ने समझौते के बाद कहा कि दोनों देशों के बीच 'बेहतर चर्चा' हुई और अब संबंध 'एक नए स्तर पर पहुंच चुके हैं।' ट्रंप दिवसीय खाड़ी दौरे पर हैं। कतर आगमन से पहले उन्होंने सऊदी अरब का दौरा किया, जो उनके राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान 2016-2020 की पहली विदेश यात्रा का गंतव्य भी था। उनका अंतिम पड़ाव संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) होगा।

अमेरिका में रूसी वैज्ञानिक सेनिया पेत्रोवा पर कसा शिकंजा, न्याय विभाग ने जड़े गंभीर आरोप, जमानत पर 28 मई को सुनवाई

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में रूसी वैज्ञानिक सेनिया पेत्रोवा को अदालत से जमानत नहीं मिल सकी। न्याय विभाग ने हार्वर्ड की मेडिकल शोधकर्ता पेत्रोवा पर वर्मोंट में यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के समक्ष सुनवाई के दौरान गंभीर संघीय आरोप लगाया। न्याय विभाग ने कहा कि पेरिस से लौट रही 30 वर्षीय पेत्रोवा को 16 फरवरी को बोस्टन लोगान अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया था। उसके सामान में गैर-संक्रामक और गैर-विषाक्त मेंढक भ्रूण मिले थे। अभियोजकों का आरोप है कि वह अवैध रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में तस्करी करने का प्रयास कर रही थी। अदालत ने सुनवाई के बाद पेत्रोवा की जमानत याचिका पर सुनवाई की तारीख 28 मई तय की है। न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, सेनिया

पेत्रोवा के वकीलों ने आरोपों पर आश्चर्य व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह आरोप अदालत में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पेश होने के कुछ घंटों बाद इसलिए लगाए गए, जिससे उसे रूस निर्वासित किया जा सके। रूस में उसे राजनीतिक गतिविधियों के लिए कई बार उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। संघीय अधिकारियों का कहना है कि पेत्रोवा ने निर्वासित करने के निरंतर प्रयास के बीच जानबूझकर कानून तोड़ा। पेत्रोवा के वकील ग्रेगरी रोमानोव्स्की का कहना है कि वह एक फ्रांसीसी प्रयोगशाला के प्रोफेसर के अनुरोध पर मेंढक के भ्रूण वापस ला रही थी। मैसाचुसेट्स में अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने कहा कि पेत्रोवा को सबसे पहले लुइसियाना के एक हिरासत केंद्र में रखा गया। इस पर पेत्रोवा के वकील का कहना है कि वहां से उसे एक संघीय जेल सुविधा केंद्र में ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि सेनिया का वीजा रद्द करना कथित सीमा शुल्क उल्लंघन पर आधारित था। अमेरिका का कानून इसकी अनुमति नहीं देता। अदालत ने भी हिरासत में लिए जाने के बाद पेत्रोवा का वीजा रद्द करने के सरकार के फैसले पर आश्चर्य व्यक्त किया।

नेतन्याहू का ऐलान: जब तक हमास का अंत नहीं होता, गाजा में युद्ध नहीं रुकेगा

एजेंसी

यरुशलम। गाजा में बंधक बनाए गए और हाल ही में रिहा हुए 65 इजराइली नागरिकों ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से अपील की है कि वे गाजा में अब भी बंदी बनाए गए लोगों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए वार्ता फिर से शुरू करें और इस अहम मौके को गंवाने न दें। यह अपील 'होस्टेज एंड मिसिंग फैमिलीज फोरम' द्वारा जारी एक पत्र के माध्यम से की गई, जो 07 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा किए गए हमले के दौरान अपहृत लोगों और उनके परिजनों का प्रतिनिधित्व करता है। पत्र में लिखा गया है, 'हम, जो राज्य की लापरवाही के कारण 07 अक्टूबर को अगवा किए गए थे, अब जब रिहा हो चुके हैं, एडन अलेक्जेंडर की वापसी का स्वागत करते हैं।÷ उल्लेखनीय है कि अलेक्जेंडर, एक इजराइली-अमेरिकी सैनिक है जिन्हें अमेरिका द्वारा हमास

से स्वतंत्र वार्ता कर छुड़ाया गया।पूर्व बंधकों ने यह भी कहा, 'हमें विश्वास है कि इजराइली सरकार के पास अब वार्ता की मेज पर लौटने का एक वास्तविक अवसर है। हम आप सभी से अपील करते हैं कि जब तक एक व्यापक समझौता नहीं हो जाता, तब तक यह प्रयास न छोड़ें। पूर्व बंधकों की इस भावुक अपील को इस संघर्ष के बीच एक नई उम्मीद के रूप में देखा जा रहा है, जो क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में सार्थक पहल का द्वार खोल सकती है। हालांकि प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने मार्च में संक्षिप्त युद्धविराम के समाप्त होने के बाद हमास के साथ किसी भी प्रकार की वार्ता से इनकार कर दिया था।

अमेरिका के शोधकर्ताओं ने की स्तन कैंसर जोखिम से जुड़े ऊतक परिवर्तनों की पहचान

एजेंसी

लॉस एंजेल्स। अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के शोधकर्ताओं ने एक नए अध्ययन में स्तन संयोजी ऊतक में ऐसे संरचनात्मक बदलावों की पहचान की है, जो बहुत तेजी के साथ स्तन कैंसर के बढ़ते जोखिम से जुड़े हैं। नेशनल कैंसर इंस्टिट्यूट जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, स्तन ऊतक में पाए गए बदलाव जिन्हें स्ट्रोमल डिसरप्शन कहा गया है, संभावित बायोमार्कर हो सकते हैं जो महिलाओं में कैंसर होने से पहले ही उसके खतरे का संकेत दे सकते हैं। यह भी पाया गया कि जिन महिलाओं में यह बदलाव होता है,

आईएमएफ से बांग्लादेश को मिलेगी 1.3 अरब डॉलर की राहत, विनिमय दर सुधारों पर बनी सहमति

एजेंसी

ढाका। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने बांग्लादेश को 1.3 अरब डॉलर की नई वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। यह सहायता राशि आईएमएफ के 4.7 अरब डॉलर के ऋण पैकेज के तहत दी जा रही है, जिसमें अब चौथे और पांचवें चरण की किस्तें शामिल हैं। यह निर्णय मुद्रा विनिमय दर में सुधार पर बनी सहमति के बाद लिया गया है।

आईएमएफ और बांग्लादेश सरकार के बीच क्रॉलिंग पेग व्यवस्था को अपनाने पर सहमति बनी है।

इस प्रणाली के तहत बांग्लादेश की मुद्रा टका का मूल्य धीरे-धीरे वैश्विक विनिमय दरों के अनुसार बदलेगा, जिससे विदेशी मुद्रा बाज़ार में लचीलापन और पारदर्शिता आएगी। वॉशिंगटन में अप्रैल में हुई आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक की स्प्रिंग मीटिंग में राजस्व प्रबंधन, मौद्रिक नीति, और विदेशी मुद्रा नीति पर गंभीर चर्चा हुई थी। बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय ने

बयान जारी कर बताया कि सभी प्रमुख मुद्दों पर समीक्षा के बाद, दोनों पक्ष राजस्व नीति, मुद्रा विनिमय व्यवस्था और अन्य सुधार ढांचे पर सहमत हो गए हैं।

आईएमएफ के अनुसार, यदि कार्यकारी बोर्ड इस स्टाफ-लेवल डील को मंजूरी देता है, तो बांग्लादेश को एसडीआर 983.8 मिलियन (लगभग 1.3 अरब डॉलर) की राशि प्राप्त होगी। आईएमएफ ने बताया कि बांग्लादेश ने बढ़ती बाहरी वित्तपोषण आवश्यकताओं को पूरा करने और व्यापक आर्थिक स्थिरता का समर्थन करने के लिए ईसीएफ और ईएफएफ के तहत 567.2 मिलियन एसडीआर (लगभग 762 मिलियन डॉलर) की वृद्धि का भी अनुरोध किया था। वहीं, बांग्लादेश सरकार ने आईएमएफ की एक प्रमुख शर्त को मानते हुए राष्ट्रीय राजस्व बोर्ड (एनबीआर) को भंग कर दिया है। अब वित्त मंत्रालय के तहत दो स्वतंत्र इकाइयां बनाई गई हैं- एक कर नीति देखेगी और दूसरी कर संग्रह और प्रशासन का काम संभालेगी। सरकार को इसके अलावा 2 अरब डॉलर का बजट समर्थन भी अन्य विकास भागीदारों से मिलने की उम्मीद है। बांग्लादेश को यह राहत ऐसे समय मिली है जब देश को मुद्रास्फीति, धीमी विकास दर और विदेशी भुगतान संतुलन की गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार ने वित्तीय अनुशासन कड़ा करने, बैंकिंग सुधार लागू करने और जलवायु निवेश बढ़ाने का संकल्प जताया है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

राष्ट्रीय महिला आयोग 16 मई को मेरठ में करेगा जन सुनवाई का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा 16 मई को मेरठ में जन सुनवाई की जाएगी। यह जन सुनवाई प्रातः 11:00 बजे से विकास भवन के सभागार सिविल लाइन्स मे आयोजित की जाएगी, जिसमें राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर उपस्थित रहेंगी। राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित इस जन सुनवाई में जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारिगण भी शामिल होंगे, जिससे महिलाओं से संबंधित मुद्दों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके। महिला आयोग ने जानकारी दी कि महिलाओं के सशक्तिकरण एवं उनके विषयों को जमीनी स्तर पर समाधान करने की दिशा में राष्ट्रीय महिला आयोग- आपके द्वार नामक एक जन सुनवाई का आयोजन कर रहा है। इसका उद्देश्य महिलाओं से संबंधित लंबित मामलों का जल्द से जल्द समाधान करना है।राष्ट्रीय महिला आयोग ने मेरठ की महिलाओं से अपील की कि वह इस जन सुनवाई में भाग लेकर अपनी समस्या आयोग तक पहुंचा सकती हैं। सुनवाई मे भाग लेने के लिए संबंधित अधिकारी से मोबाइल नंबर 8219854762 पर संपर्क किया जा सकता है।

एस जयशंकर की ऑस्ट्रियाई विदेश मंत्री से फोन पर बात, आतंकवाद के मुद्दे पर हुई चर्चा

नई दिल्ली । भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ऑस्ट्रियाई विदेश मंत्री बियाटे मींल-रेसिंगर से टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं के बीच आतंकवाद के मुद्दे को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऑस्ट्रियाई विदेश मंत्री से बातचीत की जानकारी दी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'ऑस्ट्रियाई विदेश मंत्री के साथ आज हुई बातचीत की सराहना करता हूं। उनकी नियुक्ति पर बधाई दी। आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस और न्यूक्लियर ब्लैकमेल के दृढ़ विरोध पर सहमति हुई। हमारे बेहतरीन द्विपक्षीय संबंधों और यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा हुई।' वहीं, ऑस्ट्रियाई विदेश मंत्री ने इस बातचीत को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ फोन पर अच्छी बातचीत हुई। ऑस्ट्रिया और भारत अपने मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैंने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की ऑस्ट्रिया की निंदा दोहराई और तनाव कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में पाकिस्तान के साथ सीजफायर का स्वागत किया।'

कांग्रेस के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से ज्यादा राजनीतिक स्वार्थ महत्वपूर्ण है : मुख्तार अब्बास नकवी

नई दिल्ली । पाकिस्तान में आतंक के खिलाफ चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' पर कांग्रेस की ओर से उठाए गए सवाल पर भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने पार्टी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ऐसे सवाल कांग्रेस की आदत बन चुकी है। कुछ लोगों की कंट्री की विक्ट्री पर भी कंफ्यूजन की स्थिति पैदा करने की साजिश सिंडिकेट के समर्थन में है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कंट्री की विक्ट्री पर कन्फ्यूजन केमिस्ट्री पैदाकर किस प्रकार का सियासी लाभ लेने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से ज्यादा राजनीतिक स्वार्थ महत्वपूर्ण है। समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कांग्रेस पार्टी को घेरा। उन्होंने कहा कि 1999 के कारगिल की जंग में सोनिया गांधी ने तमाम तरह के सवाल पूछे थे, दुष्प्रचार शुरू कर दिया गया था। जब सर्जिकल स्ट्राइक हुआ तब भी यही हुआ और अभी भी वही चीज दोहरा रहे हैं। रंग में भंग डालने का जो रिवाज और मिजाज है, वह कोई देशवासी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि जब-जब भारतीय सेना देश के दुश्मनों को तबाह करती है, आतंक के ठिकानों को ध्वस्त करती है, तब आप सेना को हौसला देने के बजाय सवाल और सबूत की जुगलबंदी शुरू कर देते हैं। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी के निंदा प्रस्ताव लाने के बयान पर उन्होंने कहा कि हमें सुरक्षा बलों और सरकार पर पूरा यकीन करना चाहिए। जो इस तरह की साजिश में भागीदार बने हुए हैं, उनको हमें अस्वीकार करना होगा, क्योंकि ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर भी 'आप' सियासी चक्र की रचना में लगे हैं।

'हाईकोर्ट के कई न्यायाधीश लेते हैं अनावश्यक ब्रेक', झारखंड से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली । सर्वोच्च न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा के मामले में झारखंड के चार लोगों की याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की कार्यशैली पर तल्ख टिप्पणी की। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एनके सिंह की खंडपीठ ने उच्च न्यायालयों में मुकदमों की सुनवाई पूरी होने के बाद भी लंबे समय तक फैसला सुरक्षित रखने पर चिंता जताते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि जजों के परफॉर्मेंस का भी ऑडिट हो। खंडपीठ ने कहा, 'कुछ न्यायाधीश बहुत परिश्रम करते हैं, लेकिन कुछ न्यायाधीश बार-बार अनावश्यक ब्रेक लेते हैं। कभी कॉफी ब्रेक, कभी लंच ब्रेक तो कभी कोई और ब्रेक। वे लगातार लंच ब्रेक तक क्यों काम नहीं करते? हम हाईकोर्ट के जजों को लेकर कई शिकायतें सुन रहे हैं। यह एक ऐसा मुद्दा है,

एम्स में होगा गामा थेरेपी से आँखों के कैंसर का इलाज

एजेंसी

नई दिल्ली। छोटे बच्चों की आंख में कैंसर होने यानी रेटिनोब्लास्टोमा के मामले दुनिया में तेजी से बढ़ रहे हैं जिसके चलते प्रतिवर्ष लाखों बच्चे अपनी आंख गंवा रहे हैं। लेकिन रेटिनोब्लास्टोमा का उपचार अब अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानि एम्स में संभव है। एम्स के न्यूरोसर्जन डॉ दीपक अग्रवाल ने बताया, हाल ही में दो बच्चों की सर्जरी गामा नाइफ से की गई है। इसमें कैंसर प्रभावित ट्यूमर या घाव को विकिरण से लक्षित किया जाता है जो कैंसर सेल को नष्ट कर देता है। इसमें चीरा लगाने की आवश्यकता नहीं होती है, जिससे संक्रमण और रक्तस्राव का जोखिम कम होता है।

रेटिनोब्लास्टोमा जागरूकता माह के दौरान एम्स के एक सेमिनार में डॉ भावना चावला, डॉ शैलेश गायकवाड़, डॉ दीपक अग्रवाल, डॉ रीमा दादा और डॉ रचना सेठ मौजूद रहे। डॉ चावला ने बताया कि यह एक दुर्लभ प्रकार का नेत्र कैंसर है जो तीन से पांच वर्ष आयु तक के बच्चों में पाया जाता है। इसके मुख्य लक्षणों में पुतली में सफेद चमक (ल्यूकोकोरिया), भेंगापन (आंखों का टेढ़ापन) और आंख में लाली या दर्द होना शामिल है। इस रोग की वृद्धि का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सिर्फ एम्स दिल्ली में ही 350 से ज्यादा बच्चे इलाज के लिए प्रतिवर्ष लाए जाते हैं।

डॉ चावला ने बताया कि इससे पीड़ित बच्चे की आंख में ट्यूमर पनपने लगता है जिसकी वजह से बच्चे की आंख बाहर की ओर निकली हुई दिखाई देती है। बच्चा सीधे सामने की ओर देखने में सक्षम नहीं होता है और उसकी नजर भी कमजोर हो जाती है। अगर यह कैंसर आंख के साथ दिमाग में भी चला जाता है तो बच्चे को सिरदर्द, भूख न लगना, उल्टी होना आदि अन्य लक्षण हो सकते हैं, ऐसे में उपचार कठिन हो जाता है। अगर रेटिनोब्लास्टोमा का असर आंख तक है तो सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडिएशन से इलाज 100 प्रतिशत संभव है लेकिन इस दौरान बच्चे की आंख निकालनी पड़ती है। एम्स के अनुवांशिक विज्ञान विशेषज्ञ डॉ रीमा दादा ने बताया कि छोटे बच्चों की आंखों से रोशनी छीन लेने वाले रेटिनोब्लास्टोमा के पीछे दो कारण हैं। एक है अनुवांशिक और दूसरा गैर अनुवांशिक। अनुवांशिक यानि पीढ़ी दर पीढ़ी रोग की एक बड़ी वजह पिता के शुक्राणु की गुणवत्ता में खराबी होना जो शराब, तंबाकू और सेलफोन के इस्तेमाल से होती है। इसके अलावा बड़ी उम्र (35-40 वर्ष) में शादी करना भी एक वजह है।

पूर्व रक्षा सचिव अजय कुमार यूपीएससी के नए अध्यक्ष नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व रक्षा सचिव डॉ. अजय कुमार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। केरल कैडर के 1985 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी अजय कुमार ने पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव और 1983 बैच की आईएएस अधिकारी प्रीति सूदन का स्थान लिया है। सूदन का कार्यकाल 29 अप्रैल को समाप्त हो गया था। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि राष्ट्रपति भारत के संविधान के अनुच्छेद 316(1) के तहत डॉ. अजय कुमार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती हैं। इसमें आगे कहा गया है कि यूपीएससी के अध्यक्ष के रूप में डॉ. अजय कुमार का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की

तिथि से शुरू होगा। उनकी नियुक्ति की अवधि भारत के संविधान के अनुच्छेद 316(2) के प्रावधानों के अनुसार विनियमित होगी और सेवा की शर्तें समय-समय पर संशोधित यूपीएससी (सदस्य) विनियम, 1969 द्वारा शासित होंगी।

समावेशी भारत शिखर सम्मेलन आयोजित करेगा सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग वैश्विक सुगम्यता जागरूकता दिवस के अवसर पर 'समावेशी भारत शिखर सम्मेलन' आयोजित करेगा। यह शिखर सम्मेलन इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में भौतिक और आभासी दोनों तरह से हाइब्रिड मोड में आयोजित किया जाएगा। यह दिवस दुनिया भर में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए डिजिटल पहुंच और समावेशन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है। यह दिवस हर साल मई के तीसरे गुरुवार को मनाया जाता है। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की तरफ से जारी की गई जानकारी में बताया गया है कि यह सम्मेलन एसबीआई फाउंडेशन और नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड (एनएबी) के साथ साझेदारी में आयोजित किया जा रहा है।एसोसिएशन ऑफ पीपल विद डिसेबिलिटी (एपीडी) और मिशन एक्सेसिबिलिटी (धनंजय संजोगता फाउंडेशन) की तरफ से इसमें सहयोग किया जा रहा है।शिखर सम्मेलन का उद्देश्य देश में समावेशी विकास और डिजिटल पहुंच को बढ़ावा देना है, साथ ही विकलांग व्यक्तियों के लिए समान अवसर और सुलभ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सरकार, उद्योग, शिक्षा, नागरिक समाज और दिव्यांग समुदाय के बीच सहयोग को मजबूत करना है। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सचिव राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। शिखर सम्मेलन का मुख्य आकर्षण डिजिटल सुलभता पर पैनल चर्चा होगी, जहां विशेषज्ञ

सत्यमेव जयते
MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए प्रौद्योगिकियों और उत्पादों को अधिक समावेशी और सुलभ बनाने के व्यावहारिक उपायों पर चर्चा करेंगे। इस अवसर पर, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग आई फॉर ह्यूमैनिटी फाउंडेशन, निपमैन फाउंडेशन, यंग लीडर्स फॉर एक्टिव सिटिजनशिप (वाईएलएसी) और रैम्पमाइसिटी फाउंडेशन सहित कई संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेगा।

ऑपरेशन सिंदूर में दिखा स्वदेशी हथियारों का दम, भारत की आत्मनिर्भरता बढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को खत्म करने के लिए चलाये गए 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारत ने स्वदेशी हथियारों का दम दिखाया है। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान को चीन से आपूर्ति की गई वायु रक्षा प्रणालियों को जाम करके महज 23 मिनट में मिशन पूरा किया, जिससे भारत की बढ़ती स्वदेशी तकनीक का प्रदर्शन हुआ। नियंत्रण रेखा या अंतरराष्ट्रीय सीमा को पार किए बिना भारतीय सेना ने सटीक और रणनीतिक तौर पर आतंकवादी ढांचे पर हमला करके कई खतरों को खत्म कर दिया। इस दौरान ड्रोन युद्ध, लेयर्ड एयर डिफेंस या इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में तकनीकी आत्मनिर्भरता भारत के लिए मील का पत्थर साबित हुई है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पुलिस का सर्च ऑपरेशन, बांग्लादेशियों व रोहिंग्या पर नजर पाकिस्तान ने 07-08 मई की रात को ड्रोन और मिसाइलों का उपयोग करके अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नल, फलोदी,

उत्तरलाई और भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया। जवाब में भारत के एकीकृत काउंटर यूएएस (मानव रहित हवाई प्रणाली) ग्रिड और वायु रक्षा प्रणालियों ने निष्प्रभावी कर दिया।भारतीय सशस्त्र बलों ने 8 मई की सुबह पाकिस्तान के कई स्थानों पर वायु रक्षा रडार और प्रणालियों को निशाना बनाया। लाहौर में एक वायु रक्षा प्रणाली को निष्क्रिय कर दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आकाश जैसी स्वदेशी प्रणाली ने शानदार प्रदर्शन किया। आकाश एक शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल सिस्टम है, जो कमजोर क्षेत्रों और कमजोर बिंदुओं को हवाई हमलों से बचाता है। आकाश हथियार प्रणाली समूह मोड या स्वायत्त मोड में एक साथ कई लक्ष्यों को निशाना बना सकती है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक काउंटर-काउंटर मेज़र (ईसीसीएम) सुविधाएं हैं। संपूर्ण हथियार प्रणाली को मोबाइल प्लेटफॉर्म पर कॉन्फ़िगर किया गया है। भारत की वायु रक्षा प्रणाली सेना, नौसेना और मुख्य रूप से वायु सेना के साथ तालमेल में प्रदर्शन करती है। इन प्रणालियों ने एक अभेद्य दीवार बनाई, जिसने पाकिस्तान के कई हमलों को विफल कर दिया।

पूर्णम कुमार शॉ की रिहाई का राजनीतिक दलों ने किया स्वागत, भाजपा ने जताया प्रधानमंत्री का आभार

एजेंसी

नई दिल्ली । पाकिस्तान की कैद से 20 दिन बाद कांस्टेबल पूर्णम कुमार शॉ की रिहाई का राजनीतिक दलों ने स्वागत किया है। भारतीय जनता पार्टी ने विशेष रूप से इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है। पाकिस्तान सरकार ने भारत के सीमा सुरक्षा बल के कांस्टेबल पूर्णम कुमार शॉ को वापस भारत भेज दिया। बीएसएफ कांस्टेबल 23 अप्रैल को अपनी ड्यूटी के दौरान गलती से सीमा पार कर गये थे और अबतक पाकिस्तानी रेंजर्स की हिरासत में थे। भारतीय जनता पार्टी के महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि एक अत्यंत सुखद क्षण है। इसमें भारत की चमक और धमक साफ झलकती है। यह हमारी वीर सेना के शौर्य और प्रधानमंत्री के सशक्त नेतृत्व का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व को उजागर किया है। साथ ही भारत की प्रतिभा और

शक्ति प्रदर्शित की है। इसने दर्शाया है कि भारत के लिए हर सैनिक कीमती है और भारतीय सेना अपने सैनिकों की रक्षा करना जानती है। पश्चिम बंगाल के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार शॉ की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए धन्यवाद दिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पाकिस्तान की हिरासत से सीमा सुरक्षा बल के कांस्टेबल पूर्णम कुमार शॉ की रिहाई का स्वागत किया और कहा कि जवान की वापसी सुनिश्चित करने के प्रयासों के दौरान वह लगातार उनके परिवार के संपर्क में थीं।

पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के रिसड़ा के निवासी कांस्टेबल को पाकिस्तान रेंजर्स ने पंजाब में अटारी-वाघा सीमा पर सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर बीएसएफ के सुपुर्द किया। उल्लेखनीय है कि पहलगाम आतंकी हमले के एक दिन बाद 23 अप्रैल को पूर्णम कुमार शॉ फिरोजपुर सेक्टर में अभियान संबंधी ड्यूटी करते हुए रात करीब 11 बजकर 50 मिनट पर अनजाने में पाकिस्तान के क्षेत्र में चले गए थे और पाक रेंजर्स ने उन्हें पकड़ लिया था।

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Indu Aggarwal is the owner of Freehold Residential Flat No. G-1, (H.I.G) on Ground Floor, without roof rights, area measuring 75 Sq. Meters, Built on Plot No. III-A/173-A, situated at Residential Colony, Sector-III, in Block No. A, Nehru Nagar III, Ghaziabad, Tehsil & District Ghaziabad, U.P., by virtue of Will dated 08.05.2018 Vide Doc No. 360 Book No.3, Volume No. 661, on Pages No. 209-226, on this dated 08.05.2018, in S.R- I Ghaziabad., in the chain Documents below mentioned document not available i.e. Probate Order of Will dated 08.05.2018, now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and Built on Same Property which is to be sold to (1) Mr. Adesh Nagar & (2) Mr. Yogesh Nagar and same has been financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd Branch: Noida, Sector-2 U.P. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, Dinesh Kumar Saini Lekharam S/o Lekharam R/o 1003 10th Floor, Tower-C6 Cleo County, Sector-121 Noida, Gautam Buddh Nagar Uttar Pradesh 201301 have changed my name to saini Dinesh Kumar for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
TO WHOM SO EVER IT MAY CONCERN
This is to inform the general public that PNB Housing Finance Ltd., having its branch office at Nangloi, New Delhi, intends to extend a financial facility to Ms. Praveen, against the security of a Plot bearing No. 118, having land area measuring 103 Sq. Yds., pertaining to Khasra No. 900/1, situated within the extended Lal Dora abadi of Village Tikri Kalan, West Delhi-110041.
The said property was previously owned by Mr. Yashpal Verma, who derived title thereto by virtue of a Sale Deed bearing Document No. 4960, dated 01.07.1991, duly registered and executed by Mr. Madan Mohan Singh, in his capacity as Director of M/s Beltak Electronics.
It is hereby further notified that the aforementioned original Sale Deed has been misplaced/lost and remains untraceable. A report in this regard has been duly lodged with the Crime Branch of Delhi Police vide LR No. 2834920/2025, dated 15.05.2025.
Accordingly, any person(s), individual(s), or entity (ies) having any claim, right, title, interest, lien, or objection whatsoever in respect of the aforementioned property or against the proposed mortgage in favour of PNB Housing Finance Ltd., are hereby called upon to submit their claims/objections in writing, along with supporting documents, to the undersigned within seven (7) days from the date of publication of this notice. Claims or objections, if any, may be submitted to Adv. Rishi Maheshwari (Mobile No.: - +91-9340118309). In the absence of any response within the stipulated time period, it shall be presumed that there are no claims, objections, or encumbrances pertaining to the said property, and the proposed transaction shall be completed without any further reference or demur.
Rishi Maheshwari (Advocate)
RZ-9, Upper Ground Floor,
Bhagwati Garden, Jain Road, Near
Dwarka More, New Delhi 110059
Email Address: -
lsrlexicure@gmail.com

NAME CHANGE
I, NIKHIL S/O NITYA NAND R/O 4164, PLOT NO-258,RAJENDRA PARK, GURGAON-122006, HARYANA HAVE CHANGED MY NAME TO NIKHIL PANDEY FOR ALL FUTURE PURPOSE

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I NARENDRA SINGH S/O HEMPAL SINGH R/O House no-185, Khajra khakam Bahjoi Dehat, PO: Bahjoi, DIST: Sambhal, Uttar Pradesh 202410 declare that name of mine and my father has been wrongly written as NARENDRA and HEM PAL SINGH in my 10th class educational document, name of mine has been wrongly written as NARENDRA in my 12 class and B. Tech. educational document. The actual name of mine and my father are NARENDRA SINGH and HEMPAL SINGH, which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I hitherto known as Tanwir Ahamad S/O. Se. Hafij, R/O 1/48 2nd Floor, Sunder Nagri, Nand Nagri, North East Delhi, Delhi-110093,have changed my name and shall hereafter be known as Mohd Tanwir Ahmad.

NAME CHANGE
I KHUSHI, D/O VIKAS SHARMA, R/O FLAT NO. 606,TOWER NO. B12, RPS SAVANA, SECTOR 88,FARIDABAD, PIN 121002,HARYANA INDIA, HAVE CHANGE MY NAME TO KHUSHI SHARMA, FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, kusum Shukla D/O Kanhiya Shukla W/O Anil Kumar Tripathi R/O Flat No-1103A Happiness Tower, Sikk Karmic Greens Sec-78 Bishrakh Gautam Budha Nagar, Uttar Pradesh-201306 Have changed my name to Kusum Anil Tripathi for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Antariksha S/O Anil Kumar Tripathi R/O Flat No-1103A Happiness Tower, Sikk Karmic Greens Sec-78 Bishrakh Gautam Budha Nagar, Uttar Pradesh-201306 Have changed my name to Antariksha Tripathi for all future purposes.

NAME CHANGE
I, K AMSA Mother of No-16127807K Rank-NK Name-GOPI KANNAN K residing at 1/5, MOOLAKOLLAL, GAYATHIRI NAGAR, RANGAPURAM, DISTRICT-VELLORE, TAMIL NADU-632009, have changed my name from K AMSA to AMSA for all future purposes vide Affidavit dated 15/05/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
My client Anil Son of Sh. Ramesh R/o House No.19, Ashoka Bindusar Camp, Near Ram Mandir, East of Kailash, Sriniwaspuri, South Delhi, New Delhi-110065, has disowned his son namely RITIK and his wife Sweety, Both R/o House No. 19 Ashoka Bindusar Camp, Near Ram Mandir, East of Kailash, Sriniwaspuri, New Delhi-110065, from all his Properties (Moveable & Immoveable) from today onwards and severed relation with them. Henceforth my client is not liable for any acts and deeds of his son Ritik and his daughter in law Sweety.
NABIN KUMAR SETHY
CHAMBER NO.357, 3RD FLOOR, LAWYERS BLOCK SAKET DISTT. COURTS COMPLEX, SAKET, NEW DELHI-17

NAME CHANGE
I, Somashekara Father of No.4583178N Rank-L/NK Name-Pramod S R/o Vill. Chikkakamaravalli, Post-Doddakamaravalli, Tehsil- Piriyapattana, District:Mysore, Karnataka -571187 have changed my name from Somashekara to Somashekhara vide affidavit dated 15.05.2025 executed before Notary Public, Delhi.

Religion change
I, Urmila Yadav S/O Sitaram Yadav R/O House No -12A/14G, Street No. -8, Near Hanuman Mandir, Vijay Mohalla Maujpur, Seelampur, PO: Seelampur, Dist: North East Delhi, Delhi -110053, have changed my Religion Hindu to Muslim from dated 15.05.2025 and changed my name Urmila Yadav to Shabana

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Mohd Adnan S/O Ishrat Husain R/O-703,Sheesh Mahal , Azad Market, Delhi G. P. O. North Delhi, Delhi -110006, declare that name of my father has been wrongly written as Ishrat Hussain in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father is Ishrat Husain

NAME CHANGE
I, VAJA SONAL Wife of No-7784293M Rank-HAV (MP) Name-VAJA VIRAMBHAI PUNABHAI Unit-DAPU C/O 56 APO residing at VILL-MEGHPUR, PO-AJOTHA, TEHSIL-VERAVAL, DIST-GIR SOMNATH, GUJARAT-362268, have changed my name from VAJA SONAL to VAJA SONAL VIRAMBHAI for all future purposes vide Affidavit dated 15/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MANOJ MOCHI son of Shri Krishna Mochi resident of Parsa Bazaar, Patna, Bihar-804453, Presently at Delhi, have changed my name from MANOJ MOCHI to MANOJ RAM in future for all purposes.

NAME CHANGE
I, Ramesh Chand Lakhera alias Ramesh Chander Lakhera S/o Chet Ram Lakhera R/o S-27 F-2, Extension-1 Shalimar Garden Sahibabad Ghaziabad Hapur Uttar Pradesh-201001 have chabged my name to Ramesh Chand Lakhera

NAME CHANGE
I hitherto known as PARENA D/O BHOLA GUPTA R/O D-730/37, GALI NO-11, ASHOK NAGAR, MANDOLI, NORTH EAST DELHI, DELHI-110093 have changed my name and shall hereafter be known as PRERNA KUMARI.

NAME CHANGE
I hitherto known as MANJU DEVI alias VIJAY VIJENDRA VERMA D/O NARAYAN DASS W/O Jay Singh R/O H.No- 9/2957, Sidhart Vihar, Pratap Vihar. Ghaziabad, PO: Vijai Nagar, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201009, have changed my name and shall hereafter be known as MANJU DEVI.

NAME CHANGE
I, Maniyamma Mother of No.4583178N Rank-L/NK Name-Pramod S R/o Vill. Chikkakamaravalli, Post-Doddakamaravalli, Tehsil-Piriyapattana, District:Mysore, Karnataka -571187 have changed my name from Maniyamma to MANI vide affidavit dated 15.05.2025 executed before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
I, Laxmi D/O Shiv Kumar R/O C-2, Indra Enclave Sadarpur Road Govindpuram, Ghaziabad, PO: Kavi Nagar, Dist: Ghaziabad Uttar Pradesh -201002, have changed my name and shall hereafter be known as Lavi

NAME CHANGE
I hitherto known as Nagma alias Nyaj Vegam W/O Ahmed, R/O D-17, E-11D, Buland Masjid Shastri Park, PO: Seelampur, DIST: East Delhi Delhi-110053, have changed my name and shall hereafter be known as NAGMA.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Sudhakar Jha S/o Bishnu Kant Jha R/o WZ-3588, 1st Floor, Raja Park, Shakur Basti, Shakurbasti Rs, Saraswati Vihar, North West Delhi, Saraswati Vihar, Delhi-110034 declare that name of my minor son has been wrongly written as Pratik in my minor son Pratik Jha aged 16 years in his 10th Class Educational Documents. The actual name of my minor son is Pratik Jha.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Anjna Devi W/O Kumar Gaurav Jha R/O H.No-E-173, Sector-25, Rohini, North West Delhi, Delhi-110085 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as Nandini Kumari in my minor daughter namely Nandni Kumari aged 14 years in her school record. The actual name of my minor daughter is Nandni Kumari which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, I hitherto known as PRIYA D/O PREM KUMAR W/O ADITYA VIKRAM R/O H.No T-133, Punjabi Basti, Subzi Mandi Malka Ganj North Delhi-110007, have changed my name and shall hereafter be known as PRIYA ADITYA VIKRAM.

NAME CHANGE
I, MALLAVVA Mother of No-16134444N Rank-SPR Name-MARUTI Y BEERANNAVAR residing at VILL-MIDAKANATTI, PO-KESHAPPANATTI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591344, have changed my name from MALLAVVA to MALLAVVA BEERANNAVAR for all future purposes vide Affidavit dated 15/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, YALLAPPA Father of No-16134444N Rank-SPR Name-MARUTI Y BEERANNAVAR residing at VILL-MIDAKANATTI, PO-KESHAPPANATTI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591344, have changed my name from YALLAPPA to YALLAPPA BEERANNAVAR for all future purposes vide Affidavit dated 15/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, FAREED AHMAD SHEIKH s/o Mohd Sharif R/o C-632, G.T.B. Nagar, Kareli, Prayagraj (Allahabad),Uttar Pradesh -211016 have changed my name to FARIED AHMAD SHEIKH for all future purposes

PUBLIC NOTICE
Mr. Vijay Srivastava and Mrs. Shalini Srivastava Owner of the Residential Apartment No. 804, on 8th Floor, having its super area of 2376 sq. ft., Block-B2, in the said Group Housing Complex known as Uniworld City (West), Sector-30 & 41, village Silokhera Tehsil Wazirabad& District Gurgaon, Haryana , Mr. Vijay Srivastava and Mrs. Shalini Srivastava have lost Original Agreement dated 03.07.2003, executed by M/s Unitech Limited to Mr. Vijay Srivastava and Mrs. Shalini Srivastava, for which complaint lodged to the police. That any person(s)/Appropriate authority etc. if find the misplaced Agreement aforesaid said person may come forward and inform the undersigned within 15 days from the date of Publication.
RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off.: 43B, Third Floor,
Patpargang Village, Mayur Vihar
Phase-I, Delhi-1
M-NO- 7252922875

NAME CHANGE
It is for general information that I, ASHA JAIN D/O DHARAM PAL JAIN EX. WIFE OF NARENDER BANSAL R/O 73B, NEW T BLOCK, MATIYALA BINDRAPUR ROAD, NANHEY PARK, UTTAM NAGAR, D.K.MOHAN GARDEN, WEST DELHI, DELHI-110059 declare that I got divorce from my Husband vide court decree HMA No. 598/2013 dated 03.09.2013. Further name of mine has been wrongly written as ASHA in my minor daughter NAVYA BANSAL aged 13 years in her school records and Birth Certificate No. MCDOLIR-0111-004878498. The actual name of mine is ASHA JAIN, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
BE IT KNOWN IN PUBLIC IN GENERAL MY CLIENT SHRIMATI KRISHNA DEVI WIFE OF SHRI AZAD SINGH RESIDENT OF HOUSE NO. 330 PANNA TIHAAI, MANGOLPUR KALAN, DELHI-110085 HAVE DEBARRED AND DISOWNED HER SON SONU MADAN AND HER DAUGHTER IN LAW RAJNI FROM ALL HIS MOVABLE AND IMMOVABLE PROPERTIES IN ALL MANNERS IF ANY ONE DEALS WITH THEM, THEY WILL DO SO AT THEM THEIR OWN RISKS, COSTS AND7 CONSEQUENCES. MY CLIENT SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR THE SAME IN ANY MANNER PRESENT & FUTURE. MOHIT BHARDWAJ ADVOCATE

NAME CHANGE
I, DEEPTY MAYEE BARIK Wife of ARMY No 6496424K Rank-HAV Name-SANJAY KUMAR BARIK Residing at VILL-HARIDADANDA, PO-KANTIA, DIST-KENDARARA, PO-SADAR, ODISHA-754223, have changed my name from DEEPTY MAYEE BARIK to DIPTIMAYEE BARIK for all future purposes and in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 19 July 1983 instead of my correct date of birth as 02 January 1983 vide Affidavit dated 15/05/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
I, MAHADEV PADHYA S/O HARK PADHYA R/O H.No- 105, 1st Floor, BH Market, VTC: Shalimar Bagh, District-North West Delhi, State- Delhi, PIN Code- 88, name of mine and my minor Son have been wrongly written as MAHA DEV and DINESH RAJ in my minor son namely DINESH RAJ PADHYA, aged 17 year in his 10th class Education documents. The actual name of mine and my minor Son are MAHADEV PADHYA and DINESH RAJ PADHYA.

सूचना
बड़े पैमाने पर सार्वजनिक रूप से सूचित किया जाता है कि (1) श्रीमती चंद वैद (2) श्री नवीन जोशी (3) श्रीमती वीना दीक्षित जो की श्री ए. के. जोशी के कानूनी उत्तराधिकारी हैं। जो फ्लैट नं 1476 श्रेणी -2, तीसरी मंजिल, पॉकेट -1 सेक्टर-सी वसंत कुंज नई दिल्ली 110030 में स्थित के मालिक थे । शुरू में, डीडीए ने श्रीमती राम पियारी के पक्ष में उक्त संपत्ति आवंटित की। जिन्होंने GPA, SPA, ATS दिनांक 08/05/1996 को श्री ए. के. जोशी के पक्ष निष्पादित किया। बाद में छ्छ्र ने कन्वेस डीड दिनांक 05/01/2007 को श्री ए. के. जोशी के पक्ष उक्त संपत्ति के संबंध में निष्पादित किया। (Doc. No. 228), जिनकी मृत्यु दिनांक 08/06/2017 को अपने कानूनी उत्तराधिकारियों (1) श्रीमती चंद वैद (2) श्री नवीन जोशी (3) श्रीमती वीना दीक्षित को पीछे छोड़ते हुए हुई।, जो उक्त संपत्ति को इच्छित उधारकर्ता को बेचने का इरादा रखते हैं, जो एल एंड टी फाइनेंस लिमिटेड को अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त अचल संपत्ति को बंधक करेगा। जिस किसी को भी उक्त बंधक पर कोई आपत्ति है या किसी का संपत्ति पर दावा या अधिकार या हित है, तो वह 07 दिनों के भीतर आपत्ति के साथ अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करेगा, अन्यथा यह माना जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।
नई दिल्ली
दिनांक: 15/5/2025
प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा **82Cr.P.C.** देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **यामिन उर्फ भोला पुत्रः दिलशाद, पताः** मोहल्ला गढ़ी, ठकरान, गाँव–ककोड़, जिला बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश, **FIR No. 22504/2021, U/s 379/411/34 IPC,** दिनांक 19.08.2021, थानाः कोटला मुबारक पुर, जिला दक्षिणी, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **यामिन उर्फ भोला** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **यामिन उर्फ भोला** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 22504/2021, U/s 379/411/34 IPC,** थानाः कोटला मुबारक पुर, जिला दक्षिणी, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **यामिन उर्फ भोला** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **01.07.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
सुश्री छवि बंसल, एलडी.
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
DP/6080/SD/2025
(Court Matter)
कमरा नं. 9, दक्षिणी पूर्वी साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Amit Kumar S/o Mr. Kunwar Pal Singh is the owner of Freehold Residential Plot No.109 area measuring 140 Sq. Yds. Part of Khasra No.189 Situated at Lal Dora of Village Kakrola Tehsil Dwarka District South West Delhi. by virtue of Sale Deed dated 02.07.2024 Vide Doc no.2024/16/I/8640, Book No.1, Volume no.13572, on Page Nos.71-92, S.R-IX Kapashera & Rectification Deed dated 04.04.2025 Vide Doc no. 2025/16/I/4739, Book No.1, Volume no. 14815, on Page Nos. 59-68, in S.R-IX Kapashera. in the chain document below mentioned documents not available i.e. Surviving member Certificate of Late Mr. Braham Parkash died on 25.12.2002 now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and Flat No.201 on Second Floor sold too be Mr. Ravindra and same has been finance by ICICI Home Finance Co. Ltd. Branch: Noida, Gautam Budh Nagar, U.P. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

तोशाम की जनता से मेरे परिवार का है तीन पीढ़ियों से गहरा नाता:श्रुति चौधरी

तोशाम। प्रदेश की सिंचाई तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि उनके दादा पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी बंसीलाल ने अपनी विकासपरक सोच से पूरे हिंदुस्तान में हरियाणा का नाम रोशन किया। उनके कार्यकाल के दौरान क्षेत्र में बनी सभी माइनर और नहरों का जीर्णोद्धार करवाया जाएगा ताकि किसानों को सिंचाई के लिए और गांवों में आमजन को पेयजल के लिए पर्याप्त मात्रा पानी मिल सके। उन्होंने कहा कि पेयजल परियोजनाओं के लिए सरकार द्वारा करोड़ों रुपए की राशि मंजूर की गई है। जल्द ही जिला की नहरों में पानी आ जाएगा, इसके बाद पानी की किल्लत नहीं रहेगी। सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी बुधवार को तोशाम विधान सभा क्षेत्र में विभिन्न गांवों में ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हुए अपना संदेश दे रहीं थी। उन्होंने कहा कि तोशाम विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी, करोड़ों रुपए की परियोजनाएं मंजूर की गई हैं। तोशाम विधानसभा क्षेत्र में अधिक से अधिक विकास करवाना ही उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि तोशाम की जनता से उनके तीन पीढ़ियों का नाता है, यहां की जनता ने हमेशा उनका साथ दिया है। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए श्रुति चौधरी ने कहा कि गांव बागनवाला में 60 लाख रुपए की लागत से पेयजल आपूर्ति के लिए अतिरिक्त टैंक का निर्माण करवाया जाएगा।

जागरूकता से ही आपदा के नुकसान में कमी लाई जा सकती है : महेश गुप्ता

नूंह। जिला उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा एवं अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक के निर्देशन और जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव महेश गुप्ता के मार्गदर्शन में जिला रेडक्रॉस सोसायटी ने बेसिक फर्स्ट एड एवं आपदा प्रबंधन जागरूकता सेमिनार का आयोजन रेडक्रॉस भवन नूंह में किया। सचिव महेश गुप्ता ने बताया कि जिला उपायुक्त की इच्छा है कि जिले के अंतिम छोर तक आपदा प्रबंधन सिविल डिफेंस स्वयं तैयार हो, ताकि मौका आने पर उनकी सेवाओं से आम नागरिकों को सुरक्षित किया जा सके। जिला रेडक्रॉस सोसाइटी नूंह के जिला प्रशिक्षण अधिकारी महेश मलिक ने बताया कि हरियाणा राज्य परिवहन विभाग नूंह के सभी कर्मियों को आपदा प्रबंधन एवं फर्स्ट एड में निपुण कराते हुए जिले में आपदा प्रबंधन टीम गठित कराना चाहती हैं। इसी उद्देश्य से आज बुधवार को सैकड़ों परिचालकों को जिला प्रशिक्षण अधिकारी महेश मलिक ने किसी भी आपदा, सड़क दुर्घटना, आगजनी, पानी में डूबने, बिजली का करंट, बेहोशी के दौरान पीड़ित को सुरक्षित करने, जान मॉल के नुकसान से बचाने, मौके पर एंबुलेंस पहुंचने या अस्पताल पहुंचने तक उपयुक्त प्राथमिक सहायता, हार्ट अटैक, सिक्का निगलना, आगजनी के दौरान धुआं होने, बिजली का करंट लगने, शरीर से काफी रक्त बहने, हृदयाघात जैसी स्थिति में हार्ट के कार्य न करने तथा सांस न आने की अवस्था में जीवनदायिनी विधि सी. पी.आर. का प्रयोगात्मक तरीका समझाया।

नूंह जिले में 12 वीं कक्षा में खराब नतीजों के कई कारण : डॉ वसीम अकरम

नूंह। मंगलवार को जारी हरियाणा में बारहवीं कक्षा के नूंह जिले का खराब परिणाम चर्चा का विषय बने हुए हैं। सहायक प्रोफेसर डॉक्टर वसीम अकरम ने बातचीत में बताया कि 12वीं कक्षा में खराब नतीजों के कई कारण हैं फिर चाहे वो विद्यार्थी, शिक्षण प्रणाली, और पारिवारिक व सामाजिक वातावरण से जुड़े हो सकते हैं। प्रोफेसर वसीम अकरम ने कहा कि छात्रों में अध्ययन की सही रणनीति का अभाव रह जाता है, समय प्रबंधन में भी कमी कई बार रह जाती है, रटने पर ज़्यादा ज़ोर और समझ की कमी व महत्वपूर्ण टॉपिक्स पर फोकस न करना ऐसे कारण हैं जो अपेक्षा अनुसार अच्छे नतीजे नहीं दे पाते। प्रोफेसर वसीम अकरम ने बताया कि विषय में रुचि की कमी भी मुख्य कारण है, छात्रों को जिन विषयों में रुचि नहीं होती, उसमें अच्छा प्रदर्शन करना मुश्किल होता है, दरअसल ये ज़बरदस्ती चुना गया स्ट्रीम के मामले में देखा जाता है। प्रोफेसर वसीम अकरम ने मोबाइल और सोशल मीडिया का अधिक उपयोग को भी खराब प्रदर्शन का कारण माना और इसे ध्यान भटकाना वाला बताते हुए कहा कि अधिक इस्तेमाल पढ़ाई के समय में कटौती करता है जिससे छात्र मन चाहे नतीजे अर्जित नहीं कर पाता।

पुलिस के राईडर स्टॉफ ने सड़क पर लावारिश मील मोबाईल फोन को उसके असल मालिक को लौटाया

गुरुग्राम। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा के नेतृत्व में व पुलिस उपायुक्त मानेसर दीपक के निर्देशानुसार गुरुग्राम पुलिस आमजन की सुरक्षा व सहयोग के लिए निरंतर प्रयासरत है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस राईडर, पुलिस चौकी हेली मंडी पर तैनात स्टॉफ सिपाही विजेंद्र व राजकुमार टोल प्लाजा के पास वाहन चेक कर रहे थे। पुलिस राईडर स्टॉफ को वहां पर बने ब्रेकर पर एक मोबाईल फोन मिला। पुलिस स्टॉफ ने फोन को उठाकर सुरक्षित रख लिया व फोन के मालिक को खोजने की कोशिश करने लगे। इस दौरान फोन पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया जिसके बाद फोन मालिक से संपर्क हो पाया। मोबाईल फोन के कवर में पैसे व ड्राइविंग लाइसेंस था।

भारतीय सेना की जीत व सम्मान के लिए निकाली जा रही तिरंगा यात्रा : रेखा शर्मा

अम्बाला शहर में तिरंगा यात्रा राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा की अगुवाई में निकाली तिरंगा यात्रा

एजेंसी

अम्बाला। भारतीय सेना की जीत व सम्मान के लिए आज जगाधरी गेट अम्बाला शहर में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा की अगुवाई राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा व पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल नन्यौला ने की। इस यात्रा में भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा, मेयर शैलजा सचदेवा, पूर्व विधायक संतोष चौहान सारवान, पूर्व विधायक डा. पवन सैनी, प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया, हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन की पूर्व सदस्य नीता खेड़ा, भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष बीनू गर्ग विशेष तौर पर मौजूद रहे। तिरंगा यात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ अन्य लोगों ने भारी संख्या में शामिल होकर भारत मां की जय, वंदे मातरम के जयघोष से पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओप-प्रोत हो गया। तिरंगा यात्रा जगाधरी गेट से शुरू होकर आर्य चौक होते हुए शौर्य चौक अम्बाला शहर में आकर सम्पन्न हुई।

राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने इस मौके पर बताया कि भारतीय सेना की जीत व सम्मान के रूप में यह तिरंगा यात्रा पूरे भारतवर्ष में निकाली जा रही है। बीते कल हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला से इस यात्रा का शुभारम्भ किया था। इस यात्रा के माध्यम से हम भारतीय सेना जिसमें वायुसेना, आर्मी व नेवी है उन्हें हम सैल्यूट करते हैं जिन्होंने पाकिस्तान में घुसकर उन्हें मुहतोड़ जवाब दिया है, उनके छक्के छुड़वाए हैं। उन्होने यह भी कहा कि

हमारी सेना ने 26 लोगों की मौत का बदला कई सौ आतंकियों को मौत के घाट उतारकर लिया है। भारतीय सेना का यह आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब है। उन्होंने कहा कि इस घटना में जो हमारे वीर सैनिक शहीद हुए हैं, हम उन परिवारों को भी नमन करते हैं। उन्होंने इस मौके पर यह भी कहा कि भारत कमजोर देश नही है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत का निर्माण हो रहा है। उन्होने सेना को फ्री हैंड किया है, यदि पाकिस्तान ने दोबारा गलती की तो उसका नामोनिशान नहीं रहेगा। भारत किसी से डरने वाला नहीं है, भारत के पास नई तकनीक है। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल नन्यौला ने उपस्थित सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत के पराक्रम (सेनाओं) को सैल्यूट करने के लिए इस यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। पूरे भारतवर्ष में यह यात्रा निकाली जाएगी और जिस प्रकार भारत आगे बढ़ रहा है उसी प्रकार लोग भी इस यात्रा में भारी संख्या में शामिल होकर देशभक्ति का परिचय भी दे रहे हैं। उन्होने यह भी कहा कि जितनी भी लड़ाईयां लड़ी गई उसमें अम्बाला हमेशा ही आगे रहा है। 1857 की चिंगारी सबसे पहले अम्बाला से शुरू हुई थी। हमारे लिए गर्व की बात है कि हमारे यहां पर राफेल के साथ-साथ आधुनिक एयरबेस के साथ-साथ हमारी सेनाएं आधुनिक तकनीक से सुसज्जित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा का क्षेत्रफल 2 प्रतिशत है लेकिन हमारी सेनाओं मे जो जवान देशसेवा कर रहे हैं, वो भारत की सेनाओं का 10 प्रतिशत है। हम सेना के जवानों को सैल्यूट करते हैं जो सरहदों पर 24 घंटे पहरा देकर हमारी रक्षा कर रहे हैं। हम जो चैन की नींद सोते है वो उनकी बदौलत है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने साफ कहा है कि पाकिस्तान से अब सीधी बात पीओके पर होगी। आतंकवाद के साथ टयूरिज्म नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि भारत अब कमजोर देश नहीं है बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत का आगाज हो चुका है। यदि पाकिस्तान ने कोई औछी हरकत की तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। शौर्य चौक पर राज्यसभा सांसद व पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल के साथ-साथ यात्रा में शामिल लोगों ने सैल्यूट कर सेनाओं का सम्मान भी किया।

जगाधरी गेट अम्बाला शहर से शुरू हुई तिरंगा यात्रा में युवाओं के साथ-साथ महिलाओं ने भी आगे आकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारों से सभी में देशभक्ति का संचार किया। भारी संख्या में शामिल होकर लोगों ने इस यात्रा का सफलतापूर्वक आयोजन करवाया। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा, मेयर शैलजा सचदेवा, पूर्व विधायक संतोष चौहान सारवान, पूर्व विधायक डा. पवन सैनी, मंडल प्रधान अमन सूद, गुरविन्द्र सिंह मानकपुर, दिनेश लदाणा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया, जिला महामंत्री कर्मचंद सिंह गोल्डी, विवेक गुप्ता, एडवोकेट संदीप सचदेवा, एडवोकेट नम्रता गौड़, भाजपा पदाधिकारी राजेश मेहता, सुंदर ढींगरा, संजीव गोयल टोनी, अनुभव अग्रवाल, मदन लाल शर्मा, यतिन अग्रवाल, मनीष आनंद मन्नी, मोनिका मल, अतुल आहुजा, रीवा पाहवा, मोनिका कालड़ा, जसमेर राणा, सरदूल सिंह, फकीर चंद, पींकू सूद, सुरेन्द्र टोबा, रमेश पाल नोहनी, शोभा पूनिया, सीए रोहित गुप्ता, गुरप्रीत साना मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के टॉपर्स से की बात

आर्ट, कॉमर्स और विज्ञान संकाय के टॉपर्स को मुख्यमंत्री ने दी बधाई

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की कक्षा 12वीं की परीक्षा के टॉपर्स से टेलीफोन पर बातचीत कर उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये होनहार विद्यार्थी पूरे हरियाणा के लिए गौरव का विषय हैं और युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने वाले आदर्श बनकर उभरे हैं। मुख्यमंत्री ने कॉमर्स संकाय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कैथल जिले के अर्पणदीप सिंह, आर्ट्स संकाय की टॉपर जींद की सरोज और विज्ञान संकाय के टॉपर भिवानी के नमन से व्यक्तिगत रूप से बात की। उन्होंने तीनों विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि ये सफलता उनके आत्मविश्वास, परिवार के सहयोग और शिक्षकों के मार्गदर्शन का प्रतिफल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के विद्यार्थी देशभर में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं। यह हमारे लिए गर्व का विषय है। सरकार प्रतिभाशाली छात्रों को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव सहयोग दे रही है और आगे भी देती रहेगी। जो विद्यार्थी आज उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, वे कल समाज और राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका निभाएँगे। श्री नायब सिंह सैनी ने विद्यार्थियों के माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई देते हुए कहा कि बच्चों की इस सफलता में उनका समर्पण और प्रोत्साहन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे इसी तरह कड़ी मेहनत जारी रखें और देश के विकास में अपना योगदान दें।

पंजाब जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट ने ही पंजाब सरकार के पानी न होने के झूठे दावों की खोली पोल: रामपाल माजरा

एजेंसी

चंडीगढ़। इनेलो के प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने कहा कि हरियाणा प्रदेश के पानी का हिस्सा न देने के लिए पंजाब की आप सरकार के मंत्री और विधायक नंगल डैम पर धरना दिए बैठे हैं जिसकी जितनी भी निंदा की जाए उतनी कम है। रामपाल माजरा ने बुधवार को अंग्रेजी के एक अखबार में छपी रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि रिपोर्ट में साफ साफ लिखा है कि पंजाब ने पिछले दस सालों में कभी भी अपना पूरा जल कोटा उपयोग ही नहीं किया है। पिछले दस सालों में पंजाब में जितनी भी पार्टियों की सरकारे रही हैं उन सभी सरकारों ने हमेशा सार्वजनिक बयानबाजी में यही कहा है कि वे हरियाणा को पानी की एक अतिरिक्त बूंद भी नहीं देंगे। हालांकि, हकीकत कुछ और ही तस्वीर पेश करती हैं। पानी के बंटवारे के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि पिछले

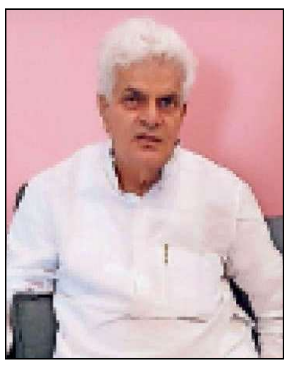

इस सालों में पंजाब ने कभी भी पानी का पूरा कोटा तक इस्तेमाल नहीं किया है। पंजाब जल संसाधन विभाग के जल उपयोग के आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलता है कि पंजाब ने 2014-15 से अब तक सिर्फ 64 से 84 प्रतिशत जल ही उपयोग किया है। 2014-15 में पंजाब का 6.621 एमएएफ कोटा था और उपयोग किया सिर्फ 4.642 एमएएफ यानी 70 प्रतिशत, उसके बाद 2015-16 से 2023-24 तक 76, 87, 84, 64, 69, 83, 76, 69 और 84 प्रतिशत ही पानी उपयोग किया है। इस रिपोर्ट ने पंजाब सरकार को पूरी तरह से बेनकाब कर दिया है। मतलब साफ है कि पंजाब के पास पानी की कोई कमी नहीं है। सिर्फ राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए इस तरह की नौटंकी की जा रही है।

रामपाल माजरा ने केंद्र की सरकार से मांग करते हुए कहा कि पंजाब जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए पंजाब पर दबाव बनाए और हरियाणा के हिस्से का पानी तुरंत दिलवाएं।

चरखी दादरी रेलवे ट्रैक पर बदमाश ने की अंधाधुंध फायरिंग

फरुखनगर में हलवाई का मर्डर कर भागा था, स्कूल में घुसकर बोला-एक मर्डर और करना है

एजेंसी

चरखी दादरी। चरखी दादरी में धनी फाटक के पास रेलवे ट्रैक पर एक बदमाश ने दोनों हाथों में पिस्तौल लेकर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। आरोपी की पहचान झज्जर जिले के इस्माइलपुर निवासी पंकज कुमार के रूप में हुई है। पंकज गुरुग्राम के फर्रुखनगर में समोसे को लेकर हुए विवाद में दुकानदार राकेश सैनी की गोली मारकर हत्या की, इसके बाद वह भागकर यहां आया।

ट्रैक पर फायरिंग की सूचना मिलते ही सिटी थाना पुलिस और CIA टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर उसे काबू में लिया। इससे पहले आरोपी एक स्कूल में घुसकर पानी मांगते हुए बोला था-'एक मर्डर करना है।' खुद को घिरा देख उसने खुद को गोली मारने का नाटक किया, लेकिन पुलिस ने उसे पकड़ लिया और तत्र्क्क चौकी ले जाकर पूछताछ शुरू कर दी है।

स्कूल में मर्डर करने गया था आरोपी: स्थानीय लोगों के अनुसार आरोपी पास के एक स्कूल में गया था और पानी मांगते हुए कहा कि उसे एक मर्डर करना है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान पंकज कुमार, निवासी इस्माइलपुर, जिला झज्जर के रूप में हुई है। शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह फरुखनगर में एक मर्डर कर चुका है और वारदात में प्रयोग की गई बाइक वहीं छोड़ दी थी। वह चरखी दादरी क्यों आया, इस बारे में अभी पुष्टि नहीं हो पाई है।

उद्योग जगत की जरूरतों के अनुसार बदलेगा आईटीआई का पाठ्यक्रम: डॉ. सुमिता मिश्रा

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की परिकल्पना के अनुसार, प्रशिक्षित युवाओं के लिए अधिकतम रोजगार उपलब्ध कराने के लिए हरियाणा सरकार आईटीआई पाठ्यक्रम को अपडेट कर रही है। गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि नए पाठ्यक्रम में एआई, सॉफ्ट स्किल्स और उद्योग-केंद्रित मॉड्यूल में बुनियादी प्रशिक्षण शामिल होगा, ताकि युवाओं को आधुनिक नौकरियों के लिए बेहतर तरीके से तैयार किया जा सके। डॉ. सुमिता मिश्रा बुधवार को यहां दिसंबर, 2024 में आयोजित मुख्य सचिवों के चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रमुख कार्य बिंदुओं पर प्रगति का आकलन करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। डॉ. मिश्रा ने कहा कि अधिकतम प्लेसमेंट के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कौशल प्रशिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता में सुधार करना आवश्यक है। डॉ. मिश्रा ने अधिकारियों को आईटीआई स्नातकों के पिछले प्लेसमेंट रिकॉर्ड को संकलित करने और उनका विश्लेषण करने का निर्देश दिया ताकि प्रशिक्षण और वास्तविक रोजगार प्रवृत्तियों के बीच अंतर की पहचान की जा सके। इससे अधिक लक्षित और कुशल प्लेसमेंट रणनीति तैयार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने उद्योग-विशिष्ट कुशल कार्यबल डेटा तक वास्तविक समय की पहुंच प्रदान करने, कुशल प्रतिभा मिलान की सुविधा, औद्योगिक भर्ती को सुव्यवस्थित करने और हरियाणा के कुशल युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित पोर्टल विकसित करने का निर्देश दिया।

एसीएस हेल्थ ने लिंगानुपात को लेकर की वीसी

भ्रूण लिंग जांच करने जैसी गतिविधियों की सूचना जिला प्रशासन को दें नागरिक: डॉ. विवेक भारती

एजेंसी

नारनौल। उपायुक्त डा. विवेक भारती ने कहा कि अवैध गर्भपात की प्रथाओं के प्रति सरकार व जिला प्रशासन जीरो-टोलरेंस के दृष्टिकोण पर काम कर रही है। ऐसा कृत्य करने वाले लोग बख्शे नहीं जाएगा। डीसी आज स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के एसीएस सुधीर राजपाल की अध्यक्षता में लिंगानुपात को लेकर राज्य के सभी उपायुक्त, स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों के साथ हुई वीडियो कांफ्रेंसिंग के बाद अधिकारियों की बैठक में बोल रहे थे। डीसी ने कहा कि महेंद्रगढ़ में लिंगानुपात सुधारने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया जा रहा है। डीसी ने अवैध गर्भपात पर अंकुश लगाने और लिंगानुपात में और अधिक सुधार लाने के प्रयासों को तेज करने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि गर्भवती महिला का सही समय पर पंजीकरण जरुर कराया जाए। आशा वर्कर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सीडीपीओ तथा चिकित्सा अधिकारी पूरी तरह से सतर्क रहें। डीसी ने अधिकारियों को सभी स्तरों पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि कानून को लागू करने में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ

भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य विभाग के पास निजी प्रैक्टिस करने वाले सभी बीएएमएस/बीएचएमएस डॉक्टरों की सूची उपलब्ध होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संबंधित क्षेत्र की खराब प्रदर्शन करने वाली आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम, एमओ और एसएमओ के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उपायुक्त ने कहा कि अगर गांव या शहर में कोई भी व्यक्ति भ्रूण लिंग जांच करने जैसी गतिविधियों में लिप्त रहता है तो उसकी सूचना जिला प्रशासन, नजदीकी सरकारी अस्पताल या कार्यालय सिविल सर्जन नारनौल में दें। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम व पता गुप्त रखा जाता है। सरकार की तरफ से प्रोत्साहन के रूप में एक लाख रुपये की राशि भी दी जाती है। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अशोक कुमार ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ मिलकर सहेली स्कीम के तहत आशा वर्कर तथा आंगनवाड़ी वर्कर ने ऐसी गर्भवती महिलाओं को गोद लिया हुआ है जिनको पहले एक या एक से अधिक लड़कियां है। भ्रूण लिंग जांच एवं गर्भपात न करवाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस मौके पर सीएमओ डा. अशोक कुमार, डा. विजय यादव, डा. नरेंद्र, कार्यक्रम अधिकारी संगीता यादव के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

इस तरह होगी जिला स्तर पर स्थायी समिति:

डीसी डा. विवेक भारती ने बताया कि जिला स्तर पर एक स्थाई समिति बनाई जाएगी। इसके लिए सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस समिति में वे खुद अध्यक्ष होंगे। इसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम सह-अध्यक्ष होंगे।

सीएम नायब सिंह सैनी के प्रस्तावित दौरे को लेकर डीसी ने ली अधिकारियों की बैठक

महेंद्रगढ़ विधानसभा की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे मुख्यमंत्री

एजेंसी

नारनौल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आगामी 18 मई को राजकीय कॉलेज महेंद्रगढ़ के मैदान में प्रस्तावित दौरा कार्यक्रम को लेकर

उपायुक्त डा. विवेक भारती ने आज लघु सचिवालय में अधिकारियों की बैठक ली डीसी ने बताया कि 18 मई को होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर सभी विभाग तुरंत प्रभाव से तैयारियां शुरू कर दें। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री महेंद्रगढ़ विधानसभा की विभिन्न परियोजनाओं के उद्घाटन तथा शिलान्यास करेंगे। संबंधित विभाग इस बारे में सभी प्रकार की स्वीकृति आज ही प्राप्त कर लें उपायुक्त ने इस कार्यक्रम में पधारने वाले आमजन के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने एंबुलेंस, पेयजल, बिजली, शौचालय, सफाई तथा रास्ते पर पड़ने वाले पेड़ों की कटिंग सहित तमाम तैयारियां दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि आमजन को बैठने के लिए अलग-अलग सेक्टर बनाकर कुर्सियां लगाई जाएंगी। इन सभी सेक्टर में पेयजल की उचित व्यवस्था रहेगी ताकि आमजन को पेयजल के लिए बाहर न जाना पड़े। गर्मी के मौसम को देखते हुए कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त मात्रा में कूलर तथा पंखे लगाए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुरक्षा के मद्देनजर पार्किंग की अलग-अलग व्यवस्था होनी चाहिए तथा एक-एक नोडल अधिकारी तैनात किया जाए।

इस बैठक में महेंद्रगढ़ के एसडीएम अनिल यादव, नांगल चौधरी के एसडीएम मनोज कुमार, कनीना के एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह, नारनौल के एसडीएम रमित यादव तथा नगराधीश मंजीत कुमार व डीएसपी हरदीप सिंह के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

रसायन कबाडे में फिर से लगी आग, 1 नामजद व अन्य पर मामला दर्ज

तावडू। उपमंडल के गांव खोरी कला के वन क्षेत्र और पंचायती भूमि पर अवैध रूप से जलाए जाने वाले रसायन कबाड़ में पिछले कई दिनों से आग लग रही है। जिसे फायर ब्रिगेड की गाडी ने मौके पर पहुंच काबू कर रही है। भी इस रसायन कबाडे में आग लग गई। इस घटना की सूचना पर एसडीएम संजीव कुमार मौके पर पहुंचे। जहां वन विभाग ने एक नामजद सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। वन रक्षक ईन्चार्ज खोरी कलां अनुप सिंह व मनोज कुमार वन दरोगा ने खोरी कलां पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उन्हें सूचना मिली कि खोरी कलां अरावली वन क्षेत्र में रसायन कबाडे में आग लग गई है।

नारनौल नागरिक अस्पताल में अब दो शिफ्टों में होगा अल्ट्रासाउंड, आमजन को मिलेगी बड़ी राहत: आरती सिंह राव

एजेंसी

नारनौल। स्थानीय नागरिक अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के निर्देश पर अब अल्ट्रासाउंड सेवा को दो शिफ्टों में संचालित किया जाएगा। पहले यह सेवा केवल एक ही शिफ्ट में उपलब्ध थी, जिससे मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ता था और अनेक बार उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता था। अब इस सेवा का समय प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक तथा दूसरी शिफ्ट में दोपहर 2 बजे से शाम 8 बजे तक निर्धारित किया गया है। यह निर्णय मरीजों की संख्या में निरंतर वृद्धि और सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए लिया गया है। इससे अब कामकाजी वर्ग, वृद्धजन तथा दूर-दराज से आने वाले मरीजों को समय अनुसार सेवा मिल सकेगी।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि सरकार नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि मरीजों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिलें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। अस्पताल प्रशासन को पर्याप्त स्टाफ की व्यवस्था करने और दोनों शिफ्टों में सेवा की निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। इस बदलाव से मरीजों की सुविधा के साथ-साथ अस्पताल में भीड़भाड़ में भी कमी आएगी और अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट की प्रतीक्षा अवधि भी घटेगी। अस्पताल प्रशासन ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि सभी मरीज अपनी निर्धारित समय सारिणी के अनुसार पहुंचें और सेवा का लाभ लें।

NAME CHANGE

I, hitherto known as RAJENDER KUMAR SHARMA S/O CHANDAN LAL R/O 271E, Model Town, Model Town Sonipat, Sonipat Haryana-131001 have changed the name and shall hereafter be known as RAJINDER SHARMA.

ब्याज दरें और महंगाई घटने से शहरी परिवारों की वित्तीय स्थिति सुधरी, ग्रामीण धारणाओं में गिरावट

नई दिल्ली। ब्याज दरें और महंगाई के घटने से शहरी परिवारों की वित्तीय स्थिति में तेजी से सुधार हुआ है।इसका अंदाजा शहरी उपभोक्ता धारणा सूचकांक से लगाया जा सकता है, जो लगातार दूसरे महीने बढ़कर अप्रैल में 108.8 पहुंच गया। यह एक साल में सबसे ज्यादा है। मार्च में यह 107.7 और फरवरी में 104.3 था। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के अनुसार, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव से आगे धारणाओं को झटका लग सकता है। सीएमआईई के अनुसार, मार्च-अप्रैल, 2025 में शहरी धारणाओं में अच्छी वृद्धि हुई है। शहरी परिवार अपनी वर्तमान आर्थिक स्थितियों को लेकर उत्साहित दिखे और भविष्य की संभावनाओं को लेकर भी आशावादी थे। महत्वपूर्ण यह है कि धारणाओं में उछाल व्यापक आधार पर है। किसी खास व्यवसाय समूह के परिवारों तक सीमित नहीं है। व्यवसाय में लगे शहरी, वेतनभोगी परिवार और छोटे व्यापारियों व दिहाड़ी मजदूरों के परिवारों की भी धारणाओं में वृद्धि हुई है। वर्तमान आर्थिक स्थितियों का शहरी सूचकांक (आईसीसी) अप्रैल में 0.8 फीसदी और मार्च में 4.5 फीसदी बढ़ा था। तीन माह में शहरी आईसीसी में एक फीसदी गिरावट आई थी।

वनस्पति तेल का आयात अप्रैल में 32 फीसदी घटा; मैनकाइंड फार्मा को 341.86 करोड़ रुपये का आयकर नोटिस

नई दिल्ली। पाम और रिफाइंड तेल आयात में कमी से वनस्पति तेल का आयात अप्रैल में 32 फीसदी घटकर 8.91 लाख टन रह गया।सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन के मुताबिक, सरसों की पेराई बढ़ने के साथ पाम तेल की मांग में कमी से तीन माह में आयात बहुत कम स्तर पर रहा।एसईए के मुताबिक, नेपाल से रिफाइंड खाद्य तेलों का आयात 60,000 से 70,000 टन मासिक है। इससे भी समग्र आयात और स्टॉक को प्रभावित किया है। अप्रैल में पाम तेल आयात 53 प्रतिशत घटकर 3.21 लाख टन रह गया। कच्चे पाम तेल का आयात 55 प्रतिशत घटकर 2.41 लाख टन रह गया। सूरजमुखी तेल आयात 23.28 प्रतिशत घटकर 1.80 लाख टन रह गया।

मैनकाइंड फार्मा को 341.86 करोड़ रुपये का आयकर नोटिस

नई दिल्ली। दवा कंपनी मैनकाइंड फार्मा लि. को आयकर विभाग से ब्याज सहित 341.86 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कर मांग का नोटिस मिला है। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजारों को बताया, उसके आयकर उपायुक्त (सेंट्रल सर्कल 29), नई दिल्ली के कार्यालय से आईटी पोर्टल के जरिये 13 और 14 मई, 2025 को ब्याज सहित 341.86 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कर मांग की गई। यह मांग आयकर अधिनियम-1961 की विभिन्न धाराओं के तहत किए गए समायोजन और विभिन्न खर्च की अस्वीकृति के कारण है।

ई-कॉमर्स कंपनियों को पाकिस्तानी झंडे वाले उत्पाद हटाने का आदेश

नई दिल्ली। उपभोक्ता संरक्षण नियामक ने अमेजन इंडिया और वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट सहित विभिन्न ई-कॉमर्स कंपनियों को नोटिस जारी कर उन्हें अपने मंच से पाकिस्तानी झंडे वाले उत्पाद हटाने का निर्देश दिया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह जानकारी दी। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने यूबाय इंडिया, एट्सी, द फ्लैग कंपनी व द फ्लैग कॉरपोरेशन को भी भेजे नोटिस में कहा, पाकिस्तानी झंडों और संबंधित सामानों की बिक्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जोशी ने कहा, ऐसी असंवेदनशीलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ई-कॉमर्स मंच ऐसी सभी सामग्री तुरंत हटा दें और राष्ट्रीय कानूनों का पालन करें।

शक्ति पंप्स ने 2,516.2 करोड़ का राजस्व अर्जित किया

नई दिल्ली।शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड (एसपीआईएल), इंदौर (मध्य प्रदेश) ने 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और वित्त वर्ष के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में सर्वाधिक 2,516.2 करोड़ रुपये के राजस्व का आंकड़ा पार किया है। इसमें वर्ष दर वर्ष 83.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 का शुद्ध लाभ 188.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 408.4 करोड़ रहा। इस अवसर पर एसपीआईएल के चेयरमैन दिनेश पाटीदार ने प्रसन्नता जाहिर की और कहा कि कंपनी का प्रदर्शन बहुत ही शानदार रहा है। कंपनी ने सभी प्रमुख मानकों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। यह प्रभावशाली टॉपलाइन ग्रोथ हमारे घरेलू और निर्यात दोनों व्यवसायों में शानदार प्रदर्शन के चलते संभव हुई है।

बरबेरी वैश्विक स्तर पर 1,700 की करेगी छंटनी

नई दिल्ली। ब्रिटिश लग्जरी ब्रांड बरबेरी लागत में कटौती करने और कारोबार को पटरी पर लाने के लिए वैश्विक स्तर पर 1,700 नौकरियों में कटौती करेगी। 2024-25 में कंपनी को 3.45 करोड़ डॉलर का परिचालन लाभ हुआ है। कई देशों में बिक्री 9 फीसदी तक गिर गई है।

ट्रेड यूनियनों की देशव्यापी हड़ताल में शामिल नहीं होगा भारतीय मजदूर संघ

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने किसान एवं मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने और महंगाई पर रोक लगाने सहित 17 सूत्री मांगों तथा चार लेबर कोड रद्द करने की मांग को लेकर 20 मई को देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है, लेकिन इस हड़ताल में भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) शामिल नहीं होगा। भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री रविन्द्र हिमते ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि देश के कुछ ट्रेड यूनियन ने 20 मई को किसान एवं मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने, महंगाई पर रोक लगाने सहित 17 सूत्री मांगों तथा चार लेबर कोड रद्द करने की मांग को लेकर देशव्यापी हड़ताल करने का निर्णय लिया है, लेकिन भारतीय मजदूर संघ इस हड़ताल में शामिल नहीं है। हिमते ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ ने दो लेबर कोड का समर्थन किया है, जबकि दो लेबर कोड में संसोधन करने की मांग की है। बीएमएस ने जिन दो लेबर कोड ऑन वेजेस 2019

कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी 2020 का स्वागत किया है, उनमें कोड ऑन वेजेस 2019 तथा कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी 2020 एक ऐतिहासिक कोड है, जिसमें पहली बार केंद्र सरकार के स्तर पर फ्लोर लेवल मिनिमम वेज तय करने तथा राज्य सरकारों को इसके बराबर या इससे अधिक न्यूनतम वेतन राज्यों में तय करने का अधिकार दिया गया है। इस कोड के तहत न्यूनतम वेतन में इजाफा प्रत्येक 5 साल में हो सकेगी। इससे पहले अधिसूचित रोजगार में कार्यरत मजदूर ही केवल न्यूनतम वेतन का हकदार होता था, अब इसमें बदलाव किया गया तथा कोई भी मजदूर जो 8 घंटे कहीं भी कार्य करेगा वह न्यूनतम वेतन पाने का हकदार होगा। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी 2020 के तहत गिग एवं प्लेटफार्म कर्मी के लिए पहली बार सोशल सिक्योरिटी का प्रावधान किया गया है। इसके तहत संस्थान के द्वारा किसी कर्मचारी हेतु निर्धारित राशि का कंट्रीब्यूशन ईएसआईसी में जमा नहीं करने के बराबर में ईएसआईसी अस्पताल द्वारा श्रमिक की बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में उसका इलाज नहीं किया जाता था। लेकिन इस नए कोड के तहत निर्धारित कंट्रीब्यूशन की राशि यदि संस्थान के द्वारा ईएसआईसी के पास जमा नहीं की जाती है, तो भी श्रमिक की बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में उसका संपूर्ण इलाज ईएसआईसी हॉस्पिटल के द्वारा किया जाएगा, जो यह इस कोड की अच्छाई है। हिमते ने कहा कि उपरोक्त कारणों से भारतीय मजदूर संघ ने उपरोक्त दो लेबर कोडों का स्वागत किया है।

मेकमाईट्रिप की मजबूत छलांग: राजस्व 25.6 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की अग्रणी ऑनलाइन यात्रा सेवा प्रदाता कंपनी मेकमाईट्रिप लिमिटेड का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में सकल राजस्व इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 20.29 करोड़ डॉलर के मुकाबले 25.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 24.55 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया।कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि वित्त वर्ष25 के दौरान कंपनी की सकल बुकिंग में स्थिर मुद्रा के आधार पर 30.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 2.55 अरब डॉलर तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 2.03 अरब डॉलर थी। इसी तरह राजस्व में भी 25.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 24.55 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया जबकि वित्त वर्ष 24 में 20.29 करोड़ डॉलर था। कंपनी का समायोजित परिचालन लाभ 37.9 प्रतिशत की तेज बढ़त के साथ 4.47 करोड़ डॉलर हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 3.24 करोड़ डॉलर था। चौथी तिमाही का कुल लाभ 2.92 करोड़ डॉलर रहा जबकि वित्त वर्ष24 की चौथी तिमाही में यह 17.19 करोड़ डॉलर था। मेकमाईट्रिप के ग्रुप मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश मागो ने कहा, इस वित्तीय वर्ष में हमने

रिकॉर्ड बुकिंग और राजस्व अर्जित किया है। यह हमारे ब्रांड की मजबूती, तकनीकी प्लेटफॉर्म की विश्वसनीयता और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय यात्रा की मांग में निरंतर वृद्धि को दर्शाता है। हम नए ग्राहक खंडों में निवेश कर रहे हैं और व्यक्तिगत अनुभवों के जरिए ग्राहकों को बार-बार जोड़ने में सफल हो रहे हैं।

भारत 6जी पेटेंट दाखिल करने वाले शीर्ष-6 देशों में शामिल, 5जी के मुकाबले 100 गुना तेज होगी स्पीड

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत 5जी के बाद अब 6जी तकनीक की दिशा में भी तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहा है।खास बात है कि भारत अब 6जी पेटेंट दाखिल करने वाले दुनिया के शीर्ष छह देशों में शामिल हो गया है।? केंद्रीय दूरसंचार राज्यमंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने बुधवार को कहा, भारत के पास प्रतिभाओं का विशाल भंडार और पर्याप्त समय है। 6जी में भारत के अग्रणी नहीं बनने का कोई कारण नजर नहीं आता है। भारत 6जी-2025 सम्मेलन में मंत्री ने कहा, 6जी टेराहर्ट्ज आवृत्ति बैंड का उपयोग करेगा, जिससे डाटा हासिल करने की दर एक टेराबिट प्रति सेकंड होगी।?यह रफ्तार 5जी की तुलना में 100 गुना तेज है। उन्होंने कहा, भारत में 111 से अधिक अनुसंधान परियोजनाओं को 300 करोड़ रुपये की मंजूरी राशि के साथ वित्तपोषित किया गया है। मंत्री ने कहा, भारत जैसे-जैसे वैश्विक प्रौद्योगिकी में अग्रणी बनने की दिशा में अपनी यात्रा जारी रखेगा, वैसे-वैसे 6जी प्रौद्योगिकी के साथ इसका आगे का कहा, 6जी पूरी तरह से नए उद्योगों का निर्माण करेगा और मौजूदा व्यवसायों में क्रांतिकारी बदलाव

रास्ता आने वाले दशकों के लिए देश की समृद्धि को परिभाषित करेगा। स्वदेशी 6जी का विकास यह सुनिश्चित करेगा कि हमारा संचार भारत में ही विकसित हो और पूरी तरह सुरक्षित रहे।

एक लाख करोड़ डॉलर बढ़ जाएगी अर्थव्यवस्था

केंद्रीय दूरसंचार राज्यमंत्री ने लाएगा। इस क्रांतिकारी परिवर्तन से 2035 तक देश की अर्थव्यवस्था में संभावित रूप से एक लाख करोड़ डॉलर का इजाफा होगा। उन्होंने आगे कहा, हमें एक ऐसे 6जी तंत्र का निर्माण करना है, जो भारत में बना हो और दुनिया भी इसका इस्तेमाल कर पाए।यह डिजाइन के मोर्चे पर पूरा सुरक्षित हो और प्रभाव में परिवर्तनकारी हो।

मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 182 अंक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। ।खुदरा और थोक महंगाई में नरमी से हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बावजूद शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 182.34 अंक यानी 0.22 फीसदी उछल कर 81,330.56 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 88.55 अंक यानी 0.36 फीसदी बढ़कर 24,666.90 के स्तर पर बंद हुआ। 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा मोटर्स, इटर्नल, टेक महिंद्रा, मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, इंडसइंड बैंक, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और भारती एयरटेल लाभ में रहीं। कारोबार के दौरान दूरसंचार कंपनी एयरटेल का शेयर एक फीसदी चढ़ा। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी और पावरग्रिड शामिल हैं।

एशिया के अन्य प्रमुख शेयर बाजारों में शामिल दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे, जबकि जापान के निक्की में नुकसान रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में ज्यादातर में दोपहर कारोबार में गिरावट का रुख रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.13 फीसदी की गिरावट के साथ 65.88 डॉलर प्रति बैरल रहा।उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले सेंसेक्स 1,281.68 अंक यानी 1.55 फीसदी टूटकर 81,148.22 पर बंद हुआ था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 346.35 अंक यानी 1.39 फीसदी फिसलकर 24,578.35 के स्तर पर बंद हुआ था।

गुरुग्राम के ट्रंप टावर में एक ही दिन में बिके सभी 298 फ्लैट

एजेंसी

गुरुग्राम। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गुरुग्राम में बनने वाले ट्रंप टावर में 298 फ्लैट लांच होने पर एक ही दिन में बिक गए। गुरुग्राम के सेक्टर-69 में ट्रंप टावर-2 बन रहा है। इस टावर में कुल 298 फ्लैट बनाए जाएंगें। मंगलवार की सुबह इन फ्लैट की ऑनलाइन बिक्री शुरू की गई और शाम होते होते सभी फ्लैट बिक गए। जिस तरह से लोगों ने ट्रंप टावर में फ्लैट खरीदने में दिलचस्पी दिखाई, उससे यह भी पता चला कि लोगों को ट्रंप टावर में प्रॉपर्टी खरीदने के लिए कितनी बेसब्री से इंतजार था। जैसे ही फ्लैट्स की बिक्री शुरू की गई, लोगों ने धड़ाधड़ बुकिंग शुरू कर दी। एक ही दिन में सभी 298 फ्लैट बिक गए। इनकी कीमत 3250 करोड़ बताई जा रही है। ट्रंप टावर अभी निर्माणाधीन है। काम पूरा नहीं हुआ है।वैसे तो गुरुग्राम में 200 करोड़ रुपये प्रति फ्लैट की बिक्री से इतिहास बन चुका है, लेकिन एक ही इसलिए लोगों की यहां फ्लैट खरीदने में इतना ज्यादा रुचि रही। एक ही दिन

दिन में किसी सोसायटी के इतने फ्लैट शायद पहली बार बिके हैं। माना जा रहा है कि लोगों ने इसे स्टेटस सिंबल के तौर पर भी देखा है कि वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कंपनी में प्रॉपर्टी ले रहे हैं। में इतना फ्लैट बिक जाना बड़ी कीर्तिमान माना जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की कंपनी के इन लग्जरी फ्लैट्स की कीमत आठ करोड़ से लेकर 15 करोड़ रुपए प्रति फ्लैट तक बताई जा रही है। फ्लैट का क्षेत्रफल 300 से 400 वर्ग गज है। यहां 125 करोड़ रुपये के पेंट हाउस भी बनाए जा रहे हैं। वर्तमान में भारत में ट्रम्प ब्रांड के पांच लग्जरी आवासीय परिसर हैं। ये मुंबई, पुणे, गुरुग्राम में दो और कोलकाता में हैं।

टावर-1 की पजेशन भी इसी महीने मिलने की संभावना

दल्ली-एनसीआर में ट्रंप टावर-1 की अभी तक पजेशन नहीं मिली है। वर्ष 2018 में इस प्रोजेक्ट के निर्माण का काम शुरू हुआ था। उसमें पूरे फ्लैट बिक चुके हैं। इसी महीने से उसमें पजेशन मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। स्मार्ट वर्ल्ड डेवलपर्स के संस्थापक पंकज बंसल ने मीडिया को जानकारी दी कि ट्रंप टावर के फ्लैट्स की इस तरह से बिक्री से यह साफ है कि भारत में वर्ल्ड क्लास रहन-सहन को प्राथमिकता दी जा रही है। लोग बड़े प्रोजेक्ट पर दिल खोलकर खर्च कर रहे हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे।तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर

जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.14 प्रतिशत गिरकर 63.58 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.17 प्रतिशत उतरकर 66.52 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

तुर्की और अजरबैजान की यात्राओं से भारतीयों का किनारा, रद्दीकरण में 250 प्रतिशत उछाल

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑनलाइन यात्रा सेवा प्रदाता कंपनी मेकमाईट्रिप ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद उत्पन्न हुए कूटनीतिक तनाव के बीच भारतीय यात्रियों के तुर्की और अजरबैजान की यात्रा से मुंह मोड़ने से इन देशों के लिए बुकिंग में 60 प्रतिशत की गिरावट और रद्दीकरण में 250 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। मेकमाईट्रिप के प्रवक्ता ने कहा, 'हम अपने देश के साथ खड़े हैं। अजरबैजान और तुर्की की अनावश्यक यात्राओं से बचने की सलाह दी जाती है।' कंपनी ने इन गंतव्यों के लिए सभी प्रचार और ऑफर भी बंद कर दिए हैं। इस रुख को भारतीय यात्रा उद्योग में व्यापक समर्थन मिल रहा है। यात्रा एजेंसी कॉक्स एंड किंग्स ने दोनों देशों के पैकेज निलंबित कर दिए हैं। वहीं, उद्योगपति हर्ष गोयनका ने भी इस बहिष्कार का समर्थन करते हुए कहा

ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएएआई) ने सामूहिक बहिष्कार का आह्वान करते हुए सभी एजेंसियों को इन देशों के पर्यटन को बढ़ावा न देने की सलाह दी है। कि भारतीय पर्यटक हर साल तुर्की और अजरबैजान की अर्थव्यवस्थाओं में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का योगदान करते हैं। उन्होंने कहा कि यह बहिष्कार एक मजबूत आर्थिक संदेश देगा। इस बीच तुर्की के पर्यटन विभाग ने भारतीयों से अपनी यात्रा योजनाएं रद्द न करने की अपील की, लेकिन यह अपील सोशल मीडिया पर 'भारतीय खून के पैसे नहीं देंगे' जैसे नारों के साथ व्यापक आलोचना का शिकार बनी। ध्यान देने वाली बात यह है कि हाल के महीनों में इन दोनों देशों में भारतीय पर्यटकों की संख्या में भारी बढ़ोतरी देखी गई थी। जनवरी से मई 2024 के बीच तुर्की में 34 प्रतिशत और अजरबैजान में 2.7 गुना वृद्धि हुई थी। लेकिन अब, भावनात्मक प्रतिक्रिया और देशभक्ति की भावना के चलते भारतीय यात्रियों ने स्पष्ट रुख अपनाया है, जिससे यात्रा उद्योग में एक बड़ा बदलाव देखा जा रहा है।

खाद्य तेलों में टिकाव; दालें महंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि मांग निकालने से दालें महंगी हो गई वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 105 रिंगिट उबलकर 3934 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.29 सेंट गिरकर 51.19 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और बनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और

गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टीके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में तेजी रही। इस दौरान चना 150 रुपये, दाल चना 150 रुपये, मसूर दाल 100 रुपये, मूंग दाल 200 रुपये, उड़द दाल 100 रुपये और अरहर दाल 150 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गई।

अनाज :अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

कनाडा की सरकार ने मध्यम वर्ग को दी बड़ी राहत, आयकर दर घटाई, जुलाई 2025 से ही मिलेगा फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। कनाडा की सरकार ने नई कैबिनेट के एलान के तुरंत बाद एक बड़ा फैसला किया है। दरअसल कनाडा की सरकार ने मध्यम वर्ग के लिए आयकर में कटौती करने का फैसला किया है। एलान के तहत सरकार ने आयकर की दर को 15 प्रतिशत से घटाकर 14 प्रतिशत कर दिया है और घटी हुई दर एक जुलाई 2025 से लागू हो जाएंगी। कनाडा सरकार के इस कदम से देश के करीब 2.2 करोड़ लोगों को फायदा मिलने की उम्मीद है। सरकार के अनुमान के मुताबिक दो आय वाले घरों को सालाना 840 अमेरिकी डॉलर की बचत हो सकती है। कनाडा के वित्त विभाग ने एक बयान जारी कर बताया कि सरकार के एजेंडे के तहत मध्यम वर्गीय लोगों को आयकर में राहत दी गई है। इस फैसले से कनाडा के मेहनतकश लोगों को फायदा मिलेगा और लोग अपनी जरूरत की चीजों पर ज्यादा खर्च कर सकेंगे। सरकार के फैसले से कनाडा के लोगों की अगले पांच वर्षों में 27 अरब डॉलर की टैक्स बचत हो सकती है।

कतर में मुकेश अंबानी की राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात; वैश्विक व्यापारिक जगत में इसकी खूब चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी ने कतर के दोहा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कतर के अमीर से मुलाकात की। ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद मुकेश अंबानी की उनसे यह दूसरी मुलाकात की है। इससे पहले जनवरी में मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। ट्रंप के साथ मुकेश अंबानी की मुलाकात की वैश्विक व्यापारिक जगत में खूब चर्चा है। यह हाई-प्रोफाइल मीटिंग वैश्विक व्यापार और कूटनीति में मुकेश अंबानी के बढ़ते प्रभाव को दिखाती है। गौरतलब है कि बीते कुछ सालों में कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (QIA) और वहां के सॉवरेन वेल्थ फंड ने रिलायंस वेंचर्स में काफी निवेश किया है। साथ ही मुकेश अंबानी ने गूगल और मेटा जैसी प्रमुख अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ भी मजबूत व्यापारिक संबंध बना रखे हैं। ऐसे में यह बैठक रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारी और निवेश संभावनाओं को और मजबूत करती है।

ट्रंप के टैरिफ लगने के बाद

रिलायंस के कारोबार पर पड़ा है असर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ निर्णय का मुकेश अंबानी के कारोबार पर असर पड़ा है। उनकी कंपनी रिलायंस ने पिछले साल वेनेजुएला से कच्चा तेल आयात फिर से शुरू करने के लिए अमेरिका से छूट हासिल की थी। लेकिन मार्च में ट्रंप द्वारा दक्षिण अमेरिकी देश से तेल खरीदने वाले देशों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद इसे रोकना पड़ा था।

ट्रंप के शपथ ग्रहण में शामिल हुए थे मुकेश और नीता अंबानी

जनवरी में मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। उन्होंने ट्रंप के साथ कैंडल लाइट डिनर में भी भाग लिया था। रात्रिभोज के दौरान दोनों ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा से भी मुलाकात की थी। भारतीय उद्योगपति मुकेश अंबानी के परिवार के ट्रंप के परिवार के साथ अच्छे संबंध हैं। 2017 में जब डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप ग्लोबल एंटरप्रेन्योरशिप समिट के लिए हैदराबाद आई तो अंबानी वहां मौजूद थे। फरवरी 2020 में जब ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में भारत आए थे तब भी अंबानी मौजूद थे।

अनंत-राधिका के प्री वेडिंग में भी आई थी इवांका

मार्च 2024 में गुजरात के जामनगर में मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और मंगेतर राधिका मर्चेंट के प्री वेडिंग समारोह में भी डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका, उनके पति जेरेड कुशनर और उनकी बड़ी बेटी अरेबेला रोज शामिल हुए थे। उन्होंने समारोह में पारंपरिक भारतीय परिधान पहनकर भाग लिया था। वे यहां तीन दिन तक रहे थे।

भारत में कहां से आया पीला तरबूज, सेहत को देता है गजब के फायदे

गर्मियों में तरबूज को काफी पसंद किया जाता है. ये फल शरीर को ठंडक देता है और पानी की कमी होने से बचाता है. लेकिन अब तो मार्केट में पीला तरबूज भी आ गया है, जो लोगों को काफी पसंद भी आ रहा है. चलिए जानते हैं कि ये पीला तरबूज भारत में कहां से आया है और शरीर को ये कौन-कौन से फायदे देता है.

गर्मियों का मौसम आते ही बाजार में तरह-तरह के रसीले फल दिखाई देने लगते हैं. इनमें से तरबूज एक ऐसा फल है जो न सिर्फ स्वाद में लाजवाब होता है, बल्कि शरीर को ठंडक देने के लिए भी बहुत फायदेमंद माना जाता है. जब हम 'तरबूज' शब्द सुनते हैं तो हमारे दिमाग में लाल रंग का मीठा और रसीला फल ही आता है. लेकिन क्या आपने कभी पीले रंग का तरबूज देखा या खाया है? जी हां, तरबूज का एक और रूप भी होता है. पीला तरबूज, जो धीरे-धीरे भारत में भी लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है. ये ऊपर से दिखने में लाल तरबूज जैसा ही होता है, लेकिन अंदर से इसका गूदा पीला होता है. स्वाद में भी ये काफी बढ़िया होता है.

हाल के वर्षों में भारत में कई किसान पीले तरबूज की खेती की ओर रुख कर रहे हैं, क्योंकि भारत में लोग इसे खूब पसंद कर रहे हैं. इसके अलावा, इसके हेल्थ बेनिफिट्स भी कमाल के हैं. ये न सिर्फ शरीर को हाइड्रेट रखता है, बल्कि कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है. चलिए जानते हैं पीला तरबूज भारत में कहां से आया, ये कैसे उगाया जाता है और सेहत के लिए ये कितनी फायदेमंद चीज है.

पीला तरबूज भारत में कहां से आया?

पीले तरबूज की शुरुआत मूल रूप से अफ्रीका से मानी जाती है. ये तरबूज की एक नेचुरल किस्म है, जो लाल तरबूज के मुकाबले पहले से ही अस्तित्व में थी. भारत में इसे कुछ वर्षों पहले ही आयात किया गया और अब ये देश के कुछ हिस्सों में उगाया जाने लगा है. महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में कुछ किसान इसे उगाकर बाजार में ला रहे हैं. इसकी खेती ज्यादातर रेगिस्तानी इलाकों में होती है, जिसकी वजह से डेजर्ट किंग भी कहा जाता है.

1. एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर

पीले तरबूज में बीटा-कैरोटीन (Beta-Carotene) नामक एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है, जो शरीर में जाकर विटामिन‹ में बदलता है. ये तत्व आंखों की रोशनी को बेहतर बनाने में मदद करता है और बढ़ती उम्र में आंखों को कमजोर होने से बचता है. साथ ही ये त्वचा को चमकदार और जवां बनाए रखने में मदद करता है, क्योंकि ये त्वचा की सेल्स की मरम्मत करता है और झुर्रियों को कम करता है.

2. शरीर को ठंडक और हाइड्रेशन दे

गर्मियों में शरीर का तापमान बढ़ने लगता है और पसीने के कारण शरीर से पानी की कमी हो जाती है. पीला तरबूज लगभग 90-92त्न पानी से भरा होता है, जिससे ये शरीर को ठंडा रखता है और डिहाइड्रेशन से बचाता है. ये खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो धूप में बाहर काम करते हैं या जिन्हें तेज गर्मी परेशान करती है.

3. पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है

पीले तरबूज में फाइबर की मात्रा अच्छी होती है, जो पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है.

यह अल्पविराम है, युद्ध तो होगा ही !

पहलगाम आतंकी घटना के बाद भारत के वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकी अड्डों को जिस तरह से नष्ट भ्रष्ट किया, विश्वभर में उसका कोई दूसरा उदाहरण सहसा ही स्मरण नहीं आता। आतंकी ठिकानों की विनाश और सैकड़ों आतंकियों के अर्थी एक साथ उठने से बौखलाए पाकिस्तान ने भारतीय शहरों, आम नागरिकों, पूजा स्थलों और सैन्य ठिकानों पर हमले करके जिस अदूरदर्शिता का परिचय दिया उसके बारे में क्या कहा ही कहा जाए।पाकिस्तानी सेना के हमलों के प्रत्युत्तर में जब वीर भारतीय सैनिकों ने अपने हथियारों का रुख पाकिस्तान की ओर मोड़ा तो तीन ही दिन में पाकिस्तान दया की भिक्षा मांगने लगा। दुनिया में श्रेष्ठ सैनिकों में शामिल भारतीय सैनिकों ने जिस तरह पाकिस्तान के हमलों को कुशलता पूर्वक असफल किया और उसके सैन्य ठिकानों पर अचूक निशाना लगाया है, उससे विश्व की तमाम छोटी–बड़ी शक्तियां अवाक और संज्ञाशून्य की स्थिति में है। दोनों देशों के डीजीएमओ की बातचीत के बाद मौखिक संघर्ष विराम हो चुका है। पाकिस्तान की प्रवृति, चरित्र और इतिहास के आलोक में एक बात स्पष्ट तौर पर जान लीजिए, या गांठ बांध लीजिए, आज नहीं तो कल युद्ध तो होना ही है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 मिनट के अपने सटीक, संतुलित और सारगर्भित संबोधन में पाकिस्तान के दुष्ट आचरण और दुष्प्रवृति को समस्त विश्व के समक्ष निरावृत करने में कोई कसर शेष नहीं छोड़ी। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से साहसी भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तान को जितनी गहरे घाव दिये हैं, वो उसकी आने वाली संततियों को भी विस्मृत नहीं होंगे। वर्ष 1948, 1965, 1971 और 1999 में पाकिस्तान से हुए युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को इतनी बुरी तरह से नहीं पीटा, जितना ऑपरेशन सिंदूर में उसको क्षति पहुंची है। जितने गहरे घाव उसे इस बार वीर भारतीय सैनिकों ने दिये हैं, वो अगर पूर्व में दिये गये होते तो यह दिन देखने की आवश्यकता नहीं होती। एक दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव में पाकिस्तान हर बार बचता रहा। और हमारे सैनिक चाहकर भी पाकिस्तान को छोड़ते रहे। लेकिन वर्तमान में पीएम मोदी की सरकार ने जिस दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिया है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए वो कम ही है।

साहसी भारतीय सेना के हमलों से हो रहे प्रत्यक्ष और संभावित नुकसान के दृष्टिगत पाकिस्तान अपने आका अमेरिका की शरण में गया, लेकिन उसे वहां से भी कोई संतोषप्रद आश्वासन प्राप्त नहीं हुआ। अंततोगत्वा पाकिस्तान के मिलट्री ऑपरेशन के डीजी ने अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क साधा। भारतीय सेना ने अपने संकल्पों, नियमों और इच्छा अनुकूल संघर्ष विराम की उद्घोषणा की। संघर्ष विराम का क्रेडिट लेने का भरपूर प्रयास अमेरिका और उसके राष्ट्रपति ट्रम्प ने किया। लेकिन भारतीय सेना की ब्रीफिंग और पीएम मोदी के संबोधन ने अमेरिका के सारे दावों की वायु निकाल दी।एक प्रसिद्ध कहावत है, चोर चोरी से जाए, हेरा फेरी से न जाए। और पाकिस्तान ही वह चोर है, जो हेरा फेरी से बाज नहीं आएगा। संघर्ष विराम की घोषणा के बाद भी उसके आचरण में अधिक परिवर्तन देखने को नहीं मिला। इसलिए भारत सरकार और पीएम मोदी ने स्पष्ट संदेश पाकिस्तान को दिया है कि भविष्य में आतंक की घटना को युद्ध माना जाएगा।पाकिस्तान अपने चरित्र के अनुरूप आचरण करेगा, यह मेरा ही नहीं, हर जागरूक नागरिक का अटल विश्वास है। भारतीय नीति और विचार यह है कि हमारे लिए आतंकवाद समाप्त हो जाए तो हमारा संघर्ष और युद्ध समाप्त हो जाएगा। उसे हम अपनी जीत मान लेंगे। लेकिन पाकिस्तान के लिए यह लड़ाई कभी समाप्त नहीं होगी क्योंकि उसका वास्तविक लक्ष्य है

भारत को मिट्टी में मिलाना है। उसका जन्म ही भारत से घृणा के आधार पर हुआ है। जब तक भारत है, तब तक पाकिस्तान की लड़ाई है। तो भारत का होना, भारत की उपस्थिति, भारत का अस्तित्व ये पाकिस्तान के लिए जोखिम है। वो इसी जोखिम को समाप्त करने का प्रयास करता रहता है।

भारत को मिट्टी में मिलाने के पाकिस्तान ने पहले युद्ध के माध्यम से प्रयास किए। जब उसने यह देखा कि युद्ध में हानि अधिक है, और वह अपने लक्ष्यों का प्राप्त नहीं कर पा रहा है तो उसने छद्म युद्ध शुरू किया। इस छद्म युद्ध के अंतर्गत आतंकवादियों का संरक्षण, प्रशिक्षण देकर भारत में अशांति फैलाने की नीति पर चलना शुरू किया। इसमें कोई बड़ा खर्च भी नहीं है। शस्त्र क्रय करने के लिए उसे धन अमेरिका, यूरोप, तुर्की और चीन दे ही देते हैं। अफगान युद्ध का उसने खूब लाभ उठाया। अमेरिका से उसने पैसा भी लिया, हथियार भी लिए। पहले रूस से लड़ने के लिए, फिर अफगानिस्तान से लड़ने के लिए। अमेरिका को भी धोखा देता रहा। ओसामा बिन लादेन को अपने यहां छुपा कर रखा और अमेरिका को पता नहीं लगने दिया। आखिरकार अमेरिका ने खोज लिया और खोज कर मारा।इसमें कोई दो राय नहीं है कि पाकिस्तान किसी को भी धोखा दे सकता है। और भारत को तो हमेशा धोखा ही देगा। पाकिस्तान की एक बात पर हमेशा विश्वास करना चाहिए कि उस पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। वो हमेशा दगा देखा, हमेशा धोखा देगा। इसलिए वो चाहे कोई भी वायदा करे तब भी उस पर भरोसा नहीं करना चाहिए कि वो भविष्य में आतंकवाद का साथ नहीं देगा। वो सिर्फ अवसर की प्रतीक्षा करेगा।

वर्तमान में जो स्थितियां वहां भारत के हमले के बाद उपजी हैं, उसके चलते पाकिस्तान की सेना और सरकार आमजन में अपनी छवि और साख को बनाए रखने के लिए भारत को नुकसान पहुंचाने में पीछे नहीं हटेगा। ये बात गांठ बांध लीजिए। ये संघर्ष विराम उसे इसीलिए चाहिए था, सांस लेने का अवसर। जो घाव भारतीय सेना ने उसे दिये है, उन पर मरहम पट्टी का अवसर चाहिए था। उसे फिर से तैयारी का अवसर चाहिए था। फिर से आतंकवादी गतिविधियों की रणनीति बनाने का समय और मौका चाहिए था। उसे तीन वस्तुओं की आवश्यकता थी। समय, पैसा और हथियार। और उसको ये तीनों चीजें संघर्ष विराम ही दिला सकता था। और उसे संघर्ष विराम मिल चुका है।विश्व में पाकिस्तान की ही नहीं, अमेरिका की छवि धोखेबाज देश की है। विश्व भर में उसकी धोखेबाजी के किस्सों की लंबी सूची है। और जहां तक बात भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की है। जब भी दोनों देशों के बीच तनाव होगा, संघर्ष होगा, अमेरिका का झुकाव पाकिस्तान की ओर होगा। अमेरिका को भारत की जरूरत है, चीन पर नियंत्रण के लिए। जब तक ये जरूरत नहीं थी तब तक अमेरिका भारत का विरोध ही करता रहा। मेरा मानना है कि संघर्ष विराम की घोषणा करके भारत अपनी शराफत में मारा गया। भारत अमेरिका पर जरूरत से ज्यादा विश्वास के कारण मारा गया।

यह बात जान लीजिए कि संघर्ष विराम के लिए पाकिस्तान की आतुरता का मुख्य कारण यह था कि उसे लगा कि पहले अपने अस्तित्व को बचाना आवश्यक है। वो उस नीति पर चल रहा था कि बचेंगे, तो भविष्य में लड़ेंगे। तो उसने अपना बचाव कर लिया है। और वह भविष्य में लड़ेगा यह मान कर चलिए। निकट समय में ही आपको किसी ने किसी आतंकवादी घटना का दुखद समाचार सुनने, देखने और पढ़ने को मिलेगा। पाकिस्तान रुकने वाला नहीं है। वास्तव में जिस दिन पाकिस्तान आतंकवाद रोक देगा, उसके अस्तित्व का औचित्य ही समाप्त हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हमारे सैन्य बल पाकिस्तान के चरित्र से परिचित हैं। इसलिए राष्ट के नाम अपने संबोधन में पीएम मोदी ने तमाम अहम बातों के अलावा यह भी स्पष्ट कर दिया की ऑपरेशन सिंदूर अभी स्थगित ही हुआ है। अर्थात् यह कि आतंक के विरुद्ध भारत का एक्शन जारी रहेगा।

संपादकीय

दो दिन में दो भाषण, फिर भी कुछ साफ नहीं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को रात आठ बजे राष्ट्र को संबोधित किया। वीर रस से सराबोर इस संबोधन में कई ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर नए सवाल खड़े हो गए। इन सवालों को विपक्ष ने पूछना शुरु किया ही था कि मंगलवार को सुबह पहले नरेन्द्र मोदी अचानक पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंच गए और फिर दोपहर तक उनका एक और वीर रस में पगा हुआ भाषण सामने आ गया। शनिवार रात शाहबाज शरीफ ने भी इसी तरह का भाषण पाकिस्तान के लोगों को सुनाया था। इन भाषणों को सुनकर न जाने क्यों चाबी वाले खिलौनों का ख्याल आता है, जिसमें चाबी भर दो तो वह तब तक चलता रहता है, जब तक चाबी पूरी तरह से उल्टी न घूम जाए। चाबी भरने वाले हाथ दिखाई नहीं देते, केवल खिलौने चलते दिखते हैं।खैर..मंगलवार सैनिकों के बीच पहुंचकर श्री मोदी ने अच्छा ही किया। जो लोग जान हथेली पर लेकर देश की रक्षा करते हैं, उनका हौसला बढ़ाने के लिए जो किया जाए, सो कम है। आदमपुर एयरबेस से जो तस्वीरें सामने आई, उनमें अनकहा संदेश भी पाकिस्तान के लिए था। इनमें मोदी के साथ पार्श्व में मिग-29 और एस-400 भी दिखाई दिए। जबकि पाकिस्तान का दावा था कि उसने आदमपुर में एस-400 वायुरक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया है। यहां सैनिकों को संबोधित करते हुए भी श्री मोदी ने पाकिस्तान को कहा कि निर्दोषों का खून बहाने का एक ही अंजाम है, महाविनाश। अभी सैन्य कार्रवाई सिर्फ स्थगित की है, फिर से दुस्साहस किया तो मुंहतोड़ जवाब देंगे। कुछ ऐसी ही बात सोमवार के संबोधन में भी थी।तब श्री मोदी ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत का सैन्य ऑपरेशन अभी सिफ़र्'स्थगित हुआ है. आने वाले दिनों में पाकिस्तान के हर कदम को इस कसौटी पर मापा जाएगा कि वो क्या रवैया अपनाता है। अब सवाल उठता है कि अगर अब भी वार-प्रतिवार की आशंका है, तो फिर युद्धविराम की बात कहां से आई, क्यों श्री मोदी इसका खुलकर खंडन नहीं कर रहे। क्या ये समय शाब्दिक जाल फैलाने का है कि सैन्य आपरेशन अभी स्थगित हुआ है। इसका क्या मतलब है, प्रधानमंत्री साफ-साफ बतलाएं कि अभी हम युद्ध में हैं या नहीं हैं। हम पाकिस्तान के अगले कदम या उसके दुस्साहस का इंतजार क्यों कर रहे हैं। क्या पहलगाम के बाद भी हमारे जो जवान शहीद हुए, बेकसूर नागरिक मारे गए, उनकी जान की कोई कीमत नहीं है। अगर पाकिस्तान की तरफ से भी युद्धविराम की घोषणा के बाद हमारे सीमांत इलाकों में ड्रोन मंडराते हुए देखे गए हैं, तो क्या इसे पाकिस्तान का दुस्साहस ही नहीं समझा जाना चाहिए।

इस संकट की घड़ी में भी अगर प्रधानमंत्री साफगोई से सारी बातें नहीं करेंगे, तो फिर कब करेंगे।जब नोटबंदी या लॉकडाउन का ऐलान किया गया था, तब भी कई गोल-मोल बातें और दावे सरकार ने किए थे। उन पर भी विपक्ष ने सवाल उठाए लेकिन किसी का जवाब देना जरूरी नहीं समझा गया। चलिए वो देश के आंतरिक मामले थे और जनता ने कुछ अच्छा होने की उम्मीद में तब के कष्टों को सहन कर लिया। लेकिन इस बार तो आम जनता की सुरक्षा और देश की प्रतिष्ठा दोनों दांव पर लगी है।अमेरिका के राष्ट्रपति भारत के संदर्भ में मनमाने बयान दे रहे हैं। युद्ध विराम के ऐलान के बाद नए ब में डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि दोनों देशों ने अमेरि के साथ व्यापार की वजह से ये संघर्ष विराम किया पाकिस्तान अपनी जाने कि उसने किस दबाव में स विराम मंजूर किया, लेकिन भारत इसके लिए राजी हुआ, ये बात नरेन्द्र मोदी को अपने संबोधन में ब चाहिए थी।

क्या ट्रंप अब भारत के आधिकारिक प्रवक्ता हो हैं कि वो जो बयान देंगे, दुनिया उसे भारत का ब मानेगी, क्योंकि ट्रंप की किसी बात को अब तक श्री म ने या उनकी सरकार ने खारिज नहीं किया है।सोमवार अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने एक गंभीर बात व कि %भारत किसी भी परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त करेगा। परमाणु ब्लैकमेल के तहत चलने वाले आत ढांचे भारत के निशाने पर होंगे।ष ध्यान रहे कि ब्लैक एक गंभीर शब्द और बड़ा आरोप है, खासकर अंतररा संबंधों में। श्री मोदी क्या यह कहने की कोशिश कर हैं .

युद्धकाल में सेना व सरकार के शौर्य और रणनीति पर सवाल उचित नहीं

पूरी दुनिया यह अच्छे से जानती है कि इस्लामिक देश पाकिस्तान आतंक व आतंकियों को पालता-पोसता है और उनके नापाक मंसूबों को पूरा करने में सहयोग देता है। फिर भी दुनिया के ताकतवर देश पाकिस्तानी उर्फ आतंकिस्तान के द्वारा पनाह दिये गये आतंकियों से पीड़ित होने के बाद भी उसको आतंकी देश तक घोषित नहीं करते हैं। वहीं पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में सुरक्षित जगहों पर पनाह लिए हुए मानवता के सबसे बड़े दुश्मन आतंकवादियों के ख़िलाफ़ लड़ाई में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिले उनके खात्मे के लक्ष्य को लेकर के मां भारती के वीर जांबाज सपूतों ने 6-7 मई 2025 की रात को जान हथेली पर रखकर के 1 बजकर 4 मिनट ऑपरेशन सिंदूर शुरू कर दिया था। जिस ऑपरेशन के अंतर्गत पीओके व पाकिस्तान में घुसकर के आतंकियों के 9 महत्वपूर्ण लक्षित ठिकानों पर सेना के वीर योद्धाओं ने एयर स्ट्राइक की थी। पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों पर एयर स्ट्राइक करने की खबर सुनते ही पूरी दुनिया भौंचक्का रह गई थी। एयर स्ट्राइक के बाद आतंकियों के आका पाकिस्तान ने भारत के शहरों, सैन्य ठिकानों, स्कूल, कॉलेज, गुरुद्वारा, मंदिर, अस्पताल आदि को गोलीबारी, बमबारी, ड्रोन, मिसाइल आदि से निशाना बनाना शुरू कर दिया था। लेकिन जब कुछ समय के बाद ही भारतीय वीरों ने पाक के इस दुस्साहस का जवाब बहुत जबरदस्त ढंग से धरातल पर देना शुरू कर दिया, तो उससे पाक के विभिन्न शहरों में भारी जान-माल का नुक़सान होना शुरू हो गया था, जिसे देखकर के पाकिस्तान की सेना व बड़बोले हुक्मरानों के पैरों तले से जमीन खिसकने लग गई थी, वह भारत के साथ-साथ दुनिया भर के देशों से अपनी जान बचाने के लिए मदद करने की गुहार लगाने लग गया था।

हालांकि भारत के हुक्मरानों ने भी दो टूक शब्दों यह स्पष्ट कर दिया था कि भारत हमेशा शांति का पक्षधर रहा हैं, लेकिन शांति की बातों का चोला ओढ़कर के भारत में आतंकवाद फैलाने का का काम अब एक साथ नहीं चल सकता है, अब तो पाकिस्तान के द्वारा भारत में प्रायोजित आतंकी घटना भारत के ख़िलाफ़ पाक के द्वारा युद्ध माना जायेगा और भारत पाकिस्तान को गोली का जवाब अब गोले से देने का कार्य करेगा। जिससे भयभीत होकर पाक ने 10 मई की दोपहर को भारत के डीजीएमओ से फोन पर सीज़फायर करने के लिए बात की, जिसके चलते ही 10 मई की शाम को दोनों देशों के बीच सीज़फायर की घोषणा हो गयी। लेकिन सीज़फायर की घोषणा होती ही जो राजनीतिक दल पाकिस्तान के ख़िलाफ़ हर तरह की छोटी-बड़ी कार्रवाई में भारत सरकार

के साथ एकजुट होकर खड़े हुए थे, उसमें से कुछ दलों के चंद राजनेताओं ने अब क्षणिक राजनैतिक लाभ हासिल करने के लिए सेना व मोदी सरकार के शौर्य और रणनीति पर प्रश्नचिन्ह लगाना शुरू कर दिया। जबकि सरकार ने नपे-तुले शब्दों में ही सीज़फायर करने की घोषणा करते समय ही दुनिया से स्पष्ट कर दिया था कि भारत युद्ध का पक्षधर नहीं है लेकिन आतंक व आतंकियों के ख़िलाफ़ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति सख्ती के साथ जारी रहेगी, आतंकवादियों के आकाओं को अब बख्शा नहीं जायेगा। लेकिन फिर भी क्षणिक स्वार्थ व ओछी राजनीति के चलते हुए ही युद्धकाल के दौर में ही चंद लोगों व राजनेताओं के द्वारा सेना व सरकार के शौर्य और रणनीति पर सवाल खड़े करने शुरू करने की साज़िश देश में बहुत ही तेज़ी से होने लगी है। वैसे देखा जाए तो यह वही चंद लोग हैं जो जंग के समय भी सोशल मीडिया के ताकतवर प्लेटफार्म पर देश के दुश्मनों के साथ खुलकर खड़े थे और यह गैंग भारतीय सेना की कार्रवाई पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए पाकिस्तान को लाभ देने वाली पोस्ट तक सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर करने में लगे हुए थे, जो कि देशहित में बिल्कुल भी उचित नहीं है। हालांकि 7 मई 2025 की सुबह भारत सरकार की प्रेस ब्रीफिंग से जब दुनिया को यह पता चला कि भारत की वीर सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर के पहलगाम की ÷बैसरन घाटी÷ में हुए आतंकी हमले का बदला पाक में एयर स्ट्राइक करके ले लिया है, जिसमें सैकड़ों की संख्या में पाक के दुर्दांत आतंकियों के साथ-साथ आतंकियों के ट्रैनिंग सेंटर व लांच पैड तक तबाह हो गये हैं, तो उस वक्त सब भारत की वीरता को देख आश्चर्य चकित थे। भारत के हमलें में भारी नुक़सान उठाने के बाद से पाक के षड्यंत्रकारी हुक्मरान बुरी तरह से तिलमिला उठे हैं, जिसके चलते ही उन्होंने भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में सीज़फायर का उल्लघंन करते हुए भारी गोलीबारी करनी शुरू कर दी थी, जिसमें हमारे कुछ वीर योद्धा व आम नागरिक भी शहीद हुए। रात में पाकिस्तान ने भारत में बहुत सारी जगहों पर ड्रोन व मिसाइल से हमला करके एक तरह से भारत के ख़िलाफ़ एक अघोषित युद्ध की शुरुआत कर दी थी। हालांकि इन हमलों को हमारे वीर योद्धाओं ने विफल करते हुए पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई करके उसको मुंहतोड़ जवाब देना शुरू कर दिया था, जिससे पाकिस्तान के अंदर से जान-माल के बहुत बड़े नुक़सान की खबरें अब बाहर आने लग गयी थी। जिससे आम लोगों की नज़रों में सेना के मां भारती के वीर सपूतों के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भी वॉर नायक के रूप में छवि बन रही थी, जिस देखकर के मोदी विरोध में अंधे गैंग ने भारत के वीर योद्धाओं व सरकार पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए, सोशल मीडिया पर हैसटैग चला कर तत्काल भारत पाकिस्तान के इस अघोषित युद्ध को रोकने की मांग तक कर डाली थी।

लेकिन मोदी सरकार ने सेना के वीर योद्धाओं पर पूरा भरोसा जताया। जिसके चलते ही भारत ने पाकिस्तान के ख़िलाफ़ ÷छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं घर में घुसकर मारेंगे÷ की रणनीति पर तेज़ी के साथ युद्ध के मैदान में कार्य करना शुरू कर दिया था। सेना के वीरों ने पाकिस्तान के बड़े महत्वपूर्ण शहरों, सैन्य एयरबेस, सैन्य ठिकानों में लक्षित स्थलों को तय रणनीति के साथ ध्वस्त करने का कार्य बखूबी किया था। जिसे देखकर के भारत के बहुत सारे देशभक्त आम लोगों को लगता था कि अगले चंद दिनों में पीओके भारत के पास वापस आ जायेगा और आतंकियों के आका पाकिस्तान के टुकड़े-टुकड़े होकर के नक्शे से उस देश का हमेशा के लिए वजूद मिट ही जायेगा। लेकिन 10 मई 2025 को कूटनीति के चलते भारत को भी सीज़फायर के लिए अपने द्वारा तय की गयी शर्तों पर सहमति देनी पड़ी थी, जिसने भारत के करोड़ों देशभक्तों के पाक के टुकड़े करने के सपनों पर पानी फेर दिया था। जिससे कुछ लोगों में मोदी सरकार के प्रति आक्रोश उत्पन्न अवश्य हुआ है, क्योंकि पाक की धोखा देने की नीति व वर्ष 1947, 1965, 1971 व 1999 के सीज़फायर का हश्र आज भी इन लोगों को आज भी याद है, उनका यह मानना है कि पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आयेगा, हालांकि इसकी इसकी एक बानगी तो 10 मई व 12 मई की रात को पाकिस्तान सीज़फायर का उल्लघंन करके दुनिया को दिखा भी चुका है। जिसे देखकर के मोदी विरोध में अंधा गैंग एकबार फिर से तेज़ी से सक्रिय हुआ और इन कुछ लोगों व कुछ राजनेताओं ने एकबार फिर से अपनी क्षणिक राजनीति के लिए सेना व सरकार के शौर्य और रणनीति पर सवाल उठा कर के नरेन्द्र मोदी सरकार की नीति व नीयत पर प्रश्नचिन्ह लगाने शुरू कर दिया है। यह लोग मोदी विरोध में इतने अंधे हो गये हैं कि इन लोगों को मोदी विरोध व देश विरोध का अंतर तक भी अब तो स्पष्ट रूप से नज़र नहीं आता है। हालांकि इन लोगों को समय रहते ही यह समझना चाहिए की मोदी विरोध के लिए युद्धकाल का समय चुन कर के वह भारत के सबसे बड़े दुश्मन पाकिस्तान का ही सहयोग कर रहे हैं। उन्हें यह भी समझ जाना चाहिए कि अब युद्ध वर्ष 1947, 1965, 1971 व 1999 की तरह केवल जंग के मैदान में ही वीरता, बुद्धिमत्ता के साथ नहीं लड़ा जाता है, बल्कि अब तो युद्ध जंग के मैदान के साथ-साथ कूटनीतिक, व्यापार, आईटी, टेक्नोलॉजी आदि के मोर्चे पर भी पूरी वीरता व बुद्धिमत्ता के साथ लड़ा जाता है, देशहित में हर मोर्चे का इजराइल की तरह एकजुट होकर के बारीकी से निरंतर आंकलन करना होता है, तब ही मैदान-ए-जंग में विजय प्राप्त होती है।

चील को मिला चकमा

बहुत दिन हुए एक सीधा-सादा, नाटा और बदसूरत देहाती रहता था। उसका नाम था- हाजी बग़लोल। उसकी अजीब-सी बकरे जैसी दाढ़ी थी, जिसकी वजह से वह बिल्कुल बकरे जैसा ही दिखता था। उसने अपनी सारी ज़िन्दगी गांव में ही बिताई थी।

एक बार वह अपनी मौसी के घर दूसरे गांव गया। उसकी मौसी ने उसे कलेजी खाने को दी, जो उसे बहुत स्वादिष्ट लगी। उसने अपनी मौसी से कलेजी बनाने की विधि पूछी। मौसी ने विधि एक कागज़ पर लिखकर हाजी को दे दी।

हाजी बगलोल ने कागज को बहुत सम्भालकर अपनी जेब में रख लिया। रास्ते में उसने एक किलो कलेजी खरीदी और उसे पॉलीथिन में डालकर हाथ में लिए अपने गांव की तरफ जा रहा था कि एक चील ने वह पॉलीथिन देख लिया। बेसब्र चील ने ाेर से झपटा मारा और कलेजी को लेकर उड़ गई।

पहले तो इस आकस्मिक हमले से हाजी बग़लोल घबरा गए। जब उसने चील को ऊपर उड़ते देखा, तो ठहाका लगाकर हंस पड़ा। जिन लोगों ने यह पूरा वाकया देखा था, वे हैरान थे। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि गुस्सा करने के बजाए हाजी ठहाका मारकर हंस क्यों रहा है। मानो कोई बहुत खुशी की बात हो।

'एक तो चील तुम्हारे हाथ से कलेजी ले उड़ी, उस पर तुम हंस रहे हो। ऐसी क्या बात हो गई भाई?' एक आदमी ने पूछा। उसने खुशी-खुशी कहा,'मैं तो उस चील की बेवकूफी पर हंस रहा हूं। बेचारी चील कलेजी तो छीन ले गई। उसको बनाने की विधि जो मौसी ने लिखकर दी थी, वह तो मेरी जेब में ही रह गई। अब वह चील कलेजी का करेगी क्या?

बच्चों को बिगाड़ रहे हैं मोबाइल फोन

आज मोबाइल फोन हमारी जरूरत बन गए हैं। हाल ही में हुए एक अध्ययन से यह बात सामने आई है कि मोबाइल फोन से 8 साल के बच्चों की पहुंच अश्लील सामग्री तक हो रही है। यह अध्ययन से 15 साल के एक हजार बच्चों पर बेस्ड है। इसमें यह पाया गया कि इनमें से आधे बच्चों के पास आईफोन जैसे स्मार्टफोन थे। ज्यादातर बच्चों ने कहा कि ये फोन उन्हें उनके माता पिता ने दिए हैं।

ये बच्चे इन मोबाइलों का इस्तेमाल हिंसक और पॉर्न कंटेंट देखने में करते हैं। इससे पता चलता है कि ब्रिटेन के 12 लाख बच्चे मोबाइलों पर गलत सामग्री देखते हैं। कारफोन वेयरहाउस के सर्वे के मुताबिक दस में से करीब 9 बच्चों के मोबाइल पर सिक्योरिटी सेटिंग नहीं थी और 46 पर्सेंट इस बात से अंजान थे कि मोबाइल में सिक्योरिटी सेटिंग होना जरूरी है। इनमें 27 प्रतिशत बच्चों ने बताया कि उन्हें अनवॉन्टेड कॉल्स और मेसेज रिसीव होते हैं। चाइल्ड साइकॉलोजिस्ट प्रफेसर तान्या बायरॉन जो कि यूके सरकार को चाइल्ड इंटरनेट सेफ्टी लागू करने की सलाह दे चुके हैं, उनके मुताबिक इंटरनेट के जमाने में इस स्टडी से मुझे कोई हैरानी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि अगर आपके बच्चे मोबाइल फोन यूज करते हैं, जिनमें इंटरनेट एक्सेस होता है तो आपको संभलने की जरूरत है।

कहां से आया फलों का राजा आम

आम को इसकी मिठास तथा गुणों के कारण भारत में फलों का राजा कहा जाता है। आपको यह जानकर भी आश्चर्य होगा कि पूरे विश्व में आम भारत से ही गया है। डी कन्डोले के अनुसार भारत में चार हजार वर्षों से भी पहले से इसकी खेती हो रही थी। फाहियान और ह्वेनसांग का भी मत है कि यह फल राजा आम्रधारिका ने गौतम बुद्ध को भेंट किया था।

कहा जाता है कि अपनी विश्वविजय के दौरान सिकंदर को इसका स्वाद इतना भाया कि वह आम की कलमें अपने साथ यूरोप ले गया। मुगल बादशाह बाबर तो आम का इतना दीवाना था कि उसने अपना ताज उतारकर आम के ऊपर रख दिया था, ताकि कोई अन्य इसका स्वाद न ले सके। सांची तथा भरहुत के स्तम्भों और अजन्ता के भित्तिचित्रों में भी आम का चित्रण पाया गया है। अमीर खुसरो ने भी आम को 'फल सम्राट' की उपाधि दी थी।

आपने आम की लंगड़ा, दशहरी, सफेदा आदि किस्मों के बारे में अवश्य सुना होगा। आम की यह किस्में संसारभर में मशहूर हैं। शरबती, कलमी, तोतापरी, नीलम, जाफरानी, चौसा, मल्लिका, केसर, फजली, लड्डू पसेरा, माल्टा, अलफान्सो आदि आम की कुछ अन्य बेहतरीन किस्में हैं।

आम के इन विभिन्न नामों के पीछे का इतिहास भी कोई कम दिलचस्प नहीं है। लंगड़े आम के बारे में कहा गया है कि यह आम बनारस में विकसित हुआ है। वहां के एक विश्व मंदिर में एक लंगड़े साधु के पास आम के दो छोटे पौधे थे, जिनकी कलमें जंगल से उड़कर उसके पास आ गई थीं। साधु ने इन्हें बो दिया तथा जी-जान से उनकी देखभाल करने लगा।

कुछ वर्षों के पश्चात जब इन वृक्षों पर आम के फल लगे, तब साधु ने इन्हें शिव की मूर्ति पर चढ़ा दिया। कुछ समय के बाद उसने इन वृक्षों का कार्यभार पुजारी को सौंप दिया। पुजारी किसी को इनकी कलम न देता, पर प्रसाद के रूप में आम को भक्तजनों में बांट देता। भक्तजन इन रसीले आमों को खाकर तृप्ति का अनुभव करते।

धीरे-धीरे इन आमों के अनूठे स्वाद की चर्चा काशी नरेश तक पहुंची। काशी नरेश स्वयं मंदिर पधारे। शिव की पूजा करके उन्होंने पुजारी से कलम मांगी। पुजारी ने उन्हें कलम दे दी। जिससे आम के पौधे बने। यह आम फैलता चला गया और लंगड़ा आम कहलाया।

इसी तरह दशहरी आम का नाम लखनऊ के दशहरी गांव पर पड़ा है। मलीहाबादी आम का नामकरण भी मलीहाबाद नगर से हुआ है। दशहरी आम बादशाह कुतुबदीन ऐबक के शासनकाल में विकसित हुआ।

आम की कई किस्में काफी अनोखी हैं। 'शरीफा' आम दूर से सचमुच शरीफा दिखता है। 'अंगूरा' आम पेड़ पर अंगूर के गुच्छे जैसे आकार में लगते हैं। 'करेला' आम का रूप-रंग करेले जैसा होता है। 'चितला' आम छिलके से ही हरा-सफेद नहीं होता। उसे काटने पर भीतरी गूदा भी हरा-सफेद होता है। 'नीमचढ़ा' का स्वाद कुछ-कुछ कड़वा होने के कारण ही इसका यह नाम पड़ा है। 'लैला-मजनूं' नामक किस्म की खासियत यह है कि लैला तथा मजनूं नामक आम के दो पेड़ साथ-साथ लगे होने पर ही फल देते हैं, अन्यथा नहीं।

'गुलदाना' खट्टा है तो 'छोटा जहांगीर' वाकई छोटा और बेहद मीठा है।

'ऐग मैंगो' बिल्कुल अंडे जैसा लगता है। 'दानापुरी कक्डन' की खासियत है कि यह अपने वृक्ष पर केवल एक ही पैदा होता है। महाराष्ट्र के 'कोंकण कृषि विद्यापीठ' में भारतीय कृषि अनुसंधान के वैज्ञानिकों ने बिना गुठली का नाम विकसित करने में सफलता प्राप्त की है। इस आम को 'सिन्धु' नाम दिया गया है।

इसके अलावा गोपाल भोग, इब्राहिम, कश्मीर, जुलेखां, हिटलर, जालिम अंडा, कक्कडी, कंचन, अर्जुन, महबूबा, वेलियन, नवाब गुड़, बीरबल, महाराज, बादशाह, चांद बीबी, हिटलर, केडी, हुस्नेआरा, लता, मोहन भोग, कालापानी, कोबरा, जेलर, फजरी जैसे आम अपनी बेमिसाल रूप-रंगत, निराले स्वाद के अलावा अपने नाम से भी लाजवाब कर देते हैं। भारत में आम की लगभग एक हजार किस्में पाई जाती हैं।

कितने सारे टीचर्स!!!

प्रकृति में पेड़-पौधे, सूरज, हवा, हिमकण और सितारे सब शामिल हैं। इनका वजूद हम सबके अस्तित्व के लिए बहुत जरूरी है। इस बात से तो आप भी इत्तेफाक रखते ही होंगे। अब आप सोच रहे होंगे, ये तो हमें मालूम है, तो फिर क्यों बताया जा रहा है। पर दोस्तो, क्या आपने अपने आस-पास मौजूद इन तत्वों से कुछ सीखने की कोशिश की है। क्या?..ये क्या सिखाएंगे!!! ये तो बोलते ही नहीं है। अरे ये बिना बोले ही काफी कुछ कह जाते हैं। बस जरूरत है इनको ध्यान से सुनने की। आइए हम लेकर चलते हैं आपको इन सबसे मिलवाने और इनसे दोस्ती भी करवाने..।

कुछ कहते हैं ये पेड़-पौधे

हमारी धरती को हरी-भरी बनाने के साथ हमें ऑक्सीजन की सौगात देते हैं, जिसे हम प्राणवायु कहते हैं। बस इतना जानते हैं आप। इनके वो गुण भी देखिए, जिनसे अब तक आप अनजान थे।

आत्मनिर्भर- पेड़-पौधे अपने भोजन की स्वयं ही व्यवस्था करते हैं। मिट्टी से पोषक तत्व और पानी को सोखते हैं और फिर सूर्य के प्रकाश से ऊर्जा लेकर, भोजन बनाते हैं। आप इनसे आत्मनिर्भर बनने की सीख ले सकते हैं।

सुरक्षा-सहायता- पेड़ की छांव तेज धूप में आपको शीतलता प्रदान करती है। वहीं इसके फल बहुत मीठे और रसीले होते हैं। पेड़ अपने फल तो आपके और हमारे लिए ही होते हैं।

खुद पर नाज- इनकी सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि ये चाहें कैसे भी टेढ़े-मेढ़े हों, दूसरे पेड़ ही तरह नहीं बनने की कोशिश करते। यानी आप जो भी हो जैसे भी हो, वही रहना चाहिए। आत्मविश्वास से भरपूर बने रहना चाहिए। यही तो है आपकी पहचान।

नहीं करते बर्बाद- ये कुछ भी बर्बाद नहीं करते, अपने पोषक तत्वों को धरती से सोख लेते हैं। समय को बिना गंवाए अपने विकास के लिए लगातार लगे रहते हैं।

कैसी थी दुनिया की पहली पेंसिल

क्या आप जानते हैं कि आपकी पढ़ाई की साथी आपकी पेंसिल का सबसे पहला रूप कैसा था? दुनिया की पहली पेंसिल ग्रेफाइट छड़ों का एक गुच्छा मात्र थी जिन्हें एक डोरी से बांधा गया था। इसके बाद किसी ने सोचा कि ग्रेफाइट छड़ को एक लकड़ी की खोखली छड़ के अंदर रखना चाहिए। जोसेफ रिचेंडरफर पहले व्यक्ति थे जिन्होंने पेंसिल के टप पर रबर लगाने के बारे में सोचा। ताकि लिखते वक्त हुई गलतियों को आसानी से ठीक किया जा सके। एक पेंसिल से आप 35 मील लंबी लाइन खींच सकते हैं या अंग्रेजी के 50,000 शब्द लिख सकते हैं।

ट्रम्प ने सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति से की मुलाकात, 25 वर्षों में दोनों देशों के नेताओं के बीच पहली मुलाकात

एजेंसी

रियाद। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब में सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा से मुलाकात की। यह दोनों देशों के नेताओं के बीच पिछले 25 वर्षों में पहली ऐतिहासिक बैठक है, जिसे सीरिया के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुनः स्थापित होने की दिशा में एक अहम मोड़ माना जा रहा है। यह मुलाकात खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के नेताओं के साथ ट्रंप की बैठक के दौरान हुई। लंबे समय तक असद परिवार के शासन के बाद सीरिया एक नई राजनीतिक दिशा की ओर बढ़ रहा है और अहमद अल-शरा अब इस परिवर्तन के प्रतीक के रूप में उभरे हैं। कभी अमेरिकी वांछित सूची में शामिल रह चुके अल-शरा को ट्रंप ने युवा, आकर्षक, मजबूत और जुझारू नेता बताते हुए उनकी तारीफ की। ट्रंप ने कहा, वह एक असली नेता हैं। उन्होंने संघर्ष का नेतृत्व किया है और वह काफी प्रभावशाली हैं। अहमद अल-शरा पहले अबू मोहम्मद अल-गोलानी के नाम से जाने जाते थे और इराक में अमेरिकी बलों के खिलाफ लड़ चुके थे। बाद में वह सीरियाई संघर्ष में शामिल हुए और कुछ वर्षों तक अमेरिकी हिरासत में भी रहे। ट्रंप ने दावा किया कि अल-शरा ने अब्राहम समझौते में शामिल होने और भविष्य में इजराइल को मान्यता देने की सहमति दी है। हालांकि सीरिया की ओर से इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ट्रंप ने कहा, मैंने उनसे कहा, 'आशा है आप समझौते में शामिल होंगे।' उन्होंने कहा, 'हां।' लेकिन अभी उन्हें बहुत कुछ सुधारना है।

फ्रांस और अल्जीरिया के बीच राजनयिक टकराव गहराया, दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजनयिकों को किया निष्कासित

पेरिस/अल्जीयर्स। फ्रांस और अल्जीरिया के बीच कूटनीतिक तनाव नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। फ्रांस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अल्जीरियाई राजनयिकों को निष्कासित कर दिया है। यह कदम अल्जीरिया द्वारा रविवार को 15 फ्रांसीसी अधिकारियों को देश से बाहर निकाले जाने के बाद उठाया गया। फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह निर्णय सख्त पारस्परिकता के सिद्धांत के तहत लिया गया है। मंत्रालय ने यह भी बताया कि अल्जीरियाई अधिकारियों को तलब कर इस निर्णय से अवगत कराया गया है। हालांकि, फ्रांस की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया कि कितने अल्जीरियाई राजनयिकों को निष्कासित किया गया है। मंत्रालय ने अल्जीरिया से जिम्मेदाराना रुख अपनाने और दोनों देशों के हित में फिर से गंभीर और रचनात्मक संवाद की बहाली का आह्वान किया है। यह राजनयिक संकट 2013 के उस समझौते का उल्लंघन है, जिसके तहत दोनों देशों के राजनयिक बिना वीजा के एक-दूसरे के देश की यात्रा कर सकते थे। अल्जीरिया का कहना है कि फ्रांस ने हाल ही में अपने राजनयिकों की नियुक्ति में प्रक्रियात्मक नियमों का उल्लंघन किया है, जिसके कारण उन्हें निष्कासित करना पड़ा।

बलूचिस्तान ने पाकिस्तान से आजाद होने का किया ऐलान, बलूच नेता ने विश्व भर से मांगा समर्थन

क्वेटा। पाकिस्तान पोषित आतंकवादियों के खिलाफ भारत के ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने के बाद बलूचिस्तान ने पाकिस्तान से स्वतंत्र होने की घोषणा की है। बलूच नेता मीर यार बलूच ने भारत और दुनिया के देशों से बलूचिस्तान की स्वतंत्रता के लिए समर्थन देने की अपील की है। बलूचिस्तान का क्षेत्रफल 347,190 वर्ग किलोमीटर है, जो पाकिस्तान के कुल क्षेत्रफल का लगभग 44 प्रतिशत है। मीर यार बलूच ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक के बाद एक कई पोस्ट किए। उन्होंने लिखा कि बलूचिस्तान के लोगों ने अपना निर्णय दे दिया है। अब दुनिया को चुप नहीं रहना चाहिए। बलूचिस्तान की जनता सड़कों पर हैं। बलूच लोगों का राष्ट्रीय फैसला है कि बलूचिस्तान पाकिस्तान नहीं है और दुनिया अब मूकदर्शक नहीं रह सकती। उन्होंने भारत के लोगों से अपील की है कि वे बलूचों को पाकिस्तान के लोग न कहें। हम पाकिस्तानी नहीं हैं। हम बलूचिस्तानी हैं। पाकिस्तान के अपने लोग पंजाबी हैं। बलूच नेता ने भारत के पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) खाली करने से जुड़े बयान का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान से तुरंत पीओके खाली करने के लिए कहना चाहिए।

त्रिपोली में हिंसा से पांच लाख बच्चों को खतरा : यूनिसेफ

त्रिपोली। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने कहा कि लीबिया की राजधानी त्रिपोली और उसके आसपास पिछले दो दिनों से बढ़ती हिंसा लगभग पांच लाख बच्चों को प्रभावित कर सकती है। यूनिसेफ ने एक बयान में कहा, त्रिपोली में जारी हिंसा के चलते बच्चे, परिवार और मेडिकल स्टाफ घंटों तक अस्पतालों में फंसे रहे। ऐसे अस्पतालों में अल जाला चिल्ड्रन हॉस्पिटल भी शामिल है। आपात सेवाएं समय पर नहीं पहुंच सकीं और बच्चों में भारी तनाव की खबरें मिली हैं।' यूनीसेफ ने सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून और बाल अधिकार संधि का पालन करते हुए बच्चों और जरूरी ढांचे की सुरक्षा की अपील की है।

अमेरिका और सीरिया के हाथ मिलाने से इजराइल हैरान

एजेंसी

रियाद। सऊदी अरब में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा की मुलाकात ने मध्य पूर्व के कई देशों की चिंता बढ़ा दी है। इनमें इजराइल प्रमुख है। शरा पर कभी 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर का इनाम था। सऊदी में जन्मे शरा पूर्व जिहादी हैं। सीरिया में सशस्त्र इस्लामी विद्रोह का नेतृत्व करने से पहले इराक में अमेरिकी सेना के खिलाफ लड़ाई में कई साल बिता चुके हैं। शरा को सीरिया के क्रूर तानाशाह बशर अल-असद को निर्वासित करने का श्रेय दिया जाता है। शरा सशस्त्र संघर्ष के दौरान आतंकी अबू मोहम्मद अल-जोलानी के नाम से कुख्यात रहा है। सीएनएन की खबर के अनुसार, ट्रंप और शरा ने रियाद में चाय पी। यह वही जिहादी है जिस पर 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर का इनाम रहा है। शरा ने सीरिया की आधी सदी पुरानी असद सरकार को उखाड़ फेंकने के साथ ईरान समर्थित सशस्त्र समूहों को बाहर खदेड़ा और खुद को देश का

नेता घोषित किया। अल शरा को 2013 में अमेरिका की विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी सूची में डाला गया था। तब वह सीरिया में अल कायदा के सहयोगी अल नुसरा फ्रंट का नेतृत्व कर रहा था। मध्य पूर्व के देशों में मिस्र, सीरिया, इजराइल, लेबनान, जॉर्डन, इराक, ईरान सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन, कतर, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, यमन, फिलिस्तीन, साइप्रस, तुर्किये, लीबिया, सूडान, जिबूती, मोरक्को, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया हैं। सीएनएन के अनुसार, ट्रंप की रियाद यात्रा में बहुत कुछ ऐसा घटा है, जिससे इजराइल को काफी आघात लगा है। ट्रंप की सीरिया के खिलाफ प्रतिबंध खत्म करने की घोषणा सीधे-सीधे इजराइल को चुनौती देती है। एक इजराइली अधिकारी का कहना है कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अप्रैल में वाशिंगटन में ट्रंप से मुलाकात के दौरान कहा था कि सीरिया पर लगाए गए प्रतिबंध नहीं हटाए जाने चाहिए। ऐसा करने से सात अक्टूबर, 2023 जैसी घटना की पुनरावृत्ति हो सकती है।

नेतन्याहू ने शरा और उनकी नई सरकार के साथ आक्रामक रुख अपनाया था। असद के निष्कासन के बाद के दिनों में उन्होंने सीरिया में अभूतपूर्व जमीनी हमले का आदेश दिया था। इस तनाव से नए सीरिया के लिए अच्छे पड़ोसी बनने के नेतन्याहू के शुरुआती वादे को झटका लगा। इजराइल के सैकड़ों हवाई हमलों में असद के हथियारों के अवशेषों, विशेष रूप से उसके रासायनिक हथियारों को निशाना बनाया गया, ताकि उन्हें आतंकवादी समूहों के हाथों में पड़ने से रोका जा सके। यही नहीं इजराइली सेना ने सीरिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट हरमोन पर कब्जा कर लिया । यह ऐसी चोटी है जहां से लेबनान और सीरिया की सैन्य रणनीति पर नजर रखी जा सकती है।

परमाणु समझौते के लिए तैयार ट्रंप, लेकिन ईरान को छोड़नी होगी 'प्रॉक्सी वार' की नीति

एजेंसी

दोहा/रियाध। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के साथ परमाणु कार्यक्रम को लेकर जल्द एक समझौता करना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि तेहरान मध्य पूर्व में अपने प्रॉक्सी गुटों को समर्थन देना बंद करे।ट्रंप इन दिनों मध्य पूर्व के तीन देशों की यात्रा पर हैं और इस दौरान उन्होंने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी के साथ दोहा में विशेष बातचीत की। उन्होंने कहा, हम एक सकारात्मक परिणाम की ओर बढ़ रहे हैं और यह प्रक्रिया किसी न किसी रूप में सफल होगी। रियाद में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की अध्यक्षता में हुई गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) की बैठक में ट्रंप ने ईरान को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि 'ईरान को आतंकवाद को प्रायोजित करना, रक्तरंजित प्रॉक्सी युद्धों में भाग लेना और परमाणु हथियारों की दौड़ को स्थायी और सत्यापनीय रूप से रोकना होगा। उन्हें यह समझना होगा कि वे परमाणु हथियार नहीं रख सकते। वहीं, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने ट्रंप की टिप्पणी को भ्रामक और एकतरफा करार दिया।

हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर प्रॉक्सी गुटों को लेकर ट्रंप की मांग पर कोई टिप्पणी नहीं की।ट्रंप ने अपने बयान में यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि 'हिजबुल्ला के आतंक से मुक्त भविष्य' की ओर बढ़ा जाए। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष इजराइल के साथ युद्ध में हिजबुल्ला को भारी क्षति हुई, उसके कई वरिष्ठ कमांडर मारे गए और सीरिया में बशर अल-असद सरकार के पतन के बाद ईरान का एक अहम सहयोगी भी चला गया है।

दूरसंचार घोटालाः सत्तारूढ़ दल के सांसद एवं पूर्व मंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार का मुकदमा

एजेंसी

काठमांडू। 321 करोड़ के दूरसंचार घोटाले में सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस के सांसद और पूर्व मंत्री मोहन बहादुर बस्नेत सहित 15 अन्य लोगों के खिलाफ विशेष अदालत में भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया गया है। दूरसंचार यातायात निगरानी और धोखाधड़ी नियंत्रण प्रणाली (टेरामॉक्स) की खरीद के दौरान बस्नेत संचार मंत्री के पद पर कार्यरत थे। गुरुवार को एंटी करप्शन ब्यूरो ने विशेष अदालत में मामला दायर किया। पूर्व मंत्री बस्नेत के अलावा जिन अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दायर किया गया है उनमें नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष दिगंबर झा और पुरुषोत्तम खनाल, पूर्व सदस्य धनराज ज्ञवाली और टीका प्रसाद उप्रेती शामिल हैं। इसी तरह प्राधिकरण के निदेशक विजय कुमार राय, उप निदेशक रेवती राम पंथी और सुरेश बस्नेत, हिरन्य प्रसाद बस्ताकोटी और अच्युतानंद मिश्रा भी इसमें शामिल हैं। ब्यूरो के प्रवक्ता राजेंद्र पौडेल के मुताबिक

निदेशकों सुरेंद्र लाल हाडा, दीपेश आचार्य और उप निदेशक संदीप अधिकारी के खिलाफ भी मुकदमा दायर किया गया है। एंटी करप्शन ब्यूरो ने कंसल्टिंग कंपनी वैनराइज सॉल्यूशन, इसके सीईओ जमाल अनौती, इसके नेपाल एजेंट कार्यालय, अध्यक्ष दिलीप कुमार गुरुंग और निदेशक तेज प्रसाद खरेल के खिलाफ भी मुकदमा दायर किया है।

चटगांव बंदरगाह में कर्मचारी संगठन की हड़ताल से कामकाज पूरी तरह ठप

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह में आज सुबह छह बजे से आहूत कर्मचारी संगठन की 12 घंटे की हड़ताल की वजह से कामकाज पूरी तरह ठप पड़ गया। कंटेनर परिवहन रुक गया है। यह हड़ताल पुलिस ज्यादती के खिलाफ शुरू की गई है। हड़ताल में शामिल प्राइम मूवर चालकों और श्रमिकों पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, हड़ताल में शामिल लोगों का आरोप है कि पुलिस ने बेवजह यूनियन अध्यक्ष और दो सहकर्मियों के साथ मारपीट की। जिला प्राइम मूवर, ट्रेलर, कंक्रीट मिक्सर, फ्लैटबेड, ड्रम ट्रक वर्कर्स यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष हुमायूं कबीर ने कहा कि चट्टोग्राम के साल्टगोला क्रॉसिंग स्थित यूनियन कार्यालय के सामने मंगलवार रात विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने ज्यादती की । पुलिस ने एक ड्राइवर का पहचान पत्र और लाइसेंस जब्त कर लिया था। इसलिए विरोध प्रदर्शन करने

का निर्णय लिया गया था। बंदरगाह के अधिकारियों का कहना है कि काम बंद होने के कारण बंदरगाह और 21 निजी अंतर्देशीय कंटेनर डिपो का कामकाज सुबह से ही बंद है। हुमायूं ने आरोप लगाया कि मंगलवार रात पुलिस यूनियन के अध्यक्ष सलीम खान और दो ड्राइवरों दिलवर हुसैन और मोहम्मद फैसल को पहाड़तली थाना ले गई और उनके साथ मारपीट की। जबकि तीनों कथित तौर पर एक मामले को सुलझाने की कोशिश कर रहे थे। कर्मचारी नेता हुमायूं ने दावा किया कि सब इंस्पेक्टर अल अमीन ने करीब 10:30 बजे अलंगकर इलाके से एक घायल व्यक्ति को चटगांव मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाने के लिए प्राइम मूवर ड्राइवर एमडी लिटन को मजबूर करने की कोशिश की।

चीन की संसद के उपाध्यक्ष चार दिन के नेपाल दौरे पर काठमांडू पहुंचे

एजेंसी

काठमांडू। चीन के नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) यानी चीन की संसद के उपाध्यक्ष शियाओ जी बीती रात को काठमांडू पहुंचे। नेपाली संसद के प्रतिनिधि सभा की डिप्टी स्पीकर के औपचारिक निमंत्रण पर वो चार दिन के नेपाल भ्रमण पर पहुंचे हैं। उपाध्यक्ष शियाओ जी मई 16-18 से काठमांडू में आयोजित होने वाले सागरमाथा संवाद कार्यक्रम में चीन के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। नेपाल सरकार के वन और पर्यावरण मंत्री ऐन बहादुर शाही ने त्रिभुवन अंतरग्राष्ट्रीय हवाई अड्डे उनका स्वागत किया। इस दौरान नेपाल में चीन के राजदूत छन सोंग भी मौजूद रहे। चीन के दूतावास ने कहा कि नेपाल भ्रमण के दौरान शियाओ जी नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल, उपराष्ट्रपति रामसहाय यादव, वो पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी, पूर्व प्रधानमंत्री तथा माओवादी अध्यक्ष

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष देवराज घिमिरे तथा राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष नारायण दहाल से मुलाकात करेंगे। पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड, पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल, झलनाथ खनाल एवं डा बाबूराम भट्टराई से भी मुलाकात करेंगे।

कतर एयरवेज ने 200 अरब डॉलर में किया 160 बोइंग विमान खरीदने का सौदा

एजेंसी

दोहा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की खाड़ी देशों की यात्रा के दौरान कतर एयरवेज ने अमेरिकी विमान निर्माता कंपनी बोइंग के साथ 160 जेट विमानों की खरीद के लिए 200 अरब डॉलर का सौदा किया है। इस ऐतिहासिक करार पर दोहा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। समारोह के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'यह 200 अरब डॉलर से अधिक का सौदा है, और इसमें 160 विमान शामिल हैं। यह वास्तव में शानदार है।' उन्होंने बोइंग के सीईओ केली ऑर्टबर्ग को बधाई देते हुए इसे 'रिकॉर्ड डील'करार दिया। समारोह में अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने भी कतर के साथ रक्षा सहयोग को लेकर कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इनमें एमक्यू-9क्क ड्रोन और एफएस-लिड्स रक्षा प्रणाली की पेशकश और स्वीकृति से संबंधित पत्र शामिल हैं।

इसके साथ ही ट्रंप ने कतर और अमेरिका के बीच एक संयुक्त रक्षा सहयोग घोषणा पत्र पर भी हस्ताक्षर किए। कतर के अमीर ने समझौते के बाद कहा कि दोनों देशों के बीच 'बेहतर चर्चा' हुई और अब संबंध 'एक नए स्तर पर पहुंच चुके हैं।' ट्रंप ने भी अमीर की प्रशंसा करते हुए कहा, ÷हम लंबे समय से मित्र हैं और यह व्यक्ति वास्तव में उत्कृष्ट हैं।' अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप इन दिनों चार दिवसीय खाड़ी दौरे पर हैं। कतर आगमन से पहले उन्होंने सऊदी अरब का दौरा किया, जो उनके राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान 2016-2020 की पहली विदेश यात्रा का गंतव्य भी था। उनका अंतिम पड़ाव संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) होगा।

अमेरिका में रूसी वैज्ञानिक सेनिया पेत्रोवा पर कसा शिकंजा, न्याय विभाग ने जड़े गंभीर आरोप, जमानत पर 28 मई को सुनवाई

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में रूसी वैज्ञानिक सेनिया पेत्रोवा को अदालत से जमानत नहीं मिल सकी। न्याय विभाग ने हार्वर्ड की मेडिकल शोधकर्ता पेत्रोवा पर वर्मोंट में यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के समक्ष सुनवाई के दौरान गंभीर संघीय आरोप लगाया। न्याय विभाग ने कहा कि पेरिस से लौट रही 30 वर्षीय पेत्रोवा को 16 फरवरी को बोस्टन लोगान अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया था। उसके सामान में गैर-संक्रामक और गैर-विषाक्त मेंढक भ्रूण मिले थे। अभियोजकों का आरोप है कि वह अवैध रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में तस्करी करने का प्रयास कर रही थी। अदालत ने सुनवाई के बाद पेत्रोवा की जमानत याचिका पर सुनवाई की तारीख 28 मई तय की है। न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, सेनिया

पेत्रोवा के वकीलों ने आरोपों पर आश्चर्य व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह आरोप अदालत में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पेश होने के कुछ घंटों बाद इसलिए लगाए गए, जिससे उसे रूस निर्वासित किया जा सके। रूस में उसे राजनीतिक गतिविधियों के लिए कई बार उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। संघीय अधिकारियों का कहना है कि पेत्रोवा ने निर्वासित करने के निरंतर प्रयास के बीच जानबूझकर कानून तोड़ा। पेत्रोवा के वकील ग्रेगरी रोमानोव्स्की का कहना है कि वह एक फ्रांसीसी प्रयोगशाला के प्रोफेसर के अनुरोध पर मेंढक के भ्रूण वापस ला रही थी। मैसाचुसेट्स में अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने कहा कि पेत्रोवा को सबसे पहले लुइसियाना के एक हिरासत केंद्र में रखा गया। इस पर पेत्रोवा के वकील का कहना है कि वहां से उसे एक संघीय जेल सुविधा केंद्र में ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि सेनिया का वीजा रद्द करना कथित सीमा शुल्क उल्लंघन पर आधारित था। अमेरिका का कानून इसकी अनुमति नहीं देता। अदालत ने भी हिरासत में लिए जाने के बाद पेत्रोवा का वीजा रद्द करने के सरकार के फैसले पर आश्चर्य व्यक्त किया।

नेतन्याहू का ऐलानः जब तक हमास का अंत नहीं होता, गाजा में युद्ध नहीं रुकेगा

एजेंसी

यरुशलम। गाजा में बंधक बनाए गए और हाल ही में रिहा हुए 65 इजराइली नागरिकों ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से अपील की है कि वे गाजा में अब भी बंदी बनाए गए लोगों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए वार्ता फिर से शुरू करें और इस अहम मौके को गंवाने न दें। यह अपील 'होस्टेज एंड मिसिंग फैमिलीज फोरम' द्वारा जारी एक पत्र के माध्यम से की गई, जो 07 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा किए गए हमले के दौरान अपहृत लोगों और उनके परिजनों का प्रतिनिधित्व करता है। पत्र में लिखा गया है, 'हम, जो राज्य की लापरवाही के कारण 07 अक्टूबर को अगवा किए गए थे, अब जब रिहा हो चुके हैं, एडन अलेक्जेंडर की वापसी का स्वागत करते हैं।÷ उल्लेखनीय है कि अलेक्जेंडर, एक इजराइली-अमेरिकी सैनिक है जिन्हें अमेरिका द्वारा हमास

से स्वतंत्र वार्ता कर छुड़ाया गया।पूर्व बंधकों ने यह भी कहा, 'हमें विश्वास है कि इजराइली सरकार के पास अब वार्ता की मेज पर लौटने का एक वास्तविक अवसर है। हम आप सभी से अपील करते हैं कि जब तक एक व्यापक समझौता नहीं हो जाता, तब तक यह प्रयास न छोड़ें। पूर्व बंधकों की इस भावुक अपील को इस संघर्ष के बीच एक नई उम्मीद के रूप में देखा जा रहा है, जो क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में सार्थक पहल का द्वार खोल सकती है। हालांकि प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने मार्च में संक्षिप्त युद्धविराम के समाप्त होने के बाद हमास के साथ किसी भी प्रकार की वार्ता से इनकार कर दिया था।

अमेरिका के शोधकर्ताओं ने की स्तन कैंसर जोखिम से जुड़े ऊतक परिवर्तनों की पहचान

एजेंसी

लॉस एंजेल्स। अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के शोधकर्ताओं ने एक नए अध्ययन में स्तन संयोजी ऊतक में ऐसे संरचनात्मक बदलावों की पहचान की है, जो बहुत तेजी के साथ स्तन कैंसर के बढ़ते जोखिम से जुड़े हैं। नेशनल कैंसर इंस्टिट्यूट जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, स्तन ऊतक में पाए गए बदलाव जिन्हें स्ट्रोमल डिसरप्शन कहा गया है, संभावित बायोमार्कर हो सकते हैं जो महिलाओं में कैंसर होने से पहले ही उसके खतरे का संकेत दे सकते हैं। यह भी पाया गया कि जिन महिलाओं में यह बदलाव होता है, उनमें आक्रामक ब्रेस्ट कैंसर होने पर जीवित रहने की संभावना कम होती है। शोधकर्ताओं ने मशीन लर्निंग की मदद से नौ हजार से अधिक स्तन ऊतक के नमूनों का विश्लेषण किया, जिनमें स्वस्थ, सौम्य और कैंसरग्रस्त ऊतक शामिल थे। उन्होंने पाया कि स्ट्रोमल डिसरप्शन उन महिलाओं में ज्यादा देखा गया जिनमें आक्रामक स्तन कैंसर के जोखिम कारक मौजूद थे, जैसे मोटापा, अश्वेत नस्ल, कम उम्र, बार-बार प्रसव और पारिवारिक इतिहास। सौम्य स्तन रोग वाली महिलाओं में स्ट्रोमल डिसरप्शन होने पर कैंसर होने की संभावना अधिक और तेजी से बढ़ने का खतरा रहता है। अध्ययन के अनुसार, जिन स्तन कैंसर मरीजों में स्ट्रोमल डिसरप्शन अधिक था।

आईएमएफ से बांग्लादेश को मिलेगी 1.3 अरब डॉलर की राहत, विनिमय दर सुधारों पर बनी सहमति

एजेंसी

ढाका। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने बांग्लादेश को 1.3 अरब डॉलर की नई वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। यह सहायता राशि आईएमएफ के 4.7 अरब डॉलर के ऋण पैकेज के तहत दी जा रही है, जिसमें अब चौथे और पांचवें चरण की किस्तें शामिल हैं। यह निर्णय मुद्रा विनिमय दर में सुधार पर बनी सहमति के बाद लिया गया है।

आईएमएफ और बांग्लादेश सरकार के बीच क्रॉलिंग पेग व्यवस्था को अपनाने पर सहमति बनी है।

इस प्रणाली के तहत बांग्लादेश की मुद्रा टका का मूल्य धीरे-धीरे वैश्विक विनिमय दरों के अनुसार बदलेगा, जिससे विदेशी मुद्रा बाज़ार में लचीलापन और पारदर्शिता आएगी। वॉशिंगटन में अप्रैल में हुई आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक की स्प्रिंग मीटिंग में राजस्व प्रबंधन, मौद्रिक नीति, और विदेशी मुद्रा नीति पर गंभीर चर्चा हुई थी। बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय ने

बयान जारी कर बताया कि सभी प्रमुख मुद्दों पर समीक्षा के बाद, दोनों पक्ष राजस्व नीति, मुद्रा विनिमय व्यवस्था और अन्य सुधार ढांचे पर सहमत हो गए हैं।

आईएमएफ के अनुसार, यदि कार्यकारी बोर्ड इस स्टाफ-लेवल डील को मंजूरी देता है, तो बांग्लादेश को एसडीआर 983.8 मिलियन (लगभग 1.3 अरब डॉलर) की राशि प्राप्त होगी। आईएमएफ ने बताया कि बांग्लादेश ने बढ़ती बाहरी वित्तपोषण आवश्यकताओं को पूरा करने और व्यापक आर्थिक स्थिरता का समर्थन करने के लिए ईसीएफ और ईएफएफ के तहत 567.2 मिलियन एसडीआर (लगभग 762 मिलियन डॉलर) की वृद्धि का भी अनुरोध किया था। वहीं, बांग्लादेश सरकार ने आईएमएफ की एक प्रमुख शर्त को मानते हुए राष्ट्रीय राजस्व बोर्ड (एनबीआर) को भंग कर दिया है। अब वित्त मंत्रालय के तहत दो स्वतंत्र इकाइयां बनाई गई हैं- एक कर नीति देखेगी और दूसरी कर संग्रह और प्रशासन का काम संभालेगी। सरकार को इसके अलावा 2 अरब डॉलर का बजट समर्थन भी अन्य विकास भागीदारों से मिलने की उम्मीद है। बांग्लादेश को यह राहत ऐसे समय मिली है जब देश को मुद्रास्फीति, धीमी विकास दर और विदेशी भुगतान संतुलन की गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार ने वित्तीय अनुशासन कड़ा करने, बैंकिंग सुधार लागू करने और जलवायु निवेश बढ़ाने का संकल्प जताया है।

बीजापुर में 48 घंटे में नक्सलियों ने पांच लोगों को उतारा मौत के घाट, शिक्षादूत एवं रसोइये अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के उसूर थानाक्षेत्र में बीते 48 घंटे में नक्सलियों ने एक शिक्षादूत एवं पामेड़ थानाक्षेत्र में चार लोग सहित कुल पांच लोगों की निर्मम हत्या कर दी। इस घटना से शिक्षक, शिक्षादूत और रसोइये अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। नक्सली अब तक कांग्रेस कार्यकर्ता एवं सोसायटी संचालक, शिक्षादूत, रसोईया एवं दो ग्रामीण की हत्या कर चुके हैं। नक्सल प्रभावित अंदरूनी इलाके से घटना की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है। घटना की पुष्टि एसपी बीजापुर जितेंद्र यादव ने की है। बीजापुर के कांग्रेस विधायक विक्रम शाह मण्डावी ग्राम कंचाल पहुंचे और शोक संतप्त परिवारों को ढांढस बंधाया तथा हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। इस दौरान विधायक विक्रम ने नक्सलियों द्वारा की गई हत्याओं की कड़ी निंदा करते हुए मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सरकार एवं नक्सलियों से सवाल करते हुए कहा कि आखिर कब तक निर्दोष आदिवासियों की हत्या होती रहेगी। बीजापुर जिले में नक्सलियों ने मीनागट्टा स्कूल में कार्यरत शिक्षादूत मुचाकी अशोक की हत्या कर दी। शिक्षादूत मुचाकी रविवार को अप्रवेशी बच्चों का सर्वे करने गांव में पहुंचे थे तथा घर-घर सर्वे कर रहे थे ताकि शिक्षा से दूर ऐसे बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।

महामंडलेश्वर स्वामी सोमेश्वरानंद गिरी बने अखिल भारतीय धर्म रक्षा समिति के प्रधान संरक्षक

हरिद्वार। निरंजनी अखाड़े के वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी सोमेश्वरानंद गिरी को षडदर्शन साधू समाज की अखिल भारतीय धर्म रक्षा समिति का प्रधान संरक्षक नियुक्त किया गया है। यह निर्णय बैरागी कैंप में आयोजित संतों की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। संत समाज ने विश्वास व्यक्त किया कि स्वामी सोमेश्वरानंद के नेतृत्व में हिंदू धर्म की पताका वैश्विक स्तर पर और अधिक सशक्त रूप से फहराई जाएगी। नियुक्ति के पश्चात महामंडलेश्वर स्वामी सोमेश्वरानंद गिरि ने कहा कि सनातन धर्म एवं संस्कृति के प्रचार-प्रसार और मानव कल्याण के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि संत समाज सदैव मानव सेवा और आध्यात्मिक उत्थान का संदेश देता आया है।इस अवसर पर गोपाल गिरी, अद्वैतानंद गिरी और प्रशांत पुरी सहित अनेक संत उपस्थित रहे।

अहिल्याबाई होलकर ने राजसत्ता को सेवा तथा न्याय का माध्यम माना : कविता पाटीदार

लखनऊ। पुण्यश्लोक महारानी अहिल्याबाई होलकर जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान की राष्ट्रीय सहसंयोजक व राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार ने कहा कि सुशासन के दृढ़ संकल्प के साथ राजसत्ता सम्भालने वाली लोकमाता ने शासन को सेवा तथा न्याय का माध्यम माना। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का काम किया। अहिल्याबाई ने हमें प्रेरणा दी है कि हमें जीवन का उद्देश्य जनकल्याण के कार्यों में निहित करना है। हमारे ना रहने पर भी हमारी स्मृतियां हमारे पुण्य कर्मों के द्वारा जीवित रहे। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यशाला को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं जिस इन्दौर से आयी हूं, वही इन्दौर की भूमि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की कर्मभूमि थी। अभियान के माध्यम से लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 300वी जयंती पर उनके आचरण और उनके व्यवहार को प्रसारित करने का काम हम सभी करेंगे। अभियान के माध्यम से लोकमाता अहिल्या बाई होलकर के शौर्य, न्याय, सेवा, त्याग, समर्पण को एक-एक गांव, शहर, गली, मुहल्लों में एक-एक व्यक्ति के मस्तिष्क तक पहुंचाने का काम करना है। ताकि लोग उनसे प्रेरणा लेकर सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ा सकें।

मप्र में बनेंगे मेट्रो और रेल कोच, मुख्यमंत्री ने बीईएमएल के चेयरमैन को सौंपा नई इकाई के लिए भूमि आवंटन-पत्र

भोपाल। मध्य प्रदेश में अब मेट्रो और रेल कोच का निर्माण होगा। भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के उमरिया क्षेत्र में 1800 करोड़ रुपये की लागत से मेट्रो और रेल कोच निर्माण इकाई की स्थापना करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को बेंगलुरु में बीईएमएल के चेयरमैन और एमडी शांतनु रॉय को रायसेन जिले में रेलवे कोच के लिए भूमि आवंटन पत्र सौंपा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश अब मेट्रो और रेल निर्माण का नया हब बनेगा। इस अवसर पर मप्र औद्योगिक विकास निगम और बीईएमएल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मध्य प्रदेश शासन ने इस इकाई के लिए कुल 60.063 हेक्टेयर भूमि आवंटन को मंजूरी दी है। प्रस्तावित इकाई मुख्य रेल एवं नगरीय परिवहन परियोजनाओं के लिए रोलिंग स्टॉक और मेट्रो कोच का निर्माण करेगी। इससे प्रदेश और देश के अन्य भागों में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर सशक्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को बेंगलुरू में बीईएमएल कार्यशाला का भ्रमण किया। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए बेंगलुरू स्थित बीईएमएल लिमिटेड के अत्याधुनिक रेल कोच विनिर्माण संयंत्र से 2100वें मेट्रो कोच को हरी झंडी दिखाकर राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह क्षण मध्य प्रदेश ही नहीं, पूरे देश के लिए गौरवपूर्ण है। बीईएमएल में निर्मित 2100वें मेट्रो कोच का शुभारंभ भारत की उन्नत निर्माण क्षमता, इंजीनियरिंग उत्कृष्टता और स्वदेशी तकनीक के बढ़ते प्रभाव का प्रतीक है।

हरियाणा के युवाओं की क्षमता को पहचान कर उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करने की दिशा में करें कार्य : मुख्यमंत्री सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। जर्मनी के पोपे + पोटहॉफ़ जीएमबीएच के समूह सीईओ मार्कस केरखॉफ के नेतृत्व में एक जर्मन प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की और उन्हें झज्जर जिले में अपने ऑटोमोबाइल घटक विनिर्माण संयंत्र की प्रगति से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल में पोपे + पोथोफ के बिक्री प्रमुख थॉर्स्ट्न एलर्सिएक के साथ-साथ इस संयुक्त उद्यम में भारतीय भागीदार लालबाबा इंजीनियरिंग लिमिटेड के प्रतिनिधि भी शामिल थे। बैठक के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने राज्य की उद्योग-अनुकूल नीतियों और सरकार से सक्रिय समर्थन का उल्लेख करते हुए हरियाणा में अपने निवेश के विस्तार में गहरी रुचि व्यक्त की। पोपे + पोटहॉफ़ कंपनी, जिसकी उपस्थिति 70-80 देशों में है, हरियाणा में एक नई अनुसंधान एवं विकास सुविधा की स्थापना की संभावना भी तलाश रही है। साथ ही, वैश्विक और घरेलू दोनों आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए राज्य से कुशल मैनपावर को नियोजित करने के लिए एक संरचित प्रणाली बनाने की योजना भी बना रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार विश्व स्तरीय कौशल विकास पहलों के माध्यम से अपने युवाओं को सशक्त बना रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश द्वारा अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों को वैश्विक उद्योग मानकों के साथ सक्रिय रूप से जोड़ा जा रहा है ताकि

यह सुनिश्चित किया जा सके कि कार्यबल नवीनतम तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक विशेषज्ञता से लैस हो। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल से आग्रह करते हुए कहा कि हरियाणा के प्रतिभाशाली युवाओं की अपार क्षमता को पहचान कर उन्हें सार्थक रोजगार के अवसर प्रदान करने की दिशा में कार्य करें । उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों, खासकर तकनीकी संस्थानों के बीच मजबूत साझेदारी बनाने का पूरा समर्थन कर रही है और एक ऐसी प्रणाली बनाने में मदद कर रही है जो युवाओं को स्थानीय और वैश्विक नौकरी की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित करे।

बैठक में जानकारी दी गई कि पोपे + पोटहॉफ जीएमबीएच, जर्मनी और लालबाबा के बीच सहयोग भारत की विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने, आयात प्रतिस्थापन को बढ़ावा देने और प्रधानमंत्री की मेक इन इंडिया पहल के तहत आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में एक ऐतिहासिक कदम है। झज्जर में नई संयुक्त उद्यम सुविधा टिकाऊ, भविष्य के लिए तैयार विनिर्माण के लिए एक साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। शून्य-निर्वहन संयंत्र के रूप में संकल्पित, यह सुविधा भारत के पर्यावरणीय लक्ष्यों के अनुरूप अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 40 प्रतिशत सौर ऊर्जा से प्राप्त करेगी। संयंत्र ईंधन इंजेक्शन और एयरबैग ट्यूब जैसे उच्च परिशुद्धता घटकों के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करेगा - ऐसे उत्पाद जो वर्तमान में पूरी तरह से आयात किए जाते हैं। इन महत्वपूर्ण घटकों का स्थानीय स्तर पर उत्पादन न केवल हमारी राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करेगा बल्कि कुशल रोजगार के अवसरों को बढ़ने के साथ-साथ आयात पर निर्भरता को काफी कम करेगा। बैठक में विदेश सहयोग विभाग में मुख्यमंत्री के सलाहकार पवन कुमार चौधरी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन, कर्रेगुट्टा पहाड़ी में 31 नक्सली ढेर

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों को नक्सलियों के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। कर्रेगुट्टा पहाड़ी क्षेत्र में चलाए गए संयुक्त अभियान में सुरक्षा बलों ने 31 नक्सलियों को मार गिराया है। इसके साथ ही भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए हैं। सीआरपीएफ के डीजी ने जानकारी दी कि नक्सल विरोधी अभियान की शुरुआत 2014 में हुई थी, लेकिन 2019 के बाद से इस अभियान ने अधिक गति पकड़ी है। जवानों के लिए देश भर में संयुक्त प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है, जिससे उनकी रणनीतिक और सामरिक क्षमताओं में वृद्धि हुई है।उन्होंने बताया कि जहां 2014 में 35 जिले नक्सली गतिविधियों के केंद्र हुआ करते थे, वहीं 2025 तक यह संख्या घटकर मात्र 6 जिलों तक सीमित रह गई है। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के समन्वित प्रयासों के चलते नक्सली हिंसा में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। इस ऑपरेशन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा बलों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि 'नक्सल फ्री भारत' के संकल्प में एक ऐतिहासिक सफलता प्राप्त करते हुए सुरक्षा बलों ने नक्सलवाद के खिलाफ अब तक के सबसे बड़े ऑपरेशन में छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा के कुर्रगुट्टालू पहाड़ (केजीएच) पर 31 कुख्यात नक्सलियों को मार गिराया। गृह मंत्री

ने कहा कि जिस पहाड़ पर कभी लाल आतंक का राज था, वहां आज शान से तिरंगा लहरा रहा है। कुर्रगुट्टालू पहाड़ पीएलजीए बटालियन 1, डीकेएसजेडसी, टीएससी और सीआरसी जैसी बड़ी नक्सल संस्थाओं का यूनिफाइड हेडक्वार्टर था, जहां नक्सल ट्रेनिंग के साथ-साथ रणनीति और हथियार भी बनाए जाते थे। उन्होंने बताया कि नक्सल विरोधी इस सबसे बड़े अभियान को हमारे सुरक्षा बलों ने मात्र 21 दिनों में पूरा किया और मुझे अत्यंत हर्ष है कि इस ऑपरेशन में सुरक्षा बलों में एक भी जानहानि नहीं हुई। खराब मौसम और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में भी अपनी बहादुरी और शौर्य से नक्सलियों का सामना करने वाले हमारे सीआरपीएफ, एसटीएफ और डीआरजी के जवानों को बधाई देता हूं। पूरे देश को आप पर गर्व है।शाह ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम नक्सलवाद को जड़ से मिटाने के लिए संकल्पित हैं। मैं देशवासियों को पुनः विश्वास दिलाता हूं कि 31 मार्च 2026 तक भारत का नक्सलमुक्त होना तय है।' उल्लेखनीय है कि सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों के सहयोग से अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। कर्रेगुट्टा जैसी दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में इस प्रकार की कार्रवाई सुरक्षा बलों की सतर्कता और साहस का प्रमाण है।

भारतीय सेना को बड़ी कामयाबी, भारत-म्यांमार बॉर्डर पर 10 उग्रवादियों को किया ढेर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने भारत-म्यांमार बॉर्डर पर 10 उग्रवादियों को मार गिराया है। सेना की ईस्टर्न कमांड ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी है। सेना की पूर्वी कमान ने देर रात एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर बताया, 'भारत-म्यांमार सीमा के पास स्थित चंदेल जिले के खेगजॉय तहसील के न्यू समतल गांव के पास खुफिया जानकारी के आधार पर उग्रवादियों की गतिविधियों का पता चला था। इसके बाद असम राइफल्स की यूनिट ने 14 मई 2025 को स्पीयर कॉर्प्स के तहत एक ऑपरेशन शुरू किया।'

उन्होंने बताया, 'ऑपरेशन के दौरान संदिग्ध उग्रवादियों ने सैनिकों पर गोलीबारी की, जिसका जवाब देते हुए सैनिकों ने तुरंत नियंत्रित और संतुलित तरीके से जवाबी कार्रवाई की। गोलीबारी में 10 उग्रवादी मारे गए और बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है।'यह कार्रवाई मणिपुर में जारी अशांति के बीच सुरक्षाबलों की ओर से एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। भारत के पूर्वी सीमा पर यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब हाल ही में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। इस कार्रवाई के बाद भारत और पाकिस्तान सीमा पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि म्यांमार से घुसपैठिए, मणिपुर में प्रवेश कर रहे हैं। इसके लिए अब भारत सरकार ने भारत-म्यांमार सीमा पर मुक्त आवाजाही व्यवस्था को

पिछले साल केंद्र सरकार ने भारत और म्यांमार के बीच 1,610 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा बाड़ लगाने और सड़कों के निर्माण को मंजूरी दी थी। सरकार ने यह फैसला मणिपुर में घुसपैठियों को रोकने के लिए लिया था। सरकार के सूत्रों की मानें तो पड़ोसी मुल्क समाप्त कर दिया है। जानकारी के अनुसार, सुरक्षा संबंधी मंत्रिमंडलीय समिति ने लगभग 31 हजार करोड़ रुपये की लागत से भारत-म्यांमार के बीच 1610 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने और सीमा सड़कों के निर्माण के काम को सैद्धांतिक तौर पर मंजूरी दी है।

प्रधानमंत्री 30 मई को आयेंगे बिहार, करोड़ों रुपये की परियोजनाओं की देंगे सौगात

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 मई को बिहार के सासाराम जिले के बिक्रमगंज आएंगे। उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बिहार दौरे के दौरान प्रधानमंत्री कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे, जिनमें पटना एयरपोर्ट पर बने नए टर्मिनल का उद्घाटन और पटना-सासाराम फोरलेन सड़क परियोजना का शिलान्यास प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर बिहार के मधुबनी जिले में आए थे। उस दिन भी उन्होंने ग्रामीण विकास और पंचायती सशक्तिकरण पर जोर दिया था। सम्राट चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी बिक्रमगंज में एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे, जिसमें रोहतास के अलावा औरंगाबाद, भोजपुर, बक्सर तथा अन्य आसपास के जिलों से लाखों की संख्या में लोग पहुंचेंगे। यह जनसभा आगामी लोकसभा चुनाव-2024 के दृष्टिकोण से भी अहम मानी जा रही है। प्रधानमंत्री पटना के जिस जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बने नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे, उस अत्याधुनिक टर्मिनल से हवाई यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी और एयर ट्रैफिक को भी संभालने की क्षमता बढ़ेगी। यह टर्मिनल अंतरराष्ट्रीय मानकों पर तैयार किया गया है। सड़क संपर्क को बेहतर बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री मोदी पटना-सासाराम फोरलेन परियोजना की नींव रखेंगे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा नॉन स्टॉप आगे बढ़ रहा है : बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अपने नायाब फैसलों से हर वर्ग को लाभान्वित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नायब सरकार जनहित में नई नीतियां बनाकर प्रदेश के विकास और जनकल्याण के निर्णय ले रही है। बड़ौली ने कहा कि प्रदेश की नॉनस्टॉप सरकार ने एचएसएससी के माध्यम से होने वाली ग्रुप-डी भर्ती के 7596 पदों में से डीएससी और ओएससी के लिए 1209 पद आरक्षित कर ऐतिहासिक निर्णय लिया है जोकि स्वागत योग्य है। नायब सरकार के इस नायाब

फैसले के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि हरियाणा के इतिहास में पहली बार, ग्रुप-डी भर्ती में वंचित अनुसूचित जातियों (डीएससी) के लिए 605 पद और अन्य अनुसूचित जातियों (ओएससी) के लिए 604 पद आरक्षित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया भी सीईटी स्कोर के आधार पर मेरिट और पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए की जाएगी। उन्होंने कहा कि नायब सरकार का यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के विजन को साकार करता है। बड़ौली ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा नॉन स्टॉप आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले हरियाणा परिवारवाद, क्षेत्रवाद जैसी कई बीमारियों से ग्रस्त था। युवाओं को लगता था कि नौकरियां नेताओं के चक्कर काटने से मिलती है।बड़ौली ने कहा कि 2014 में भाजपा की सरकार बनी और युवाओं को पारदर्शी तरीके से नौकरियां देने काम किया गया जो लगातार जारी है।

बिहार में बरसात में भी बालू की किल्लत नहीं होगी, 180 बालू घाटों से आपूर्ति होगी : विजय सिन्हा

एजेंसी

पटना । बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि इस वर्ष मानसून के दौरान प्रदेश में बालू की कोई किल्लत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि 15 जून से बरसात को लेकर बालू घाट बंद कर दिए जाते हैं, जिससे निर्माण कार्यों में बाधा आती है। लेकिन इस वर्ष सरकार ने समय से पहले तैयारी कर ली है, जिससे विकास योजनाएं या अन्य निर्माण कार्य बाधित नहीं होंगे।

खनन विभाग द्वारा आयोजित एक प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि मानसून के बाद भी राज्य के 180 बालू घाटों से बालू की आपूर्ति जारी रहेगी। इनमें 18 घाट सफेद बालू के हैं। बालू की कीमत शेड्यूल रेट पर तय की गई है, जिससे निर्माण कार्यों में कोई अतिरिक्त बोझ न पड़े। उन्होंने जोर देकर कहा कि 2024-25 में खनन विभाग को अब तक 3,569 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है, जो निर्धारित लक्ष्य से अधिक है। उन्होंने कहा कि खनन

विभाग के अंदर जो माफियाओं का वर्चस्व था, उसे समाप्त कर दिया गया है। यह राज्य की खनन नीति और प्रशासनिक कार्यक्षमता का प्रमाण है।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि पूर्व में सरेंडर किए गए 37 घाटों में से 29 घाटों की नीलामी प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है और 14 घाटों की नीलामी पूरी हो चुकी है। पीला बालू के कुल 457 घाटों में से फिलहाल 161 घाट सक्रिय हैं और इनसे बालू की आपूर्ति हो रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बालू की मांग को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की गई है और उन्हें बता दिया गया है कि अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें आवश्यकतानुसार खनन पट्टा भी दिया जाएगा। बालू, पत्थर और मिट्टी जैसे संसाधनों को लेकर कोई भी विभाग अपनी जिम्मेदारियों से पीछे न हटे। खनन विभाग सभी आवश्यक निर्माण संसाधनों की पर्याप्त आपूर्ति करने में सक्षम है और आपूर्ति की जाएगी।

जन सेवा का अप्रतिम उदाहरण बनी मुख्यमंत्री जन-सुनवाई

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील, सेवाभावी और सर्वस्पर्शी कार्यों की त्रिवेणी ने आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण करने का एक तंत्र सुविकसित किया है। जन सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता के साथ परिवेदनाओं को उसके निष्कर्ष तक पहुंचाना इस तंत्र का आधार है। इससे प्रदेश के युवा, महिला, मजदूर और किसान सहित सभी वर्गों को सुगम सुविधाएं और सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। मुख्यमंत्री श्री शर्मा के सुस्पष्ट निर्देशों की अनुपालना में जनता की समस्याओं का समयबद्धता निस्तारण किया जा रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई ने जनसेवा का अप्रतिम उदाहरण प्रस्तुत किया है।

मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता से मीनाक्षी करेगी अपने सपनों को पूरा

गंगापुर सिटी निवासी कैलाश चन्द्र सेन पारिवारिक आर्थिक तंगी के

कारण अपनी बेटी मीनाक्षी का स्थानीय विद्यालय में दाखिला नहीं करवा पा रहे थे। कैलाश ने जनसुनवाई में आकर मुख्यमंत्री शर्मा के समक्ष अपनी परिवेदना प्रस्तुत की। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बालिका का नजदीक के विद्यालय में प्रवेश दिलाने के निर्देश दिए। आज मीनाक्षी नजदीक के विद्यालय में आरटीई के तहत निःशुल्क अध्ययन कर रही है। वह नियमित स्कूल जाती है और बड़े गर्व से कहती है कि मैं आगे बढ़ूंगी और अपने माता-पिता का नाम रोशन करूंगी। साथ ही, सक्षम बन विकसित भारत-विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में भूमिका निभाऊंगी।मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे मुकेश ने जनसुनवाई में मुख्यमंत्री से आर्थिक सहायता के लिए निवेदन किया।

इस पर शर्मा ने संवेदनशीलता दिखाते हुए मुकेश को त्वरित राहत देने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देशों की पालना में अधिकारियों ने मुकेश का नाम खाद्य सुरक्षा में जुड़वाया। अब मुकेश को नियमित राशन उपलब्ध हो रहा है, जिससे उसे अपने परिवार का भरण-पोषण करने में बहुत संबल मिला है। प्रदेश के मुखिया भजनलाल शर्मा का धन्यवाद देते हुए मुकेश कहते हैं कि उनकी संवेदनशीलता एवं त्वरित निर्णयों से उन्हें बहुत राहत मिली है। इसके लिए मुख्यमंत्री का कोटि-कोटि आभार। ऑटो-रिक्शा चलाने वाले हरीश के बेटे रोहित का सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था।

मप्र के मंत्री विजय शाह पर हाई कोर्ट के आदेश के बाद इंदौर के मानपुर थाने में एफआईआर दर्ज

एजेंसी

इंदौर। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश के बाद आखिरकार पुलिस ने करीब 11 बजे प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। इंदौर के मानपुर थाना में उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

दरअसल, मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान दिया था। उन्हें आतंकियों की बहन बताया था। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने उनके इस बयान पर स्वतः संज्ञान लिया था। जबलपुर उच्च न्यायालय के जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस अनुराधा शुक्ला की बेंच ने डीजीपी को आज की तारीख में ही मंत्री शाह पर एफआईआर के निर्देश दिए थे। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश के बाद विजय शाह के खिलाफ धारा 152, 196(1)(बी) और 197(1)(सी) के तहत अपराध दर्ज किया गया है। दरअसल, उच्च न्यायालय ने कहा कि मंत्री विजय शाह का बयान सांप्रदायिकता को बढ़ाने वाला हैं। भारत की एकता अखंडता को खतरे में डालने का अपराध दर्ज करें। अगर एफआईआर दर्ज नहीं की गई तो डीजीपी पर कोर्ट की अवमानना की कार्रवाई होगी। उच्च न्यायालय ने पाया कि प्रथम दृष्टया भारतीय न्याय संहिता, 2023 (बीएनएस) के तहत मंत्री के खिलाफ अपराध सिद्ध होते हैं। भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 के तहत अपराध बनता है, जो भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्यों को अपराध घोषित करता है।

राजस्थान में युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य और सशक्तिकरण पर जोर: डॉ. नीरज कुमार पवन

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान युवा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार पवन ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। डॉ. पवन ने कहा कि बच्चे मानसिक रूप से स्वस्थ रहें, इसके लिए यूनिसेफ के सहयोग से युवा बोर्ड द्वारा स्टेट लेवल ऑनलाइन ट्रेनिंग ऑन मेंटल हेल्थ अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम ''मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता'' तीन चरण में मई माह के प्रत्येक शनिवार 17, 24 व 31 मई को ऑनलाइन

आयोजित किया जाएगा। डॉ. पवन ने कहा कि इसमें काउंसलर्स व एक्सपर्ट्स के माध्यम से लगभग दस हजार बच्चों से संवाद कर उन्हें जागरूक किया जाएगा। उन्हें मानसिक तनाव से दूर रहे सहित विभिन्न विषयों पर उचित मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में विकसित राजस्थान में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत राजस्थान युवा नीति-2025 बनाई गई है। इसी क्रम में राजस्थान युवा नीति-2025 के सफल क्रियान्वयन के लिए यूएनएफपीए के तकनीकी सहयोग से अंतर-विभागीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग एवं अध्यक्ष राजस्थान युवा बोर्ड डॉ. नीरज कुमार पवन द्वारा की गई।राजस्थान युवा नीति-2025 के सफल क्रियान्वयन के लिए बैठक में राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका, हरित विकास में युवाओं की भूमिका, शिक्षा और कौशल, उद्यमिता और रोजगार, स्वस्थ युवा, सामाजिक न्याय और जेंडर समानता पर मंथन किया गया।

इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा युवाओं के सर्वांगीण विकास की दिशा में किए जा रहे कार्यों से अवगत करवाया गया।बैठक में निदेशक, माध्यमिक शिक्षा विभाग, आशीष मोदी, स्टेट हेड यूएनएफपीए डॉ दीपेश गुप्ता, मनीष कुमार, यूनिसेफ के अधिकारी, सदस्य सचिव राजस्थान युवा बोर्ड कैलाश चंद पहाड़िया तथा विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

तुम्हारी स्कूल की छुट्टियां तो खत्म हो गई होंगी और स्कूल से मिला हॉलीडे होमवर्क भी तुमने खत्म कर लिया होगा। लेकिन तुममें से कितने बच्चों ने हैंडराइटिंग के 100 पेज पूरे किए। नहीं किए ना! बेचारी टीचर कह-कहकर थक जाती हैं कि रोज 10 पेज लिखकर हैंडराइटिंग का अभ्यास करो, लेकिन तुम लोग हमेशा इससे बचते हो। चलो आज हम जानते हैं हैंडराइटिंग की कहानी और क्या है इसका महत्व।

आईना है तुम्हारी लिखावट

क्या है हैंडराइटिंग

सबसे पहले तुम्हें समझना चाहिए कि हैंडराइटिंग क्या है? पेन या पेंसिल पकड़कर अक्षर बनाना ही केवल हैंडराइटिंग की परिभाषा नहीं है, बल्कि अलग-अलग इंसान के लिखने की अद्भुत कला को हैंडराइटिंग कहा जाता है और ये कैलिग्राफी और टाइपफेस से अलग होती है। तुम्हें पता है, हर इंसान की अपनी एक हैंडराइटिंग होती है और पूरी दुनिया में किसी भी इंसान की हैंडराइटिंग एक जैसी नहीं है। तुम्हें जानकर आश्चर्य होगा कि जुड़वां बच्चों की हैंडराइटिंग भी एकदम अलग होती है।

लेखन की शुरुआत

हैंडराइटिंग के इतिहास को लेकर लोगों के अपने-अपने मत हैं। कहा जाता है कि इसकी शुरुआत 3,300 ईसा पूर्व मेसोपोटामिया में हुई थी। उस समय किसी आदमी ने मिट्टी के बोर्ड पर राशन का रिकॉर्ड रखने के लिए पहली बार लिखा था। ब्रिटेन के एक म्यूजियम में इस बोर्ड को आज तक संभालकर रखा गया है। वहीं कुछ शोधकर्ताओं का ये भी मानना है कि 60,000 से 25,000 ईसा पूर्व आदमी हड्डियों और पत्थरों पर आड़ी-तिरछी लाइनें खींचा करता था, ठीक उसी तरह जिस तरह तुम लोग क्लास में बोर होते समय अपनी कॉपी में खींचते रहते हो। इसकी भी एक मजेदार कहानी है। पुराने समय में जब लोग जहाज लेकर जाते थे तो उस टापू की पहचान के लिए उसके पत्थरों पर बड़ी-बड़ी लकीरें खींच देते थे जिससे कोई और जहाज और उसके कर्मचारी वहां अपना ठिकाना न बनाएं।

कहती है बहुत कुछ..

तुम्हारी हैंडराइटिंग तुम्हारे बारे में बहुत कुछ बताती है। इसे ग्राफोलॉजी यानी हैंडराइटिंग एनालिसिस भी कहते हैं। तुम जिस तरह अक्षर बनाते हो, तराशते हो, इससे तुम्हारी 5000 तरह की पर्सनैलिटी का पता चलता है। साइकोलॉजी विषय में तुम्हारी हैंडराइटिंग की मदद से ही पता लगाया जाता है कि दिमाग सही काम कर रहा है या नहीं।

राइटिंग से जुड़ी मजेदार बातें

- नेपोलियन बोनापार्ट के बारे में तो तुम लोग जानते ही होगे। पता है, उनकी हैंडराइटिंग इतनी भयानक और भद्दी थी कि वह जब भी अपने कमांडर को कोई नोट लिखकर भेजते थे तो वह किसी युद्ध का मैप लगता था।
- कुछ लोगों का मानना है कि राइटिंग दुनिया में पिछले 5,000 सालों से है, वहीं कुछ शोधकर्ता मानते हैं कि यह 50,000 से 100,000 साल पुरानी है।
- यूरोप में 15वीं शताब्दी में केवल अमीर वर्ग के लोग ही अच्छी राइटिंग में लिखना जानते थे।
- अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन की हैंडराइटिंग इतनी सुंदर थी कि जब वह केवल 12 साल के थे, तब उनके नोट्स की एक कॉपी वॉशिंगटन की लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस में लगाई गई थी।
- अमेरिका में 1000 से भी ज्यादा ऐसे स्कूल हैं, जहां हैंडराइटिंग एक आवश्यक स्किल है। यानी तुम लोग जिस तरह बहाना बना देते हो, वे बच्चों हैंडराइटिंग के लिए बहाना भी नहीं बना पाते हैं।
- वैज्ञानिकों का मानना है कि साफ-सुथरे तरीके से लिखने से याददाश्त तेज होती है।

बनेगा बेहतर भविष्य

पता है अगर तुम साफ-सुथरी हैंडराइटिंग में लिखते रहोगे तो तुम्हारा भविष्य बेहतर बन सकता है। अच्छे लेखन और राइटिंग का प्रभाव दूसरे व्यक्ति पर जरूर पड़ता है। हो सकता है कि तुम अपनी सुंदर हैंडराइटिंग के कारण कैलिग्राफी आर्टिस्ट, राइटिंग आर्टिस्ट, शिक्षक और लेखक आदि बन जाओ। स्कूल में भी अपने टीचर की नजर में तुम नंबर वन छात्र बन सकते हो। स्कूल में भी सुलेख प्रतियोगिताएं होती ही रहती हैं। अपनी हिंदी और अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं की राइटिंग सुधारो और इन प्रतियोगिताओं के चैंपियन बनकर दिखाओ। देखना, हर तरफ तुम्हारी वाहवाही होगी।

राइटिंग स्किल भी जरूरी

राइटिंग में कुछ रचनात्मकता भी झलकनी चाहिए और इसी रचनात्मकता को कहते हैं राइटिंग स्किल। तुम्हारी हैंडराइटिंग और तुम्हारे ज्ञान का मिश्रण ऐसा होना चाहिए कि तुम्हें कोई भी विषय दे दिया जाए और तुम फट से उस पर लिख डालो। तुम्हारे शिक्षक भी उन बच्चों से बेहद खुश रहते होंगे, जिनकी हैंडराइटिंग और राइटिंग स्किल अच्छी होती होगी, इसलिए अभ्यास जरूरी है। निरंतर अभ्यास करते रहने से तुम निबंध, अनुच्छेद, पत्र, संवाद, चित्र और डायरी लेखन बिना किसी हिचकिचाहट के आसानी से कर सकोगे।

अक्षर का पुराना इतिहास

देखो, हैंडराइटिंग को सुंदर बनाने के लिए एक-एक अक्षर को सुडौल और खूबसूरत बनाना पड़ता है। इन प्यारे-प्यारे अक्षरों की भी एक कहानी है। पहले अक्षर की खोज 1900 ईसा पूर्व सीनाई पेनिनसुला के लोगों ने की थी। इन सेमिटिक लोगों को मिस्र ने गुलाम बना रखा था। ये लोग हमेशा सोचते रहते कि अक्षरों की अपनी एक दुनिया है और हर शब्द की अपनी एक ध्वनि भी है। उन्हें समझ में आया कि अक्षर से चीजें याद रखने में बेहद मदद मिलती है, वहीं संकेत तो वे भूल जाते हैं। इसके बाद उन्होंने 22 मिस्र के संकेतों को अपने संकेतों के साथ मिलाया और पहले अक्षर की रचना की। इसके बाद वे इन अक्षरों का प्रयोग कुछ प्रचलित चीजों के लिए करने लगे जैसे घर, हाथ, पानी, आंख और मछली।

नेशनल हैंडराइटिंग डे

जिस तरह तुम लोग टीचर्स डे, रिपब्लिक डे और फादर्स डे सेलिब्रेट करते हो, वैसे ही कई देशों में हैंडराइटिंग डे भी मनाया जाता है। यह दिन हर वर्ष 23 जनवरी को आता है। इस दिन बच्चों अपने-अपने घरों में, स्कूलों में कम से कम एक पेज जरूर लिखते हैं। बच्चों की हैंडराइटिंग का विकास बचपन से शुरू हो जाता है। इसलिए निरंतर अभ्यास करना जरूरी है। अगर बच्चा उल्टे हाथ से लिखना शुरू कर रहा है तो उस पर ध्यान देने की थोड़ी अधिक जरूरत है। इसके लिए अभिभावक उसका हाथ पकड़कर और बिंदु बनाकर उसका अभ्यास करवाएं।

ऐसे सुधार सकते हो लिखावट..

रोज लिखो - तुम रोज कम से कम पांच पन्ने लिखने की आदत डालो। इस तरह तुम्हारी हैंडराइटिंग खुद-ब-खुद सुधर जाएगी और तुम्हें लिखने में मजा आने लगेगा।

स्पेलिंग पर ध्यान - लिखते समय स्पेलिंग की गलती का जरूर ध्यान रखना। जब तुम रोज अभ्यास करो, तब किसी बड़े से एक बार जरूर अपने पेज को पढ़वा लो, इस तरह तुम्हारी हैंडराइटिंग का भी आकलन हो जाएगा और तुम्हारी स्पेलिंग की गलतियां भी सामने आ जाएंगी।

बनाओ प्यारी सी डायरी - देखो हैंडराइटिंग के अभ्यास के लिए तुम्हारी नोटबुक भी खास होनी चाहिए, इसलिए एक प्यारी सी डायरी खरीदो और रोज उस पर ही अभ्यास करो। इस तरह तुम्हें अपनी डायरी से प्यार होगा और तुम्हें लिखना भी अच्छा लगने लगेगा।

ग्रीटिंग कार्ड बनाओ - तुम अपने मम्मी-पापा, टीचर और भाई-बहनों के लिए खुद से कार्ड बनाओ और उस पर लिखो। इससे भी तुम्हारा अभ्यास होता रहेगा।

चिट्ठी करेगी मदद - आज मोबाइल के जमाने में चिट्ठी का दस्तूर एकदम खत्म हो गया है, लेकिन तुम इस परंपरा को फिर से शुरू कर सकते हो। बस झट से कागज-कलम उठाओ और अपने किसी रिश्तेदार को चिट्ठी लिखो। देखना, तुम्हारी हैंडराइटिंग में कितना सुधार आता है।

अच्छी कलम-पेंसिल का इस्तेमाल - अच्छी हैंडराइटिंग में बढ़िया पेन और पेंसिल का भी बेहद योगदान होता है, इसलिए इन चीजों में कभी कंजूसी मत करना। तुम जितना अच्छा पेन या पेंसिल इस्तेमाल करोगे, तुम्हारा सुलेख उतना सुंदर होगा।

फाउंटेन पेन - जब तुमने पहली बार पेन से लिखना शुरू किया होगा, तब तुम्हारी टीचर ने फाउंटेन पेन से लिखने की सलाह दी होगी। फाउंटेन पेन से हैंडराइटिंग बेहद अच्छी होती है।

आत्मविश्वास जरूरी - अच्छी हैंडराइटिंग के लिए आत्मविश्वास भी बेहद जरूरी है। हर समय बस ये मत सोचो कि मेरी राइटिंग तो कितनी गंदी है, बल्कि ये सोचो कि मुझे अपनी हैंडराइटिंग सबसे बेहतर करनी है।

लिखो बोर्ड पर - अक्षरों को बेहतर शेप देने के लिए व्हाइट या ब्लैक बोर्ड पर लिखना शुरू कर दो। इससे तुम्हारा हाथ सेट होगा और तुम फिर कॉपी पर भी अच्छा लिखना शुरू कर दोगे।

देखो दोस्तों की राइटिंग - दूसरों से सीखकर तुम बहुत कुछ सीख सकते हो। अपने दोस्तों की हैंडराइटिंग देखकर भी प्रेरणा ले सकते हो।

अपनाओ अपना स्टाइल - तुम जिस तरह लिखने में आरामदायक महसूस करते हो, वैसे ही लिखो। ये कतई जरूरी नहीं कि तुम्हारा दोस्त कर्सिव लिख रहा है तो तुम भी वैसे ही लिखो। तुम अपना खुद का राइटिंग स्टाइल अपनाओ। **कंप्यूटर को 'नो'** - हर समय लिखने के लिए कंप्यूटर, टाइपराइटर और अन्य शॉर्टकट अपनाने से बचो। छोटे से छोटे नोट, घर की लिस्ट भी हाथ से लिखो।

जानो आइसक्रीम की हिस्ट्री

बच्चों! आइसक्रीम हर किसी को ललचाती है। आज बाजार में आइसक्रीम वनीला, चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, मैंगो, पाइनऐपल आदि के स्वाद के साथ कोन, कप, स्टिक आदि के आकर्षक पैकेज में मौजूद है, लेकिन क्या आपको पता है कि आखिर तरह-तरह की वेरायटी वाली आइसक्रीम बनी कैसे, इसकी शुरुआत कब और कैसे हुई? आइए जानें इस बारे में..

वैसे यह निश्चित रूप से मालूम नहीं है कि सबसे पहले आइसक्रीम कैसे बनी और इसकी शुरुआत कैसे हुई, लेकिन एक किंवदंती के अनुसार, लगभग दो हजार साल पहले रोमन सम्राट नीरो ने अपने गुलामों से कहा था कि वे पास के पहाड़ों से बर्फ ले आयें। नीरो ने उस बर्फ में फलों का रस, शहद आदि मिलाया और उसका आनंद लिया. इसे ही आइसक्रीम की शुरुआत माना जा सकता है। समय बीतने के साथ लोग बर्फ में अन्य स्वादिष्ट चीजें मिलाकर खाने लगे और सन् 1600 तक आइसक्रीम काफी लोकप्रिय हो चुकी थी। इसके बाद लोग अनेक प्रकार के प्रयोग करके इसे नया-नया रूप, आकार व स्वाद देकर और लोकप्रिय बनाते चले गये। एक बार पार्टियों में वेटर का काम करने वाले रॉबर्ट ग्रीन नामक व्यक्ति ने मजबूरीवश एक प्रयोग कर डाला। उस समय क्रीम और कार्बोनेटेड पानी मिला कर एक पेय बनाया जाता था जो कई दशकों तक खासा लोकप्रिय रहा था। एक पार्टी में उस पेय के लिए क्रीम कम पड़ गई। ग्रीन ने उसकी जगह वनीला आइसक्रीम डाल दी। आइसक्रीम एक फोम के रूप में गिलास में ऊपर तक भर गई और वह घोल काफी स्वादिष्ट बन पड़ा था और जल्दी ही वह लोकप्रिय हो गया। इसे आइसक्रीम सोडा के नाम से पुकारा जाने लगा। इसी तरह के मजबूरीवश किये प्रयोगों ने अन्य प्रकार की आइसक्रीम्स को जन्म दिया।

संडे आइसक्रीम

स्मिथसन नामक व्यक्ति के पास एक छोटा-सा रेस्त्रं था, जिसमें लोग आइसक्रीम खाने अक्सर आते थे. 1890 के एक रविवार के दिन उसके रेस्त्रं में आइसक्रीम कम पड़ने लगी और दूसरी चीजें, जैसे फल, विभिन्न प्रकार की चॉकलेटें, क्रीमें आदि काफी थीं। रविवार को आइसक्रीम की आपूर्ति नहीं होती थी इसलिए स्मिथसन ने आइसक्रीम की मात्र कम कर दी तथा उसके ऊपर फल, चॉकलेट सिरप और दूसरी गाढ़ी क्रीम डालना प्रारंभ कर दिया। जब ग्राहकों ने इसकी तारीफ करना प्रारंभ कर दिया तो उसने इस आइसक्रीम का नाम संडे आइसक्रीम रख दिया। अब वह हर रविवार को संडे आइसक्रीम देने लगा। धार्मिक कारणों से कुछ लोगों द्वारा संडे नाम का विरोध करने पर स्मिथसन ने संडे आइसक्रीम में संडे की स्पेलिंग बदल डाली।

कोन वाली आइसक्रीम

कुरकुरे कोन में आइसक्रीम खाने का अलग ही आनंद है। इसकी शुरुआत भी मजबूरी में ही हुई। 1904 में सेंट लुई मेले में दो व्यक्ति खाने की वस्तुओं के काऊंटर पर अगल-बगल खड़े थे। एक पेपर की प्लेटों में आइसक्रीम बेच रहा था और दूसरा वेफर पर (पेस्ट्री जैसा लगने वाला) जिसके ऊपर चीनी के दाने चिपके हुए थे। अगस्त का महीना था और लोग धड़ाधड़ आइसक्रीम ले रहे थे। वेफर बेचने वाला मुंह ताक रहा था। तभी अचानक कागज की प्लेटें कम पड़ गईं और आइसक्रीम वाले को लगा कि अब उसे अपना काऊंटर बंद करना पड़ेगा। तभी वेफर बेचने वाला उसकी मदद के लिए आगे आया। उसने वेफल से कोन बनाया और दोनों उसमें आइसक्रीम भर कर बेचने लगे। लोगों को कुरकुरा वेफ र आइसक्रीम के साथ बहुत भाया तथा अब वह खूब बिकने लगा। 1920 तक एक-तिहाई आइसक्रीम कोन में बिकने लगी।

चॉकलेट आइसक्रीम

एक दिन क्रिश्चियन नेल्सन नामक व्यक्ति अमेरिका के आयोवा में स्थित अपनी दुकान में आइसक्रीम व चॉकलेट बेच रहा था। तभी एक बालक हाथ में सिक्के लिए दुकान में आया और आइसक्रीम की फरमाइश की। फिर उसने इरादा बदल दिया और चॉकलेट की फरमाइश कर डाली। नेल्सन को लगा कि यह बालक तभी संतुष्ट हो पायेगा जब उसे दोनों स्वाद मिलेंगे। उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस काटी तथा उसके दोनों ओर चॉकलेट की पतली परत चिपका दी और तभी चॉकलेट आइसक्रीम की खोज हो गयी। अब वह नयी चॉकलेट वाली आइसक्रीम जमाने लगा। उसने इस दिशा में अनेक प्रयोग भी कर डाले ताकि चॉकलेट उसकी आइसक्रीम से भली प्रकार चिपक जाये। उसे सफलता आसानी से नहीं मिल रही थी। तभी उसको एक सेल्समैन ने सलाह दी कि वह कोको बटर का प्रयोग करे। अब नेल्सन ने नये सिरे से प्रयोग प्रारंभ कि ये। 1920 में एक रात उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस चॉकलेट के मिश्रण में डाली। कुछ देर बाद चॉकलेट ठंडा होकर आइसक्रीम के चारों ओर जम गया। इसके साथ ही चॉकलेट लगी आइसक्रीम खासी लोकप्रिय हो गई।

स्पोर्ट्सस्किल ने लॉन्च किया 'चैंपियंस क्लब एलीट पास', उभरते एथलीटों को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के होनहार युवा खिलाड़ियों को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से स्पोर्ट्स टेक प्लेटफॉर्म स्पोर्ट्सस्किल ने 'चैंपियंस क्लब एलीट पास' की शुरुआत की है। यह पास सिर्फ एक विशेषाधिकार नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जो टॉप रैंक वाले खिलाड़ियों को देश के सर्वश्रेष्ठ संसाधनों, विशेषज्ञों और अवसरों से जोड़ता है भारत के सबसे प्रतिष्ठित खेल संस्थानों में से एक क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने इस एलीट पास को समर्थन देकर इस पहल को ऐतिहासिक बना दिया है। यह पहला अवसर है जब देश का कोई शीर्ष क्लब इस प्रकार के खेल विकास मिशन से जुड़ा है। सीसीआई का समर्थन सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं बल्कि यह एक शक्तिशाली संदेश है कि भारत के शीर्ष क्लब अब अगली पीढ़ी के चैंपियनों को सशक्त बनाने के लिए आगे आ रहे हैं। भारत के महान रैकेट स्पोर्ट्स खिलाड़ी और यू.एस. स्क्वैश हॉल ऑफ फेम में शामिल अनिल नायर ने इस पहल की प्रशंसा की है। 28 बार के नेशनल चैंपियन और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र अनिल नायर ने कहा, ÷चैंपियंस क्लब एलीट पास विजेता खिलाड़ियों, क्लब सदस्यों और जूनियर्स – तीनों के लिए फायदे का सौदा है। इस तरह के सोशल इंटरैक्शन से खेल का प्रचार और क्लब की ब्रांडिंग दोनों में मदद मिलती है। यह शानदार विचार है।

वाराणसी के शेख जिशान ने खेलो इंडिया नेशनल यूथ गेम्स 2025 में ट्रिपल जंप में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

पटना/वाराणसी। बिहार की राजधानी पटना में आयोजित हो रहे खेलो इंडिया नेशनल यूथ गेम्स 2025 में वाराणसी के विकास इंटर कॉलेज के छात्र व उभरते हुए एथलीट शेख जिशान ने ट्रिपल जंप में शानदार प्रदर्शन करते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया है। शेख जिशान ने 15.66 मीटर की शानदार छलांग लगाकर न केवल स्वर्ण पदक अपने नाम किया, बल्कि इस प्रतियोगिता में इतिहास भी रच दिया सातवें खेलो इंडिया नेशनल यूथ गेम्स 2025 का आयोजन पटना में 04 मई से शुरू हुआ है और यह 15 मई तक चलेगा। इस आयोजन में देशभर से हजारों युवा एथलीट विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। बिहार सरकार और खेल मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और खेलों में भारत का नाम रोशन करना है। शेख जिशान ने ट्रिपल जंप के फाइनल में 15.66 मीटर की छलांग लगाकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। उन्होंने कहा कि %यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। मैंने इसके लिए दिन-रात मेहनत की थी, और मेरे कोच और परिवार का समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है।% विशेषज्ञों का मानना है कि अगर जिशान इसी तरह मेहनत करते रहे, तो वह जल्द ही अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं जैसे एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

पंजाब एफसी ने जमशेदपुर एफसी को हराकर जीता एआईएफएफ अंडर-17 एलीट यूथ लीग का खिताब

गुवाहाटी। पहले हाफ में किए गए चार गोलों की बदौलत पंजाब एफसी ने जमशेदपुर एफसी को 4-1 से हराकर इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में खेले गए एआईएफएफ अंडर-17 एलीट यूथ लीग 2024-25 के फाइनल का अपने नाम किया। करिश सोराम, आशीष लोहार, विकास किस्कु और उशाम थौंगाम्बा सिंह ने 11 मिनट के अंतराल में चार गोल दागकर टीम की जीत सुनिश्चित की। पंजाब एफसी ने फाइनल राउंड प्लेऑफ के तीन मुकाबलों में से दो जीतकर नॉकआउट चरण में जगह बनाई थी। उन्होंने सुदेवा दिल्ली और एफसी गोवा के खिलाफ क्रमशः 5-0 और 6-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया था। इस दौर में उनकी एकमात्र हार एआईएफएफ फीफा टैलेंट अकादमी के खिलाफ 4-5 के नौ गोलों वाले रोमांचक मुकाबले में हुई। क्वार्टरफाइनल में पंजाब एफसी ने बंगाल फुटबॉल अकादमी को 6-2 से हराया, जबकि सेमीफाइनल में एफसी मद्रास के खिलाफ कड़े मुकाबले में 3-2 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। कोच रमेश गंगाराम बिस्टा के नेतृत्व में टीम ने ज़ोनल राउंड क्वालिफायर में शीर्ष स्थान हासिल कर टूर्नामेंट के फाइनल राउंड के लिए क्वॉलीफाई किया था।

भारत ने सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप में नेपाल को 4-0 से हराया

यूपिया। भारतीय फुटबॉल टीम नेपाल पर 4-0 से बड़ी जीत दर्ज कर सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप के ग्रुप बी में शीर्ष स्थान पर रही। गोल्डन जुबली स्टेडियम में रात खेले गये मुकाबले में मेजबान भारतीय टीम टीम ने प्रत्येक हाफ में दो गोल किए। भारत के लिए रोहेन सिंह चपहामायुम ने (28वें, 76वें) मिनट में गोल किए, जबकि स्थानीय खिलाड़ी ओमंग डोडम ने (29वें) और डैनी मेइतेई ने (84वें)मिनट में एक-एक गोल किया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ग्रुप बी में दो मैचों में छह अंक लेकर शीर्ष पर है। वहीं नेपाल दो मैचों में तीन अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहा। भारतीय टीम ग्रुप ए के उपविजेता मालदीव से भिड़ेगी।

आईपीएल 2025: अब टीमें विदेशी खिलाड़ियों की जगह ले सकेंगी नए खिलाड़ी, लेकिन नहीं कर सकेंगी रिटेन

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के अंतिम चरण से पहले बड़ा बदलाव किया गया है। बीसीसीआई ने घोषणा की है कि टीमें अब विदेशी खिलाड़ियों की अनुपलब्धता की स्थिति में अस्थायी स्थानापन्न खिलाड़ी को शामिल कर सकती हैं। यह निर्णय उन खिलाड़ियों की अनुपस्थिति को देखते हुए लिया गया है जो या तो राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं, निजी कारणों या स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण टूर्नामेंट में भाग नहीं ले पा रहे हैं।आईपीएल फ्रेंचाइजियों को भेजे गए आधिकारिक नोट में कहा गया है,जो खिलाड़ी इस समय से लिए जा रहे हैं, वे अगले वर्ष रिटेन नहीं किए जा सकेंगे। उन्हें आईपीएल 2026 की नीलामी के लिए फिर से पंजीकरण कराना होगा।

12वें मैच के बाद अस्थायी खिलाड़ी नहीं जोड़ने का नियम हुआ खत्म

सीजन की शुरुआत में जारी नियम पुस्तिका के अनुसार, कोई भी टीम अपने 12वें लीग मैच के बाद

अस्थायी खिलाड़ी नहीं जोड़ सकती थी। लेकिन भारत-पाकिस्तान तनाव के चलते टूर्नामेंट को 8 मई से निलंबित करना पड़ा, जिससे यह अपवाद स्थिति बन गई। इस अभूतपूर्व स्थिति को देखते हुए, आईपीएल अधिकारियों ने नियमों में संशोधन कर दिया है।

कई विदेशी खिलाड़ी लौटे, कुछ नहीं होंगे वापस

धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबले के अगले दिन जब सुरक्षा कारणों से स्टेडियम खाली कराया गया और टूर्नामेंट को रोका गया, तब से अधिकांश विदेशी खिलाड़ी अपने देशों को लौट चुके थे।

हालांकि, आईपीएल के दोबारा शुरू होने पर अधिकांश विदेशी खिलाड़ी वापसी करेंगे, लेकिन जो खिलाड़ी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल का हिस्सा हैं या जिनके परिवार उन्हें भारत लौटने की अनुमति नहीं दे रहे, वे वापस नहीं आएंगे। इससे किसी भी टीम को नुकसान न हो, इसीलिए यह अस्थायी विकल्प का रास्ता खुला गया है।

दिल्ली कैपिटल्स का उदाहरण: इस नए नियम का पहला उदाहरण दिल्ली कैपिटल्स की टीम में देखने को मिला है, जहां मुस्ताफिजुर रहमान को जेक फ्रेजर-मैकगर्क के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है। इसका मतलब यह है कि रहमान को अगली सीजन के लिए रिटेन नहीं किया जा सकेगा, लेकिन मैकगर्क को टीम में बनाए रखा जा सकता है। आईपीएल 2025 में नियमों में किया गया यह बदलाव संकट की स्थिति में लीग की लचीलापन और निष्पक्षता बनाए रखने का एक प्रयास है, जिससे हर टीम को बराबरी का मौका मिल सके।

श्नाइडर को हराकर जैस्मीन पाओलिनी इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल में

एजेंसी

रोम। इटली की टेनिस खिलाड़ी जैस्मीन पाओलिनी ने रूस की डायना श्नाइडर को हराकर इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। छठी वरीयता प्राप्त पाओलिनी ने मंगलवार को खेले गये वर्षा बाधित मुकाबले में रूस की श्नाइडर पर 6-7 (1-7) 6-4 6-2 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ वह 2014 के बाद अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली इटली की महिला टेनिस खिलाड़ी बन गईं। सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद पाओलिनी ने कहा, 'यह वास्तव में कठिन मैच था। मैं बहुत खुश हूं कि मैंने मुकाबला जीता, लेकिन यह एक रोलर कोस्टर था। हर कदम पर मैंने एक नई तरकीब खोजी। मैंने अंत तक संघर्ष किया। निश्चित रूप से दर्शकों ने मेरी मदद की। इसलिए मैं जीत से वास्तव में बहुत खुश हूं।'

दक्षिण कोरिया के स्टार फुटबॉलर सोन ह्युंग-मिन के खिलाफ ब्लैकमेलिंग की कोशिश, शिकायत दर्ज

एजेंसी

सियोल। टोटेनहम हॉटस्पर के कप्तान और दक्षिण कोरियाई फुटबॉल स्टार सोन ह्युंग-मिन ने एक महिला द्वारा झूठे गर्भावस्था के दावे को लेकर ब्लैकमेल किए जाने की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है। यह जानकारी गुरुवार को उनकी एजेंसी 'सोन एंड फुटबॉल लिमिटेड' ने दी।

सोन ह्युंग-मिन इस मामले में पूरी तरह पीड़ित हैं

सोन की एजेंसी ने बयान जारी करते हुए कहा, फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। जैसे ही परिणाम सामने आएंगे, हम जानकारी साझा करेंगे। हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि सोन ह्युंग-मिन इस मामले में पूरी तरह से पीड़ित हैं।

महिला और उसके सहयोगी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस ने 20 के दशक की एक महिला और 40 के दशक के एक पुरुष को गिरफ्तार किया है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने झूठे गर्भावस्था दावे के जरिए सोन से पैसे ऐंठने की कोशिश की। मामले की जांच सियोल के गंगनम पुलिस स्टेशन द्वारा की जा रही है। हालांकि

पुलिस की ओर से इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी अभी नहीं की गई है।

कोरिया में बेहद लोकप्रिय हैं सोन ह्युंग-मिन

32 वर्षीय सोन ह्युंग-मिन न केवल इंग्लैंड के प्रीमियर लीग में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, बल्कि कोरिया की राष्ट्रीय टीम के कप्तान के तौर पर भी वे देश में बेहद सम्मानित और लोकप्रिय चेहरा हैं। उनके खिलाफ इस प्रकार का मामला सामने आना उनके फैंस के लिए चौंकाने वाला है।

रियल मैड्रिड की आखिरी पलों में जीत, बार्सिलोना की जश्न की उम्मीदों को झटका

एजेंसी

मैड्रिड। सैंटियागो बर्नाबेउ स्टेडियम में बुधवार देर रात खेले गए मुकाबले में रियल मैड्रिड ने अंतिम समय में गोल दागकर आरसीडी मल्लोर्का को 2-1 से हराया और बार्सिलोना की ला लीगा खिताब जीतने की उम्मीदों को फिलहाल के लिए टाल दिया।

बार्सिलोना की खिताबी उम्मीदों को लगा विराम

इस जीत के साथ ही मैड्रिड ने अंक तालिका में बार्सिलोना से फासला घटाकर 4 कर दिया है। अब यदि गुरुवार को बार्सिलोना अपने पड़ोसी क्लब एस्पानयोल को हरा देता है, तो वह खिताब अपने नाम कर सकता है। इससे पहले, रविवार को 'एल क्लासिको' में बार्सिलोना के हाथों हार झेलने के बाद रियल मैड्रिड के पास यह मुकाबला जीतने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

वैलजेंट के शुरुआती गोल से पिछड़ा मैड्रिड

मैच की शुरुआत में मल्लोर्का ने आक्रामक अंदाज़ दिखाया और 11वें मिनट में मार्टिन वैलजेंट ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। मैड्रिड की ओर से कई प्रयास हुए, लेकिन मल्लोर्का के गोलकीपर लियो रोमन ने शानदार बचाव करते हुए पहले हाफ में जूड

बेलिंघम, किलियन एम्बाप्पे और फेडे वाल्वर्डे को गोल करने से रोके रखा।

एम्बाप्पे और जैकोबो ने पलट दिया मैच

दूसरे हाफ में आखिरकार 68वें मिनट में किलियन एम्बाप्पे ने बेहतरीन फुटवर्क दिखाते हुए तीन डिफेंडरों को छकाया और गेंद को नेट में डालकर स्कोर 1-1 कर दिया। यह इस सीजन में एम्बाप्पे का 40वां गोल था। जब मैच ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था, तभी इंजरी टाइम के 95वें मिनट में 20 वर्षीय डिफेंडर जैकोबो रामोन ने गिरती हुई गेंद को गोलकीपर के ऊपर से नेट में डालकर मैड्रिड को जीत दिला दी।

अनचेलोटी की विदाई से पहले जज्बा दिखा रही है टीम

मैड्रिड के कोच कार्लो अनचेलोटी सीज़न के बाद ब्राज़ील की राष्ट्रीय टीम की कमान संभालने जा रहे हैं। चोटिल खिलाड़ियों के चलते मैड्रिड की टीम इस मैच में विनीसियस जूनियर और रोड्रिगो जैसे खिलाड़ियों के बिना उतरी, लेकिन युवा खिलाड़ियों ने बेहतरीन जज्बा दिखाया। वहीं मल्लोर्का की टीम यूरोपीय टूर्नामेंट में क्वालिफाई करने की दौड़ में बनी हुई है और इस मैच में उसने भी दमदार खेल दिखाया। अब निगाहें गुरुवार को होने वाले बार्सिलोना बनाम एस्पानयोल मुकाबले पर होंगी, जहां जीत के साथ ही बार्सिलोना अपना 28वां ला लीगा खिताब हासिल कर सकता है।

शेफर्ड और लिविंगस्टोन की आरसीबी में वापसी, प्लेऑफ से पहले टीम को मिला बूस्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के रिवाइज्ड शेड्यूल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को बड़ा फायदा मिला है। वेस्टइंडीज ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड और इंग्लैंड के लियम लिविंगस्टोन टीम में दोबारा शामिल हो गए हैं। शेफर्ड के साथ कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाड़ी आंद्रे रसेल, सुनील नरेन और मेंटर ड्वेन ब्रावो भी भारत लौटे हैं। शेफर्ड वेस्टइंडीज की उस वनडे टीम का हिस्सा हैं जो 29 मई से इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज खेलेगी। संयोग से यही तारीख आईपीएल 2025 के प्लेऑफ की भी है। अब तक क्रिकेट वेस्टइंडीज ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि इंग्लैंड दौरे पर जाने वाले खिलाड़ी आईपीएल के बचे हुए

मुकाबले खेल पाएंगे या नहीं।

लिविंगस्टोन की वापसी, बेटेल दो मैचों के लिए उपलब्ध

लियम लिविंगस्टोन अब आरसीबी से जुड़ चुके हैं। उन्हें इंग्लैंड की वनडे और टी20 टीम से ड्रॉप कर दिया गया है, जिससे वे आईपीएल के अंत तक उपलब्ध रहेंगे। वहीं जैकब बेटेल पहले ही टीम से दोबारा जुड़ चुके हैं और केकेआर तथा सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अगले दो मैचों में खेलेंगे। इसके बाद वे इंग्लैंड लौट जाएंगे। उन्हें इंग्लैंड की जिम्बाब्वे के खिलाफ 29 मई से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज में नहीं चुना गया है।

फिल सॉल्ट पूरे सीजन के लिए उपलब्ध

फिल सॉल्ट, जिनकी बीमारी के चलते बेटेल को डेब्यू का मौका मिला, अब पूरी तरह फिट हैं और आईपीएल के बाकी बचे मैचों में उपलब्ध रहेंगे। वे इंग्लैंड की केवल टी20 टीम में शामिल हैं और वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज 6 जून से शुरू होनी है, जो आईपीएल फाइनल के तीन दिन बाद है।

आरसीबी प्लेऑफ के करीब

आरसीबी 11 मैचों में 16 अंकों के साथ टॉप-4 की रेस में मजबूत स्थिति में है। टीम को प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने के लिए अब केवल कुछ और पॉइंट्स की जरूरत है। हालांकि, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों की उपलब्धता पर अंतिम फैसला आने वाले दिनों में होगा, जो टीम की रणनीति को प्रभावित कर सकता है।

बरौनी की फुटबॉल क्रांति : दिल की चोट बनी जीत की विरासत

एजेंसी

बेगूसराय/पटना। बिहार के बेगूसराय की फिजाओं में फुटबॉल का रंग घुला है और यह सिर्फ फ्लाईओवर के खंभों पर लिखा एक नारा नहीं है, यह एक खामोश क्रांति की दास्तान है, जो बिहार के एक गुमनाम कोने में टूटी हड्डियों और आहत स्वाभिमान के साथ शुरू हुई थी। राजधानी पटना की भागदौड़ से दूर बरौनी के एक शांत मुहल्ले में फुटबॉल यूं ही नहीं आ गई। इसे अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। स्वतंत्रता सेनानी यमुना भगत की विरासत के रूप में पहचाना जाने वाला यह मैदान लगभग 80 साल पहले फुटबॉल का अप्रत्याशित घर बन गया था। वहीं, इस कहानी का असली मोड़ वर्ष 1990 में आया, जब स्थानीय लड़कियों की एक अनुभवहीन और आत्मविश्वास से रहित टीम एक प्रदर्शनी मैच में मुजफ्फरपुर की धुरंधर टीम के सामने बुरी तरह हार गई। यह हार मैदान की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित मैच में सिर्फ शारीरिक चोटें नहीं दे गई बल्कि हर खिलाड़ी के आत्मसम्मान को भी गहरा आघात पहुंचा गई। कुछ लड़कियां लंगड़ाती हुई लौटीं, कुछ को स्ट्रेचर पर ले जाना पड़ा और सबके जख्म जिस्मानी दर्द से कहीं ज्यादा गहरे थे। उस अपमानजनक हार ने शर्मिंदगी नहीं बल्कि एक दृढ़ संकल्प को जन्म दिया। पूर्व फुटबॉलर और स्थानीय शिक्षक चंद्रशेखर, जिनकी बातों में पीढ़ियों का अनुभव झलकता है, उस दिन को याद करते हुए कहते हैं, हमें अपमानित किया गया था लेकिन हमने उस दर्द को एक मकसद में बदल दिया।

आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा कायम, भारत ने इंग्लैंड से घटाया फासला

एजेंसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा महिला वनडे टीम रैंकिंग में सालाना अपडेट जारी कर दिया गया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने एक बार फिर अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। हालांकि इंग्लैंड के मुकाबले उनकी बढ़त में चार अंकों की कमी आई है, लेकिन टीम अब भी बाकी देशों से काफी आगे बनी हुई है। यह अपडेट मई 2022 से अप्रैल 2024 के बीच खेले गए मैचों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जबकि अक्टूबर 2021 से अप्रैल 2022 तक खेले गए मैचों को हटाया गया है। इनमें 2022 महिला विश्व कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट भी शामिल हैं, जिनके नतीजे अब रैंकिंग में नहीं गिने जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया का अपराजेय प्रदर्शन: ऑस्ट्रेलिया की टीम ने इस

अवधि में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने भारत के खिलाफ दो बार 3-0 से जीत, बांग्लादेश और इंग्लैंड को भी 3-0 से हराया। इसके अलावा वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ 2-0 और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2-1 से सीरीज अपने नाम की। इसी के चलते उनकी रेटिंग 167 अंकों पर बनी हुई है।

भारत ने घटाया इंग्लैंड से फासला

इंग्लैंड इस सूची में दूसरे स्थान पर है और उसके 127 अंक हैं। भारत तीसरे पायदान पर बना हुआ है, लेकिन अब उसने इंग्लैंड से फासला 11 अंकों से घटाकर 6 अंक कर लिया है। भारत ने हाल ही में श्रीलंका में एक त्रिकोणीय सीरीज़ जीती और आयरलैंड, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका को 3-0 तथा न्यूजीलैंड को 2-1 से हराया।

अन्य टीमों की स्थिति

दक्षिण अफ्रीका के रेटिंग में 9 अंकों की गिरावट आई है, लेकिन वह पांचवें स्थान पर बना हुआ है। वेस्टइंडीज की टीम 10 अंकों की गिरावट के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गई है और बांग्लादेश व पाकिस्तान ने उन्हें पीछे छोड़ दिया है। वहीं, अमेरिका (यूएसए) को एकदिनी दर्जा गंवाने के कारण सूची से बाहर कर दिया गया है, और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को उनकी जगह दी गई है। हालांकि, यूएई को रैंकिंग में शामिल होने के लिए कम से कम आठ वनडे मैच खेलने होंगे।

नेशनल कैंप में वापसी से उत्साहित सेल्वम कार्ति ने कहा- अब लक्ष्य है टीम में जगह बनाना और गोल करना

नई दिल्ली। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम तैयारियों में जुटी हुई है, जहां उनका मुकाबला नीदरलैंड्स, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम जैसी दिग्गज टीमों से होगा। इस अहम सीरीज़ से पहले भारतीय कैंप में एक नाम फिर से चर्चा में है, फारवर्ड सेल्वम कार्ति, जिन्होंने करीब 9 महीनों बाद राष्ट्रीय सेटअप में वापसी की है। तमिलनाडु से ताल्लुक रखने वाले 23 वर्षीय कार्ति ने आखिरी बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इस बार वह 40 सदस्यीय कोर ग्रुप का हिस्सा हैं। वापसी को लेकर उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, मैं नेशनल कैंप में वापस आकर बहुत खुश हूं(

दिल्ली कैपिटल्स में मुस्तफिजुर रहमान की वापसी, जेक फ्रेजर-मैकगर्क की लेंगे जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मुकाबलों के लिए दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने बांग्लादेश के अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम में शामिल किया है। वह ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क की जगह लेंगे, जिन्होंने व्यक्तिगत कारणों से टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 6 करोड़ रुपये की कीमत पर अपने स्क्वॉड में शामिल किया है। उनकी गेंदबाजी शैली (बाएं हाथ से मध्यम गति और कटर गेंदों में महारत) उन्हें विशेष बनाती है, जो किसी भी बल्लेबाजी क्रम को परेशान करने में सक्षम है। टीम मैनेजमेंट को उम्मीद है कि मुस्तफिजुर का अनुभव और विविधता टीम को टूर्नामेंट के निर्णायक मुकाबलों में मजबूती प्रदान करेगी। इससे पहले भी वह आईपीएल में मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स जैसी टीमों के लिए खेल चुके हैं। मुस्तफिजुर रहमान

आईपीएल में पहले से ही एक जाना-पहचाना नाम हैं। उन्होंने अब तक 57 आईपीएल मैचों में 61 विकेट झटके हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी वह टी20 प्रारूप में बांग्लादेश के लिए 106 मैचों में 132 विकेट लेकर अपनी उपयोगिता साबित कर चुके हैं। वहीं, जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के लिए कुछ महत्वपूर्ण पारियां खेली थीं और उनकी जगह भरना आसान नहीं होगा। लेकिन मुस्तफिजुर की वापसी से गेंदबाजी विभाग को संतुलन मिलने की उम्मीद है।

आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप 2025 : गन फॉर ग्लोरी अकादमी के आठ निशानेबाज भारतीय दल का हिस्सा

एजेंसी

पुणे/नई दिल्ली। जर्मनी के सुहल शहर में 19 से 27 मई तक आयोजित होने वाले आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारत ने 36 सदस्यीय निशानेबाजी दल की घोषणा की है। इस दल में गगन नारंग द्वारा स्थापित गन फॉर ग्लोरी अकादमी के आठ प्रतिभाशाली युवा निशानेबाज भी शामिल हैं, जो भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इन खिलाड़ियों में नरैन प्रणव, मुकेश नेलावली, अनुष्का ठोकर, प्राची गायकवाड़, के. तनिष्क नायडू (आरपीओ), सग्निक बनर्जी (आरपीओ), मेल्विना एंजेलिन जोएल (आरपीओ) और वेदांत वाघमारे (आरपीओ) के नाम प्रमुख हैं। ये सभी खिलाड़ी प्रोजेक्ट लीप के तहत प्रशिक्षित हुए हैं- यह ओलंपिक गोल्ड क्रेस्ट के सहयोग से चलाया जा रहा एक विशेष कार्यक्रम है, जो शारीरिक, मानसिक और तकनीकी कौशल के समग्र विकास पर केंद्रित है।पूर्व ओलंपिक कांस्य पदक विजेता गगन नारंग ने कहा, हमारे खिलाड़ियों पर गर्व है जो आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनकी मेहनत, समर्पण और प्रतिभा हमारे अकादमी के मूल्यों को दर्शाती

है। मुझे विश्वास है कि ये युवा भारत को गौरवान्वित करेंगे। मेरी शुभकामनाएं उनके साथ हैं।'

प्रतियोगिता में भारतीय प्रतिनिधियों की स्पर्धाएं इस प्रकार होंगी-

नरैन प्रणवः 10 मीटर एयर राइफल जूनियर पुरुष एवं मिश्रित टीम

मुकेश, तनिष्क और सग्निकः 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल जूनियर पुरुष

अनुष्का, प्राची और मेल्विनाः 50 मीटर थ्री-पोजिशन (3क्ष) जूनियर महिला

वेदांत वाघमारेः 50 मीटर थ्री-पोजिशन (3P) जूनियर पुरुष

उत्साहित अनुष्का ठोकर ने कहा, गगन नारंग स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन का मैं तहेदिल से धन्यवाद करती हूं। उनके मार्गदर्शन और समर्थन के बिना यह सफर संभव नहीं था। अब मेरा लक्ष्य है कि मैं इस मंच पर देश और अपने गुरुओं को गौरवान्वित कर सकूं। उल्लेखनीय है कि प्रोजेक्ट लीप 2017 से अब तक 60 से अधिक उच्च स्तरीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर चुका है और इसका उद्देश्य भारत में ओलंपिक स्तर के निशानेबाज़ तैयार करना है।

'झनक' में आया 20 साल का लीप, क्या शो से

हिबा नवाब

की हो जाएगी छुट्टी?

टेलीविजन इंडस्ट्री में कई सारे ऐसे सीरियल बनाए जाते हैं, जो लोगों के दिलों में खास जगह बना लेते हैं. उन्हीं में से एक कहानी झनक की भी है, जिसमें लीड रोल में हिबा नवाब और कुशाल आहूजा हैं. इस सीरियल को काफी सारे लोग पसंद करते हैं. हालांकि, अब इस सीरियल की कहानी में बड़ा बदलाव होने जा रहा है, जिसके चलते खबर आ रही है कि हिबा भी शो से जल्द ही अलविदा कहने वाली हैं.झनक के मेकर्स सीरियल में बड़ा बदलाव लाने के लिए 20 साल का लीप लाने वाले हैं. लीप की वजह से काफी सारे बदलाव होने वाले हैं, हालांकि शो से जुड़ी नई रिपोर्ट के मुताबिक, बताया जा रहा है कि हिबा नवाब अब इस शो का हिस्सा नहीं होगी. हालांकि, इस खबर से झनक के साथ ही साथ हिबा के फैंस को भी झटका लगा है. हिबा के साथ ही साथ शो के और भी कई सारे एक्टर्स शो से बाहर होने वाले हैं.

कई एक्टर्स होंगे बाहर

टाइम्स नाउ के मुताबिक, हिबा ने पोर्टल से शो के बारे में बात करते हुए इस बात की कंफर्मेशन दी है कि वो इस सो को छोड़ रही हैं. हिबा ने कहा, 'झनक में लीप आने वाला है, लीप आने के बाद मैं इस शो का हिस्सा नहीं हूं. आने वाले वक्त में शो के किरदारों की बढ़ती उम्र दिखाई जाएगी, ऐसे में शो के मेकर्स ने कुशाल अहूजा, हिबा और चांदनी शर्मा को शो से बाहर होने के लिए कह दिया है.

फैंस हो गए हैं निराश

हाल ही में इंडिया फोरम की रिपोर्ट में शो के लीप की पुष्टि की थी. हालांकि, झनक के किरदार में लोग हिबा को काफी पसंद करते थे. ये खबर सामने आने के बाद से फैंस में निराशा फैल गई है. इस शो के जरिए हिबा ने लोगों के बीच अपनी कमाल की पहचान बनाई है. हालांकि, शो में लीप आने के बाद से ये देखना काफी मजेदार होने वाला है कि मेकर्स का ये नया ट्विस्ट लोगों को पसंद आता है भी या नहीं.

कार एक्सिडेंट के बाद शतरंज खेलते-सुर लगाते नजर आए पवनदीप राजन, खुश हुए फैंस

'इंडियन आइडल 12' के विनर पवनदीप राजन का हाल ही में बहुत बड़ा कार एक्सीडेंट हो गया था. लेकिन अब वो पूरी तरह से खतरे से बाहर हैं. दरअसल अस्पताल में दाखिल करने के बाद पवनदीप की कई सर्जरी हो चुकी है. सर्जरी के बाद वो पहले से बहुत बेहतर महसूस कर रहे हैं. तबीयत में सुधार आने के बाद अब पवनदीप सोशल मीडिया पर भी एक्टिव हो गए हैं. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम स्टेटस पर एक स्टोरी पोस्ट की थी, जिसमें वो अपने स्टाफ के साथ शतरंज खेलते हुए दिख रहे थे. साथ ही उनका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ है, जिसमें वो अस्पताल में अपने बेड पर बैठकर गाना गाते नजर आ रहे हैं. उनका ये अंदाज देख उनके फैंस भी बेहद खुश हैं.

पवनदीप की टीम भी सिंगर के सोशल मीडिया अकाउंट से उनकी हेल्थ अपडेट फैंस के साथ शेयर करती रहती है. उनकी टीम ने ही बताया था कि एक्सीडेंट के बाद डॉक्टर ने बताया था कि पवनदीप के शरीर में कई जगह फैक्चर है, जिसके लिए उनके कई ऑपरेशन होंगे. अब भी पवनदीप उसी अस्पताल में हैं, जहां उनका इलाज हो रहा है. पवनदीप राजन के इंस्टाग्राम स्टोरी से ये साफ जाहिर होता है कि अब उनकी हेल्थ पहले से काफी बेहतर है. अस्पताल के स्टाफ के साथ शतरंज खेलते हुए स्टोरी पोस्ट कर पवनदीप ने लिखा है कि 'रिकवरी मोड ऑन. आपके आशीर्वाद के लिए शुक्रिया.'

होश आते ही ऊंचे सुर में गाने लगे पवनदीप

अस्पताल से वायरल हुए पवनदीप के लेटेस्ट वीडियो में वो 'जो भेजी थी दुआ' गाने का रियाज करते हुए नजर आ रहे हैं. दरअसल ऐसी हालत में उन्हें ऊंचे स्वर लगाने में तकलीफ हो रही है.

लेकिन फिर भी उन्होंने अपना रियाज शुरू रखा है. दरअसल, इंडियन आइडल विनर पवनदीप का 5 मई 2025 को उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के पास कार एक्सीडेंट हुआ था. उनकी कार सड़क पर खड़े कैंटर ट्रक से भिड़ गई थी. हादसे में गाड़ी बुरी तरह डैमेज हो गई. इस एक्सीडेंट में पवनदीप के अलावा दो अन्य भी गंभीर रूप से घायल हो गए थे.

शाहरुख खान ने अपने बच्चों से क्या सीखा? एक्टर ने सबके सामने बताई थी फैमिली की ये खास बात

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान ने अपने करियर में वो मुकाम हासिल किया है, जिसे हासिल करने का सपना हर एक नया कलाकार देखता है. शाहरुख का नाम आज देश दुनिया में है. लेकिन ये कामयाबी उन्हें रातों-रात या थाली में परोस कर नहीं मिली है, बल्कि इसके लिए जी तोड़ मेहनत और काम के प्रति समर्पण रहा है.शाहरुख खान के अभिनय को लोगों ने काफी पसंद किया है. शाहरुख के कई फैंस ने अभिनेता से काफी कुछ सीखा भी है. वहीं शाहरुख के बच्चों को भी पिता से कई बार खास सलाह और सीख मिली है. लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि शाहरुख ने भी अपने बच्चों से कुछ सीखा है. ये खुलासा खुद एक्टर एक बातचीत के दौरान कर चुके हैं.

शाहरुख ने अपने बच्चों से क्या सीखा ?

शाहरुख का अपने तीनों ही बच्चों बेटी सुहाना खान और दोनों बेटों आर्यन खान और अबराम खान के साथ बेहद खास रिश्ता है. शाहरुख से कुछ समय पहले एक बातचीत के दौरान एक एक शख्स ने सवाल किया था कि आप ऐसी कौन सी चीज है जो अपने काम में इस्तेमाल कर सकते हैं जो आपको अपने परिवार से सीखने को मिली है? और वो कौन सी चीज है जो आपको ज्यादा से ज्यादा मोटिवेट करती है?

अभिनेता ने इसके जवाब में अपने तीनों बच्चों को लेकर बात की थी. उन्होंने तीनों की एक-एक समस्या के बारे में बताते हुए कहा था कि उन्होंने फैमिली से धैर्य रखना सीखा है. शाहरुख ने कहा था, जितने बच्चे होते है उतना धैर्य आदमी में बढ़ता है. तो अभिनेताने अपनी पत्नी गौरी खान और बच्चों से लाइफ में धैर्य रखने का गुण सीखा है जो कि जीवन की कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी सबसे अहम साबित होता है.

1991 में हुई थी गौरी-शाहरुख की शादी

शाहरुख ने खुद से पांच साल छोटी गौरी खान से लव मैरिज की थी. दोनों की शादी साल 1992 में हुई थी. इसके बाद कपल ने बेटे आर्यन खान का वेलकम किया था. 1997 में आर्यन के जन्म के बाद बेटी सुहाना का जन्म 22 मई 2000 को हुआ था. दो बच्चों के बाद भी शाहरुख-गौरी ने एक और बच्चे की प्लानिंग की. शाहरुख जब 47 साल के थे और गौरी 42 साल की थीं तब दोनों ने सरोगेसी के जरिए साल 2013 में छोटे बेटे अबराम का स्वागत किया था.

शो में हुई भैंसों की एंट्री

निया शर्मा

को याद आ गई नानी, चिल्ला-चिल्ला कर हुआ बुरा हाल

कलर्स टीवी के मजेदार रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ सीजन 2' के आने वाले एपिसोड में कुछ खास मेहमानों की एंट्री होने वाली है. ये खास मेहमान आमतौर पर शो में शामिल होने वाले सेलिब्रिटी एक्टर्स से बिल्कुल ही अलग हैं. दरअसल चार पैर और एक पूछ वाले ये मेहमान कोई और नहीं

बल्कि 3 भैंस है. जी हां, लाफ्टर शो के सेट पर भैंसों की एंट्री होने वाली है. शो नए प्रोमो में शो के जज हरपाल सिंह शो में शामिल सेलिब्रिटीज को ये कहते हुए नजर आ रहे हैं कि सभी कंटेस्टेंट्स को अब भैंस का दूध भी निकालना होगा. उनकी बात सुनकर शो में शामिल कृष्णा अभिषेक, अंकिता लोखंडे, निया शर्मा और रीम शेख जैसे सभी सितारे हैरान रह जाते हैं.

निया शर्मा तो भैंस के पास बैठकर डर के मारे रोने और चिल्लाने लगती हैं. वो कहती हैं कि कहीं भैंस उन्हें उठाकर ही न फेंक दे. वहीं, जब अंकिता लोखंडे भैंस का दूध निकालने की कोशिश करती हैं, तब कृष्णा अभिषेक उनका मजाक उड़ाते हुए कहते हैं कि खदान से कोयला तो बहुत निकाला है, अब दूध निकालो भैया. दरअसल अंकिता के पति विक्की जैन का कोयले के खदान का बिजनेस है. सिर्फ निया शर्मा ही नहीं शो की होस्ट भारती सिंह भी भैंसों को देखकर थोड़ी डरी हुई नजर आती हैं.

सीजन 2 में शामिल हैं कई नए चेहरे

कलर्स का कुकिंग रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ' का ये नया सीजन सिर्फ खाना बनाने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि हंसी-मजाक के साथ इस शो के हर एपिसोड में ढेर सारा ड्रामा भी देखने को मिलता है. इस शो का पहला सीजन सुपरहिट होने के बाद मेकर्स ने 'लाफ्टर शेफ' के दूसरे सीजन के साथ टीवी पर कमबैक किया है. लेकिन इस शो के सीजन 2 की शुरुआत में भारती सिंह, राहुल वैद्य, कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, सुदेश लहरी के अलावा नए चेहरों को इस शो के लिए कास्ट किया गया था. इन नए चेहरों में एल्विश यादव, अब्दु, मन्नारा चोपड़ा, अभिषेक शर्मा और समर्थ जुरेल जैसे एक्स-बिग बॉस कंटेस्टेंट भी शामिल हैं.